ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

कुंभ मेले का दूषित पानी बेच रही है यूपी सरकार: प्रियांक खड़गे @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | गुरुवार, 27 फरवरी, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु.| वर्ष-7 | अंक-57

शुभ-लाभ के 6 साल आपके प्रेम और विश्वास का परिणाम

हमें यह बताते हुए अत्यंत हर्ष हो रहा है कि आप सब सुधि पाठकों और शुभेच्छुकों के प्रेम और विश्वास से हिंदी दैनिक शुभ-लाभ निरंतर कदम दर कदम आगे बढ़ता जा रहा है। आपका यह प्रिय अखबार आज छह साल का हो गया। 27 फरवरी 2019 को हैदराबाद से इस अखबार का प्रकाशन प्रारंभ हुआ और तमाम संघर्षों से होते हुए शुभ-लाभ अखबार ने पत्रकारिता के नए-नए आयाम स्थापित किए और नए-नए अध्याय लिखे। आप सभी शुभेच्छुकों का प्यार और विश्वास हमारा संबल बना रहा और आगे भी बना रहेगा। शुभ-लाभ के वार्षिकोत्सव पर आप पाठकों की तरफ से जिस तरह ढेर सारी शुभकामनाएं मिली हैं, उसने अखबार की विश्वसनीयता और स्वीकार्यता की सनद दी है। हम सभी पाठकों के प्रति अपना हार्दिक आभार ज्ञापित करते हैं।

आपने शुभ-लाभ पर जैसा विश्वास किया, उस अनुरूप हम खबरों के चयन से लेकर संपादकीय विश्लेषणों तक गंभीर वैचारिक धारा कायम रखेंगे और देश-समाज के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे। हमारी संस्कृति में सारे पवित्र काम शुभ-लाभ के नाम से प्रारंभ करने का विधान है।

दीपावली में हम लक्ष्मी-गणेश की पूजा करें या कोई पवित्र कार्य की शुरुआत करें तो हम रोली-सिंदूर से स्वस्तिक बनाते हैं और भगवान गणेश के दो पुत्रों के नाम शुभ और लाभ जरूर लिखते हैं। हम लाभ को भी शुभ दृष्टि से देखते हैं और उसी शुभ-दृष्टि को साक्षी बना कर ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि आप सब शतायु, सुखी, समुन्नत हों... आप सबको महाशिवरात्रि और आने वाली होली की हार्दिक शुभकामनाएं।

गोपाल अग्रवाल
प्रधान संपादक / चेयरमैन
शुभ-लाभ प्रकाशन समूह

भ्रष्टाचार को लेकर द्रमुक पर बरसे अमित शाह, कहा

2026 में तमिलनाडु में बनेगी एनडीए सरकार

कोयंबटूर, 26 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रमुक सरकार पर तीखा हमला बोला और उसके नेताओं पर भ्रष्टाचार और कुशासन का आरोप लगाया। कोयंबटूर, तिरुवन्नामलाई और रामनाथपुरम में भाजपा जिला कार्यालयों के उद्घाटन के अवसर पर बोलते हुए, शाह ने कहा कि भ्रष्टाचार के मामलों में, द्रमुक के सभी नेताओं के पास मास्टर डिग्री है। उनका एक नेता नौकरी के लिए नकद मामले में उलझा हुआ है, दूसरा मनी लॉन्ड्रिंग और अवैध रेत खनन में शामिल है, और तीसरा आय से अधिक संपत्ति से संबंधित आरोपों का सामना कर रहा है।

शाह ने अपने संबोधन की शुरूआत में कहा कि मैं कोयंबटूर के सभी नागरिकों, तमिलनाडु के सभी नागरिकों को और देशभर के शिव भक्तों को शिवरात्रि की बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं। आज हमने कोयंबटूर, तिरुवन्नामलाई और रामनाथपुरम में कार्यालयों का उद्घाटन किया। बाकी सभी राजनीतिक दलों के लिए कार्यालय सिर्फ एक ऑफिस होता है, जबकि हम सब के लिए कार्यालय एक मंदिर होता है, जहां से हम पार्टी का संचालन करते हैं। उन्होंने कहा कि हाल ही में, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने केंद्रीय बजट पेश किया। बजट में मध्यम वर्ग और किसानों को समर्थन देने के साथ-साथ एमएसएमई व्यवसायों के विकास और विस्तार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई कल्याणकारी योजनाएं पेश की गईं।

अमित शाह ने दावा किया कि साल 2024 बीजेपी के लिए ऐतिहासिक रहा है। 2024 में हमारे प्रिय नेता पीएम मोदी ने लगातार तीसरी बार पीएम पद की शपथ ली। 2024 में हमने पहली बार ओडिशा में पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाई। लंबे समय बाद आंध्र प्रदेश में भी एनडीए सरकार बनी। हरियाणा, महाराष्ट्र और दिल्ली में हमारी चुनावी जीत ने साबित कर दिया है कि देश की जनता भाजपा पर भरोसा करती है। उन्होंने अपील कपरते हुए कहा कि तमिलनाडु में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार के गठन के लिए तैयार हो जाइए। 2026 में हम एनडीए प्रशासन स्थापित करेंगे।

उन्होंने कहा कि यह नई सरकार तमिलनाडु के लिए एक नए युग की शुरुआत करेगी। हम राज्य में भाई-भतीजावाद को खत्म कर देंगे। तमिलनाडु में भ्रष्टाचार मिटाया जाएगा। हम तमिलनाडु से भारत विरोधी गतिविधियों में शामिल व्यक्तियों को हटाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु में कानून व्यवस्था की स्थिति काफी चिंताजनक है। यहां तक कि शीर्ष विश्वविद्यालयों और संस्थानों में भी महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं। 700 दिनों के बाद भी वेंगइवायल घटना के अपराधी गिरफ्तार नहीं हुए हैं।

शाह ने साफ तौर पर कहा कि भ्रष्टाचार के मामले में डीएमके के सभी नेताओं के पास मास्टर डिग्री है। उनका एक नेता नौकरी के बदले नकदी मामले में फंसा हुआ है, दूसरा मनी लॉन्ड्रिंग और अवैध रेत खनन में शामिल है, और तीसरा आय से अधिक संपत्ति से संबंधित आरोपों का सामना कर रहा है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री अक्सर दावा करते हैं कि राज्य को केंद्र के हाथों अन्याय का सामना करना पड़ा है। हालाँकि, यूपीए और एनडीए के तहत वितरित धन की तुलना से पता चलता है कि यूपीए शासन के दौरान अन्याय हुआ था।

अमेरिकी नागरिकता देने के लिए 5 गुना वसूलेंगे ट्रम्प

44 करोड़ में नागरिकता देंगे, दो सप्ताह में शुरू होगा गोल्ड कार्ड वीजा प्रोग्राम

वॉशिंगटन डीसी, 26 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प लगातार देश में अवैध तरीके से घुस आए अप्रवासियों को वापस उनके मुल्क भेज रहे हैं और इसके लिए उन्होंने मुहिम चला रखी है। लेकिन दूसरी तरफ ट्रम्प रईसों के लिए एक ऑफर लेकर आए हैं जिसके तहत मोटी रकम खर्च करके अमेरिकी नागरिकता हासिल की जा सकती है। अगर कोई अपना अमेरिकन ड्रीम पूरा करना चाहता है तो उसे 5 मिलियन डॉलर (43 करोड़ रुपए) खर्च करने होंगे। अगर ट्रम्प का ये प्लान लागू हो जाता है तो लंबे वक्त से ग्रीन कार्ड पाने की कतार में खड़े भारतीय प्रोफेशनल्स की परेशानी और बढ़ जाएगी।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने बुधवार को ट्रम्प गोल्ड कार्ड योजना का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि 5 मिलियन डॉलर की फीस देकर अप्रवासी अमेरिकी में रहने का परमिट हासिल कर सकते हैं और ये प्लान मौजूदा 35 साल पुराने ईबी-5 वीजा प्रोग्राम की जगह लेगा, जो अमेरिकी व्यवसायों में कम से कम एक मिलियन डॉलर का निवेश करने वाले विदेशियों को दिया जाता है।

ट्रम्प का ये प्लान अप्रैल तक लागू होने की संभावना है, जिसकी शुरुआत में ऐसे लगभग 10 मिलियन गोल्ड कार्ड वीजा जारी किए जा सकते हैं। ट्रम्प ने कहा कि इस कार्ड को खरीदकर अमीर लोग हमारे देश में आएंगे। वे रईस होंगे, सफल होंगे, बहुत सारा पैसा खर्च करेंगे, बहुत सारा टैक्स देंगे और बहुत से लोगों को रोजगार देंगे।

दोनों तरह के वीजा में बहुत बड़ा अंतर है। मौजूदा ईबी-5 कार्यक्रम के तहत, विदेशी निवेशकों को अमेरिकी व्यवसायों में 8 से 10 लाख डॉलर के बीच कहीं भी निवेश करना पड़ता है और कम से कम 10 नई नौकरियां पैदा करनी पड़ती हैं। इसके अलावा ग्रीन कार्ड के लिए 5-7 साल का इंतज़ार भी करना पड़ता है। विदेशी निवेश को आकर्षित करने के लिए 1990 में शुरू किए गए इस कार्यक्रम पर पिछले कई साल से दुरुपयोग और धोखाधड़ी के आरोप लगे हैं।

अब गोल्ड कार्ड वीज़ा प्लान की फीस पांच गुना बढ़ाकर 5 मिलियन डॉलर तय की गई है। भारी कीमत इसे मिडिल क्लास निवेशकों की पहुंच से बाहर कर देती है, जबकि यह अमेरिकी नागरिकता पाने का सबसे तेज़ और आसान रास्ता है। नौकरियां देने की जरूरत को भी खत्म कर दिया गया है, जिससे यह वीजा सिस्टम और आसान बन जाता है । पांच मिलियन डॉलर की कीमत का मतलब है कि सिर्फ भारत के सुपर-रिच और बड़े कारोबारी ही अमेरिकी निवास पाने के लिए इस आसान रास्ते का खर्च उठा सकते हैं। इससे उन कुशल पेशेवरों की परेशानी बढ़ने की संभावना है जो पहले से ही ग्रीन कार्ड के लिए लंबे इंतजार के दौर से गुजर रहे हैं, कुछ मामलों में तो यह इंतजार दशकों तक का है। इसके अलावा ईबी-5 के तहत अप्लाई करने वाले लोन ले सकते हैं या पैसा जुटा सकते हैं, जबकि गोल्ड कार्ड वीज़ा के लिए पूरा भुगतान नकद करना होगा, जिससे यह भारतीयों के एक बड़े हिस्से की पहुंच से बाहर हो जाता है। भारतीयों के लिए एच-1बी वर्क वीज़ा सबसे पसंदीदा रास्ता बना हुआ है । एच-1बी वीज़ा वाले भारतीय भी गोल्ड कार्ड के लिए आवेदन कर सकते हैं, बशर्ते वे 5 मिलियन डॉलर का भुगतान करने की क्षमता रखते हों।

असम में 80,000 करोड़ की सड़क परियोजनाओं पर काम जल्द शुरू होगा : गडकरी

गुवाहाटी, 26 फरवरी (एजेंसियां)। सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को कहा कि असम में 80,000 करोड़ रुपये की सड़क परियोजनाओं पर काम जल्द ही शुरू होगा।

उन्होंने कहा कि इस पहल के तहत ब्रह्मपुत्र नदी के नीचे एक सुरंग, काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में एक एलिवेटेड कॉरिडोर और गुवाहाटी रिंग रोड सहित प्रमुख परियोजनाएं शुरू की जाएंगी।

एडवांटेज असम 2.0 व्यापार शिखर सम्मेलन में सड़क, रेलवे और नदी अवसंरचना पर आयोजित सत्र को ऑनलाइन संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि 2029 तक उनके मंत्रालय के तहत राज्य में तीन लाख करोड़ रुपये की परियोजनाएं पूरी हो जाएंगी।

उन्होंने कहा कि राज्य में 60,000 करोड़ रुपये की परियोजनाओं पर काम पहले से ही जारी है और वे विभिन्न चरणों में पूरी हो रही हैं।

मंत्री ने कहा कि इनमें वे परियोजनाएं शामिल हैं जो न केवल राज्य के भीतर संपर्क में सुधार करेंगी बल्कि त्रिपुरा और नगालैंड के साथ सड़क संचार को भी बढ़ावा देंगी।

गडकरी ने कहा कि राज्य में 80,000 करोड़ रुपये की अन्य परियोजनाएं शुरू होने वाली हैं। इसके तहत प्रमुख परियोजनाओं में नुमालीगढ़ और धौलपुर को जोड़ने वाली ब्रह्मपुत्र के नीचे 15,000 करोड़ रुपये की सुरंग, काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में 6,000 करोड़ रुपये का एलिवेटेड कॉरिडोर और गुवाहाटी रिंग रोड शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि जोगीघोपा में मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स केंद्र लगभग पूरा हो चुका है और इसे जल्द ही खोला जा सकता है।

बांस आधारित नए युग के उद्योग में असम की क्षमता को उल्लेख करते हुए गडकरी ने ईंधन निर्माण और अन्य आर्थिक क्षेत्रों में इसकी भूमिका पर जोर दिया। ▶10 पर

अफ्रीका और जापान के साथ लाभकारी साझेदारी बनाने के लिए भारत प्रतिबद्ध : जयशंकर

नई दिल्ली , 26 फरवरी (एजेंसियां)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बुधवार को अफ्रीका और जापान के साथ पारस्परिक रूप से लाभकारी साझेदारी बनाने के लिए भारत की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता पर जोर दिया।

जापान-भारत-अफ्रीका व्यापार मंच में बोलते हुए, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत और जापान अफ्रीका के सतत और समावेशी विकास का समर्थन करने के लिए अच्छी स्थिति में हैं।

विदेश मंत्री ने कहा कि अफ्रीका के साथ भारत का जुड़ाव दीर्घकालिक, स्थायी साझेदारी पर आधारित है। उन्होंने कहा, अफ्रीका के प्रति भारत का दृष्टिकोण हमेशा से ही दीर्घकालिक पारस्परिक रूप से लाभकारी साझेदारी बनाने की गहरी प्रतिबद्धता से प्रेरित रहा है। शोषणकारी मॉडलों के विपरीत, भारत क्षमता निर्माण, कौशल विकास और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण में विश्वास करता है और चाहता है कि अफ्रीकी देश न ▶10 पर

दोषी राजनेताओं पर न लगे आजीवन प्रतिबंध केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट से क्यों कही ये बात?

नई दिल्ली, 26 फरवरी (एजेंसियां)। दोषी राजनताओं की सजा को लेकर लगातार बहस चल रही है। इसी बीच केंद्र सरकार ने केंद्र ने दोषी करार दिये गए राजनीतिक नेताओं पर आजीवन प्रतिबंध लगाने की सजा को कठोर कहा है। साथ ही अनुरोध करने वाली एक याचिका का उच्चतम न्यायालय में विरोध करते हुए कहा है कि इस तरह की अयोग्यता तय करना केवल संसद के अधिकार क्षेत्र में आता है। शीर्ष अदालत में दाखिल हलफनामे में केंद्र ने कहा कि याचिका में जो अनुरोध किया गया है वह विधान को फिर से लिखने या संसद को एक विशेष तरीके से कानून बनाने का निर्देश देने के समान है, जो न्यायिक समीक्षा संबंधी उच्चतम न्यायालय की शक्तियों से पूरी तरह से परे है।

हलफनामे में कहा गया है, यह सवाल कि आजीवन प्रतिबंध लगाना उपयुक्त होगा या नहीं, यह पूरी तरह से संसद के अधिकार क्षेत्र में आता है । इसमें कहा गया है कि दंड के क्रियान्वयन को एक उपयुक्त समय तक सीमित कर, रोकथाम सुनिश्चित की गई है और अनावश्यक कठोर कार्रवाई से बचा गया है। केंद्र ने कहा कि यह कानून का स्थापित सिद्धांत है कि दंड या तो समय या मात्रा के अनुसार निर्धारित होते हैं।

हलफनामे में कहा गया है, यह दलील दी गई है कि याचिकाकर्ता द्वारा उठाए गए मुद्दों के व्यापक प्रभाव हैं और वे स्पष्ट रूप से संसद की विधायी नीति के अंतर्गत आते हैं तथा इस संबंध में न्यायिक समीक्षा की रूपरेखा में उपयुक्त परिवर्तन करना पड़ेगा। अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय ने शीर्ष अदालत में याचिका दायर कर दोषी करार दिये गए राजनीतिक नेताओं पर आजीवन प्रतिबंध लगाने के अलावा देश में सांसदों और विधायकों के खिलाफ आपराधिक मामलों के त्वरित निस्तारण का अनुरोध किया है।

अपने हलफनामे में, केंद्र ने रेखांकित किया कि शीर्ष अदालत ने निरंतर यह कहा है कि एक विकल्प या दूसरे पर विधायी विकल्प की प्रभावकारिता को लेकर अदालतों में सवाल नहीं उठाया जा सकता। जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 8 (1) के तहत, अयोग्यता की अवधि दोषसिद्धि की तारीख से छह साल या कारावास के मामले में रिहाई की तारीख से छह साल तक है।हलफनामे में कहा गया है कि उक्त धाराओं के तहत घोषित की जाने वाली अयोग्यताएं संसदीय नीति का विषय हैं और आजीवन प्रतिबंध लगाना सही नहीं होगा।

.केंद्र ने कहा कि न्यायिक समीक्षा के मामले में, न्यायालय प्रावधानों को असंवैधानिक घोषित कर सकता है, हालांकि, याचिकाकर्ता द्वारा मांगी गई राहत में अधिनियम की धारा 8 की सभी उप-धाराओं में छह वर्ष के प्रावधान को आजीवन पढ़े जाने का अनुरोध किया गया है। ▶10 पर

राहुल गांधी और उद्धव ठाकरे नहीं गए महाकुंभ उनका बॉयकॉट करें हिंदू वोटर्स : अठावले

नई दिल्ली, 26 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने बुधवार को शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे और कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर महाकुंभ में शामिल नहीं होकर हिंदू समुदाय का अपमान करने का आरोप लगाया और हिंदू मतदाताओं से उनका बहिष्कार करने का आग्रह किया। महाराष्ट्र के एक प्रमुख दलित नेता और भाजपा के सहयोगी अठावले ने प्रयागराज में चल रहे कुंभ मेले में भाग नहीं लेने के दौरान हिंदुत्व की वकालत करने के लिए ठाकरे की आलोचना की। अठावले ने कहा कि ठाकरे हिंदुत्व की बात करते हैं लेकिन उन्होंने प्रयागराज में चल रहे कुंभ मेले में हिस्सा नहीं लिया।

रामदास अठावले ने कहा कि ठाकरे और गांधी परिवार ने महाकुंभ में भाग न लेकर हिंदुत्व का अपमान किया है। ▶10 पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 89,340/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 97,245/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 34°
न्यूनतम : 23°

स्वयं को शिक्षित और आत्मनिर्भर बनाने के निरंतर प्रयास करें महिलाएं : मुर्मू

गढ़ा (छतरपुर), 26 फरवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने देश की महिलाओं का आह्वान करते हुए आज कहा कि महिलाएं स्वयं को शिक्षित और आत्मनिर्भर बनाने के निरंतर प्रयास करती रहें क्योंकि महिलाओं के सफल होने से समाज सफल होता है।

श्रीमती मुर्मु मध्यप्रदेश के छतरपुर जिले के गढ़ा ग्राम स्थित बागेश्वर धाम में आयोजित सामूहिक विवाह समारोह को संबोधित कर रहीं थीं। इस दौरान राज्यपाल मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, खजुराहो सासंद और भारतीय जनता पार्टी अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा एवं बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री भी उपस्थित थे।श्रीमती मुर्मु ने कहा कि वे 251 बेटियों के सामूहिक विवाह समारोह में शामिल होकर अत्यंत प्रसन्न हैं। उन्होंने कहा कि हमारा समाज प्रगति के पथ पर आगे बढ़े, उनकी यही कामना है। इसके साथ ही उन्होंने नवयुगलों को सुखमय वैवाहिक जीवन के लिए शुभकामनाएं भी दीं।

राष्ट्रपति ने कहा कि ये समारोह जन सहयोग से हो रहा है और इसमें नवयुगलों को आवश्यक सामान दिया जा रहा है। ये जनकल्याण का कार्य है। आज विवाह बंधन में बंधने वाले दंपत्ति इस दिवस की स्मृतियों को संजो कर रखेंगे, ऐसा विश्वास है।

श्रीमती मुर्मु ने कहा कि भारत की परंपरा में संतों ने सदा से अपने कर्मों और वाणी से जनमानस को राह दिखाई है। समकालीन समाज में व्याप्त कुरीतियों के खिलाफ आवाज उठाई है। उन्होंने समाज में फैले अंधविश्वास के प्रति जागरुक किया है। भेदभाव को दूर किया है। संतों ने महिला को समाज में उचित स्थान देने के प्रयास किए हैं। उन्होंने कई संतों के नाम लेते हुए कहा कि उन्होंने सदा समाज कल्याण के कार्य किए हैं। इसी के साथ उन्होंने कहा कि हमारे छोटे छोटे प्रयास बेटियों को सशक्त बनाएंगे। उन्होंने कहा कि वे सभी महिलाओं से कहना चाहेंगी कि वे स्वयं को शिक्षित और आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर प्रयास करें क्योंकि महिलाओं के सफल होने से समाज सफल होगा।

कार्टून कॉर्नर

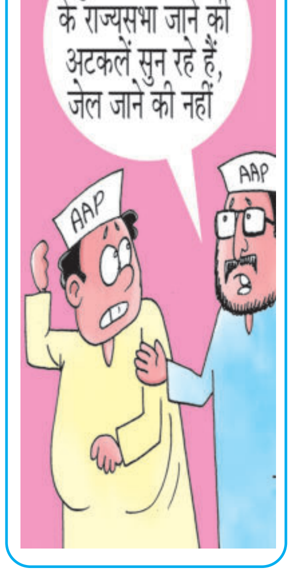

शुभ लाभ DAILY

महाशिवरात्रि पर शिवालयों में दिखा आस्था की बयार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। महाशिवरात्रि पर बुधवार को हर-हर बम बम से शिवालय गूंजते रहे। भोर से ही मंदिरों में शुरू हुआ दर्शन-पूजन और जलाभिषेक का सिलसिला देर रात तक चलता रहा। राजाजीनगर समेत अन्य प्रमुख मंदिरों में हजारों भक्तों ने हाजिरी लगाई। आम का बौर, भांग, धतूरा व बेलपत्र चढ़ाकर दूध और गंगा जल से भोलेनाथ का जलाभिषेक किया। काफी संख्या में पहुंचे महिलाओं, पुरुषों और बच्चों ने भोलेनाथ का जलाभिषेक कर दर्शन-पूजन किया।

कर्नाटक अंतरराष्ट्रीय पर्यटन एक्सपो का उद्देश्य

राज्य के अद्भुत पर्यटन स्थलों को दुनिया से परिचित कराना: कानुन मंत्री

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। विधि, न्याय, मानवाधिकार, संसदीय कार्य, विधान एवं पर्यटन मंत्री एचके पाटिल ने कहा कि राज्य के अद्भुत पर्यटन स्थलों को दुनिया से परिचित कराने के उद्देश्य से पर्यटन विभाग और कर्नाटक पर्यटन सोसायटी की ओर से 26 से 28 फरवरी तक बेंगलूरु में कर्नाटक अंतरराष्ट्रीय पर्यटन एक्सपो का आयोजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया इसका उद्घाटन करेंगे। शहर के सर्किट हाउस में मंगलवार को आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए पाटिल ने कहा कि 27 और 28 फरवरी को दो दिन तक व्यावसायिक बैठकें आयोजित की जाएंगी। हमारे राज्य में अनगिनत पर्यटन स्थल और स्मारक हैं। यहां 25,000 से अधिक असुरक्षित स्मारक हैं, जिनमें से 800 से

अधिक को संरक्षित स्मारक घोषित किया गया है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार का लक्ष्य पर्यटन के व्यापक विकास को समर्थन देना है और इस संबंध में यह एक्सपो एक बहुत ही महत्वपूर्ण गतिविधि है। देश में केवल कुछ ही राज्य इस प्रकार के बी2बी सम्मेलन आयोजित करते हैं और हमारा राज्य उनमें से एक है। केन्द्र सरकार ने हमारी पहल का समर्थन किया है और केन्द्रीय पर्यटन मंत्रालय इस सम्मेलन में भाग ले रहा है। इसका उद्देश्य पर्यटन क्षेत्र के सभी हितधारकों को एक छत के नीचे लाना है ताकि क्षेत्र के रुझानों पर चर्चा की जा सके और समाधान ढूंढा जा सके। होटल व्यवसायी, ट्रैवल एजेंसियां, होमस्टे मालिक, कृषि पर्यटन प्रमोटर, टूर गाइड, महिला उद्यमी और इस क्षेत्र से जुड़े सभी लोग इस सम्मेलन में भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि योग गुरुओं की ओर से योग प्रदर्शन आयोजित किए गए हैं, शीशम की नक्काशी, संदूर कढ़ाई और बांस जैसी कला गतिविधियों को प्रदर्शित किया जाएगा। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य इस सम्मेलन के माध्यम से घरेलू और विदेशी पर्यटकों को नियमित रूप से राज्य में आकर्षित करना है तथा इस सम्मेलन में भाग लेने वाले ट्रैवल ऑपरेटरों को हमारे राज्य के प्रचार राजदूत के रूप में अपने-अपने देशों से पर्यटकों को नियमित रूप से हमारे राज्य में भेजने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाना है। इसके परिणामस्वरूप हमारे राज्य में आने वाले पर्यटकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। पाटिल ने कहा कि आगामी वर्षों में अनुमानत: एक करोड़ घरेलू पर्यटकों और एक लाख विदेशी पर्यटकों की संख्या में वृद्धि होने की उम्मीद है। इससे हमारे राज्य के लिए विदेशी मुद्रा बढ़ेगी और प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष करों के माध्यम से राज्य को राजस्व प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि अगामी 3-4 वर्षों में राज्य को 2,750 करोड़ रुपए का अनुमानित राजस्व प्राप्त होने की उम्मीद है। आय के साथ-साथ आर्थिक गतिविधियां भी बढ़ेंगी, जिससे स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अधिक अवसर पैदा होंगे। कुशल और अर्ध-कुशल युवाओं को अपने-अपने स्थानों पर ही नौकरी मिल जाएगी और वे बड़े शहरों की ओर पलायन से बचेंगे। विभिन्न क्षेत्रों के साथ-साथ पर्यटन भी बढ़ेगा। संवाददाता सम्मेलन में पूर्व मंत्री एएम हिंडसगेरी, वरिष्ठ कांग्रेस नेता महेंद्र सिंघी, सदानंद डंगनवर और अन्य लोग मौजूद थे।

पगारिया स्वयं जेबीएन वी-प्रेनर्स की बैठक आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पगारिया स्वयं जेबीएन वी. प्रेनर्स ने चमाराजपेट में स्थित जीतो कार्यालय में एक अत्यंत प्रभावशाली एवं प्रेरणादायक बैठक का आयोजन किया। यह समर्पित महिलाओं का रेफरल समूह व्यापारिक संबंधों का विस्तार करने और सहयोगी व्यापार विकास को प्रोत्साहित करने हेतु एकत्रित हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत नवकार मंत्र के जप से हुई, जिसने पूरे दिन के लिए सकारात्मक एवं केंद्रित माहौल स्थापित किया। अतिथि वक्ताओं में मार्केटिंग एवं सेल्स विशेषज्ञ हर्षिका बैद तथा कंटेंट क्रिएटर एवं सार्वजनिक वक्ता कनिश्का बैद शामिल थी।

दोनों वक्ताओं ने ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों क्षेत्रों में मार्केटिंग रणनीतियों को बेहतर बनाने हेतु अमूल्य सुझाव प्रदान किए। विशेष रूप से, उन्होंने संभावित ग्राहकों से जुड़ने के महत्वपूर्ण पहलुओं पर जोर दिया और उपस्थित सभी से आग्रह

किया कि तुरंत ही इन रणनीतियों को अपनाना प्रारंभ करें, क्योंकि यदि आप अपने व्यवसाय का समर्थन नहीं करेंगे, तो और कौन करेगा? यह सत्र व्यवसायों को न केवल सही मानसिकता बल्कि आवश्यक व्यावहारिक उपकरणों से भी सुसज्जित करने का प्रयास था, जिससे वे निरंतर प्रगति कर सकें। यह बैठक स्पष्ट रूप से दर्शाती है कि प्रभावी मार्केटिंग और आत्म-प्रचार व्यापार की सफलता के अनिवार्य घटक हैं। विशेषज्ञ सत्रों के अतिरिक्त, सदस्यों ने उत्साहपूर्वक अपने 30-सेकंड के व्यापार पिच प्रस्तुत किए, जिससे बैठक में एक ऊर्जावान वातावरण का निर्माण हुआ। सत्र का कुशल संचालन रेफरल हेड नीलम शांड, रेफरल लीड लताशा भंडारी, रेफरल सचिव ज्योति कोचट्टा ने किया। प्रथम संपर्क स्थापित करने के लिए अंजू पारेख, सर्वश्रेष्ठ 30-सेकंड व्यापार वक्ता के रूप में मीतु जैन और उच्चतम व्यापार देने वाले के रूप में चेतना जैन को सम्मानित किया गया। मुख्य टीम ने हर्षिका बैद और कनिश्का बैद का उनके कीमती समय एवं ज्ञान साझा करने हेतु हार्दिक आभार व्यक्त किया।

मुडा घोटाले में कांग्रेस सांसद नाइक के खिलाफ कार्रवाई

क्या लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी नाइक के इस्तीफे की मांग करेंगे: लहर सिंह सिरोया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा के राज्यसभा सदस्य लहर सिंह सिरोया ने मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) घोटाले में कर्नाटक लोकायुक्त द्वारा कांग्रेस सांसद जी. कुमार नाइक पर आरोप लगाए जाने पर चिंता जताई है और सवाल किया है कि क्या लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी नाइक के इस्तीफे की मांग करेंगे।

सिरोया ने सोशल मीडिया पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा मैंने अखबारों में पढ़ा कि लोकायुक्त जांच रिपोर्ट में कहा गया है कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के परिवार से जुड़ा मुडा घोटाला मैसूरु के तत्कालीन डिप्टी कमिश्नर जी. कुमार नाइक और तीन अन्य अधिकारियों द्वारा की गई अवैधताओं के कारण हुआ था। उन्होंने कहा जी. कुमार नाइक ने 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले अचानक आईएएस छोड़ दिया और अब कर्नाटक के रायचूर से कांग्रेस के मौजूदा सांसद हैं।

क्या हम उनके लोकसभा टिकट को सेवा में रहते हुए कांग्रेस नेताओं को दिए गए उनके एहसानों के लिए एक बड़े मुआवजे के रूप में देख सकते हैं? क्या एक अधिकारी के रूप में उन्होंने कांग्रेस पार्टी से बड़े राजनीतिक लाभ प्राप्त करने के लिए मुडा घोटाले जैसे अन्य अवैध कार्य किए हैं? क्या एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को आईएएस अधिकारी के रूप में उनकी ईमानदारी के बारे में पता था? क्या राज्य सरकार की मशीनरी मुख्यमंत्री और उनके परिवार को बचाने के लिए अधिकारियों को बस के नीचे धकेलने के लिए ओवरटाइम काम कर रही है? क्या यह उल्टा होगा? क्या इससे राज्य की नौकरशाही का मनोबल नहीं गिरेगा? सिरोया ने आगे सवाल किया कि क्या नाइक को अब कोई परिणाम भुगतना पड़ेगा क्योंकि वह आईएएस से सेवानिवृत्त हो चुके हैं। अब जबकि कुमार नाइक सेवा से सेवानिवृत्त हो चुके हैं, क्या उन्हें दंडित किया जाएगा? या क्या वह कार्रवाई से मुक्त हो गए हैं? क्या भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, कर्नाटक कांग्रेस इकाई और राहुल गांधी, जो हर समय नैतिकता की बात करते हैं, नाइक को रायचूर के सांसद के रूप में इस्तीफा देने के लिए मजबूर करेंगे? या वे इसे बेशर्मी से करेंगे क्योंकि वे महान उदारवादी हैं जो भारतीय लोकतंत्र को 'बचाने' के लिए काम कर रहे हैं?

पुलिस आयुक्त से जन्म कल्याणक पर आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था का आग्रह

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जैन युवा संगठन के एक प्रतिनिधि मंडल ने पुलिस आयुक्त बी. दयानंद से मुलाकात कर श्रमण भगवान महावीर स्वामी के 2624वें जन्म कल्याणक महोत्सव आयोजन हेतु आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था प्रदान करने का आग्रह किया। इस वर्ष श्रमण भगवान महावीर स्वामी का जन्म कल्याणक महोत्सव 10 अप्रैल को फ्रीडम पार्क में आयोजित होगा। पुलिस आयुक्त बी. दयानंद

ने जैन समाज एवं संगठन द्वारा किए जा रहे मानव कल्याण कार्यों की सराहना के साथ ही प्रभु महावीर जन्म कल्याणक निमित्त सुरक्षा व्यवस्था के लिए तत्पर रहने का आश्वासन दिया। संगठन के उपाध्यक्ष मुकेश सुराणा ने पुलिस आयुक्त को जैन युवा संगठन द्वारा किए जा रहे कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर संगठन के अध्यक्ष जैन महावीर मुणोत के नेतृत्व में उपाध्यक्ष मुकेश सुराना, सुरक्षा व्यवस्था सह चेयरमैन महावीर दक, कार्यकारिणी सदस्य अनिल बंट, आतिश धोका, हितेश कांकलिया उपस्थित रहे।

एक कदम स्वावलंबन की ओर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशानुसार आर आर नगर महिला मंडल के तत्व-ावधान में उड़ान सुनहरा भविष्य के तहत एक कदम स्वावलंबन की ओर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र के साथ हुआ। महिला मंडल की बहनों ने प्रेरणा गीत का संगान किया। अध्यक्षा सुमन पटावरी ने सभी का स्वागत किया। सह संयोजिका निशा छाजेड़ ने शिप्रा कोठारी का

परिचय दिया। शिप्रा कोठारी ने आटे और मैदा से वफल कप केक आदि बनाना सिखाया। उन्होंने गैस एवं ओवन में कैसे केक बनाते है के बारे में भी बताया। सभी सदस्याओं ने बड़े ही उत्साह के साथ केक बनाना सिखा। शिप्रा ने कई टिप्स भी दिये। मंडल ने शिप्रा का सम्मान किया। अंत में मंत्री पदमा मेहर ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन संयोजिका जया श्यामसुखा ने किया। कार्यशाला में लगभग 70 सदस्यों की उपस्थिति रही।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री बीरेश्वर देवस्थान बापूजी नगर में महाशिवरात्रि के उपलक्ष में आयोजित विशेष पूजा महोत्सव कार्यक्रम में महेंद्र मुणोत ने भगवान शिव के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। उन्होंने कहा शिव का भाव ही कल्याण है। मंदिर के पदाधिकारियों ने मुणोत को सम्मानित किया।

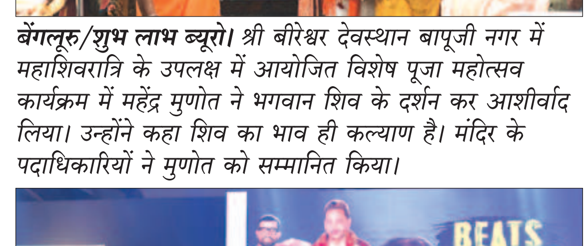

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। नृत्य डांस स्कूल द्वारा हंपी नगर स्थित चंद्रशेखर आजाद खेल मैदान में वार्षिकोत्सव बीट्स 2025 कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने बाल प्रतिभाओं को पुरस्कृत किया।

एमडीएमए के परिवहन-बिक्री के आरोप में ड्रग तस्कर गिरफ्तार

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मेंगलूरु सिटी क्राइम ब्रांच (सीसीबी) के कर्मियों ने बेंगलूरु से मेंगलूरु तक एमडीएमए के परिवहन और बिक्री में शामिल एक ड्रग तस्कर को गिरफ्तार किया। मेंगलूरु के पुलिस आयुक्त अनुपम अग्रवाल ने कहा कि पुलिस ने उसके कब्जे से 27 ग्राम एमडीएमए बरामद किया है। गिरफ्तार व्यक्ति बंटवाल तालुक के सुभाष नगर का रहने वाला आसिफ उर्फ अची (32) है। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने मेंगलूरु साउथ पुलिस स्टेशन की सीमा में नेहरू मैदान के पास छापेमारी की। गिरफ्तार व्यक्ति इसे लोगों और छात्रों को बेचने की कोशिश कर रहा था। पुलिस ने 1.35 लाख रुपये कीमत का 27 ग्राम एमडीएमए, एक मोबाइल फोन और एक डिजिटल वजन मापने वाला स्केल जब्त किया। मेंगलूरु साउथ पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। गिरफ्तार किए गए व्यक्ति के खिलाफ ड्रग तस्करी से संबंधित तीन मामले दर्ज हैं, जिसमें 2018 में सुरथकल पुलिस स्टेशन में, 2021 में विट्टल पुलिस स्टेशन में और 2023 में बंटवाल टाउन पुलिस स्टेशन में शामिल है।

कुंभ मेले का दूषित पानी बेच रही है यूपी सरकार: प्रियांक खड़गे

12 प्रतिशत बीमारियों का स्रोत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। ग्रामीण विकास और आईटी-बीटी मंत्री प्रियांक खड़गे ने बुधवार को कहा कि केंद्र सरकार के प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की रिपोर्ट में खुद कहा गया है कि कुंभ मेले का पानी उपयुक्त नहीं है। उत्तर प्रदेश की सरकारी संस्थाएं भी इसी की वकालत कर रही हैं। हालांकि, उन्होंने इस बात पर नाराजगी जताई है कि पानी बेचा जा रहा है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि कुंभ मेले से पहले ही रिपोर्टें आ चुकी थीं कि मानव और पशुओं के शवों के बह जाने के कारण गंगा प्रदूषित हो गई है, जो 12 प्रतिशत बीमारियों का स्रोत हैं। उन्होंने कहा कि निजी कंपनियां धर्म के नाम पर वही पानी बेच रही हैं। हमें अपनी परम्पराओं को संरक्षित रखना होगा। लेकिन वे भक्ति के नाम पर इसका व्यवसायीकरण कर रहे हैं। मैं इसके खिलाफ हूं। वे यह विश्वास करके पैसा ऐंठ रहे हैं कि इससे आपके पापों का प्रायश्चित हो जाएगा। उन्हें अपने पापों का प्रायश्चित करने का कोई रास्ता खोजना चाहिए। मुझे इस पर कोई आपत्ति नहीं है, चाहे वह कहीं भी हो। लेकिन हमारा प्राथमिक उद्देश्य जल संसाधनों की रक्षा करना है। चाहे वह महाकुंभ मेला हो या तलाकाडु मेला। लोगों को भावनात्मक रूप से मूर्ख महसूस कराना गलत है। ऐसा माना जाता है कि पानी किसी स्रोत से आता है। बिना यह जांचे कि यह शुद्ध है या नहीं, इसे बेचना उचित नहीं है। मानव जाति का इतिहास जल से शुरू हुआ और जल कृषि से लेकर दैनिक जीवन तक हर चीज के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा कि इसकी रक्षा करना हम सबका कर्तव्य है। केन्द्र और उत्तर प्रदेश सरकार दोनों जानती हैं कि गंगा का पानी प्रदूषित है। इससे पहले गंगा नमामि परियोजना पर 38 हजार करोड़ रुपये खर्च किए गए थे। उन्होंने कहा कि इसके बाद भी केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने रिपोर्ट जारी कर बताया कि राज्य में अभी भी प्रदूषण है। जब राज्य में प्रदूषित पानी के मामले सामने आए तो मेरी आलोचना की गई। जल निकायों को संरक्षित करने की आवश्यकता है। उन्होंने इस बात पर असंतोष व्यक्त किया कि यदि सच कहा जाता है तो उसे भावनात्मक रूप से तोड़-मरोड़ कर फैलाया जाता है। हमारी सरकार ने चार महीने पहले जल निकायों को रासायनिक और जैविक प्रदूषकों से प्रदूषित होने से बचाने के लिए एक जल सम्मेलन आयोजित किया था। इसमें 120 से अधिक स्टार्टअप्स ने भाग लिया। सरकार इसमें अच्छे विचारों को अपना रही है। उन्होंने कहा कि भूजल स्तर में सुधार के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। पिछली बार स्थापित की गई जल शोधन इकाइयों में सुधार किया जा रहा है। इस समस्या का समाधान किया जाना चाहिए कि इनके प्रबंधन के लिए कौन आगे नहीं आ रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य हर गांव तक पानी और ऊर्जा पहुंचाना है। केंद्र सरकार ने जलजीवन मिशन को चौथे चरण में पांच साल के लिए बढ़ा दिया है। राज्य ने 23 नये प्रस्तावों के लिए भी 50 प्रतिशत धनराशि आबंटित की है। यदि केंद्र सरकार अनुमति दे और धनराशि जारी कर दे तो परियोजना जारी रहेगी। मोहन दास पई के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि कीबोर्ड योद्धाओं के बारे में बात करना बेकार है। चेन्नई और मुंबई सहित सभी शहरों में यह समस्या है। लेकिन वहां के नेता ऐसे बयान नहीं देते जिससे निवेश को नुकसान पहुंचे। हमारी सरकार ने उद्योग जगत के नेताओं को सुधार समितियों का सदस्य बनाया है। उन्होंने जवाब दिया कि उन्हें जिम्मेदारी से बोलना चाहिए। आईटी और बीटी लोगों के कारण बेंगलूरु की अच्छी प्रतिष्ठा है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि इसके लिए व्यवसायी ही जिम्मेदार हैं। लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि इसके लिए सरकारी नीतियां और कार्यक्रम ही जिम्मेदार हैं। उन्होंने सवाल किया कि क्या सरकार आईटी और बीटी पर कर लगाकर विकास कर पाती, जबकि सरकार ने इन्हें उभरते उद्योग के रूप में देखते हुए शुरू में ही कर लगा दिया था। समय-समय पर सभी सरकारों ने बुनियादी ढांचे के निर्माण सहित आवश्यक सहायता प्रदान की है। हम तब चुप नहीं रह सकते जब मोहनदास पई जैसे कीबोर्ड योद्धा बिना उनसे परामर्श किए कन्नड़ लोगों और कर्नाटक का बार-बार अपमान करते हैं।

क्या हम ईमानदारी से प्रयास नहीं कर रहे हैं?

आपके साथ क्या समस्या है? क्या हम ईमानदारी से प्रयास नहीं कर रहे हैं? उन्होंने उन्हें फटकार लगाते हुए पूछा कि वे केंद्र सरकार के खिलाफ क्यों नहीं बोल रहे हैं और कर अन्याय के बारे में चुप क्यों हैं। वे यह जानते हुए भी बोल रहे हैं कि उनके बयान से राज्य को नुकसान होगा। वे अनुभवहीन नहीं हैं, वे भाजपा आलाकमान को खुश करने के प्रयास में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर राज्य की प्रतिष्ठा को खतरे में डाल रहे हैं। वे कन्नड़ लोगों की कड़ी मेहनत का अपमान कर रहे हैं। बेंगलूरु सुरंग परियोजना में बाधा डालने के लिए भाजपा पर कटाक्ष करते हुए प्रियांक खड़गे ने कहा कि वे विकास संबंधी परियोजनाएं नहीं चाहते हैं। वे स्टील पुल और सुरंग सड़क सहित हर चीज का विरोध करते हैं। उन्होंने सवाल किया कि राज्य का प्रतिनिधित्व करने वाले केंद्रीय मंत्री का इसमें क्या योगदान है।

कर्नाटक में पीने के पानी की कोई समस्या नहीं: उपमुख्यमंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, जो जल संसाधन विभाग भी संभालते हैं, ने बुधवार को कहा कि राज्य में पीने के पानी की कोई कमी नहीं है और सरकार सिंचाई की जरूरतों को भी प्रभावी ढंग से प्रबंधित कर रही है। शिवकुमार ने बताया राज्य में पीने के पानी की कोई समस्या नहीं है। हमारे पास पर्याप्त पीने का पानी है और हम सिंचाई की जरूरतों को प्रभावी ढंग से प्रबंधित कर रहे हैं। शिवकुमार ने कहा कि उदयपुर में दूसरे अखिल भारतीय जल संसाधन मंत्रियों के सम्मेलन में कर्नाटक से संबंधित कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई। चर्चा के दौरान, हमने तुंगभद्रा नदी के मुद्दे को संबोधित किया और एक वैकल्पिक बांध बनाने की इच्छा व्यक्त की। संबंधित मंत्रियों ने आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के साथ बैठकें कीं और मैंने व्यक्तिगत रूप से चंद्र बाबू नायडू से बात की। हमने गाद को हटाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया, जो जल भंडारण में महत्वपूर्ण कठिनाइयों का कारण बन रहा है। शिवकुमार ने उल्लेख किया कि उन्होंने इस मुद्दे पर आगे चर्चा करने के लिए आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्र बाबू नायडू के साथ बैठक का अनुरोध किया था। उन्होंने मेकेदातु बांध परियोजना के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा चूंकि केंद्र सरकार को अपनी राय देनी चाहिए, इसलिए यह जरूरी है कि परियोजना से तमिलनाडु और कर्नाटक दोनों को लाभ हो। भले ही हम राजनीतिक विरोधी हों, लेकिन मेकेदातु परियोजना दोनों राज्यों के लिए फायदेमंद होनी चाहिए। उन्होंने कहा हमने कृष्णा नदी पर अलमट्टी बांध पर भी चर्चा की, जिसके लिए गजट अधिसूचना लंबित है। हमने पहले ही संबंधित कार्य शुरू कर दिया है, जिसे चरणों में पूरा किया जाएगा। शिवकुमार ने कहा कि कृष्णा, कावेरी और गोदावरी नदियों को आपस में जोड़ने की योजना पर चर्चा की गई क्योंकि इससे सभी संबंधित राज्यों को लाभ होगा। लघु सिंचाई मंत्री ने 14,000 करोड़ रुपये के परियोजना प्रस्ताव भी पेश किए। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है। उन्होंने कहा मैंने सभी सांसदों से अपने निर्वाचन क्षेत्रों से संबंधित प्रस्ताव प्रस्तुत करने का अनुरोध किया है, जिससे सिंचाई परियोजनाओं के मामले में राज्य को भी लाभ होगा। अपर भद्रा परियोजना के संबंध में, हमने वर्तमान स्थिति पर चर्चा की और कुछ तकनीकी पहलुओं के बारे में जानकारी दी गई। अपर भद्रा परियोजना से राज्य को काफी लाभ होगा। कोयम्बत्तूर में सद्गुरु जग्गी वासुदेव के ईशा योग केंद्र की अपनी यात्रा के बारे में उन्होंने कहा ईशा फाउंडेशन की मेरी यात्रा के लिए मेरी आलोचना की जा चुकी है। मुझे सद्गुरु ने आमंत्रित किया है, इसलिए मैं वहां जा रहा हूं। मैं एक जन्मजात हिंदू हूं जो सभी धर्मों से प्यार करता है, और इसका मतलब यह नहीं है कि मैं भाजपा के करीब आ रहा हूं। मैं अमित शाह से बिल्कुल भी नहीं मिला हूं। उन्होंने सोशल मीडिया पर चल रही उन अटकलों को खारिज कर दिया कि वह भाजपा के करीब आ रहे हैं। उन्होंने कहा मैंने मीडिया और सोशल मीडिया पर देखा है कि मेरे दोस्त मुझे फोन करके पूछ रहे हैं कि क्या मैं भाजपा के करीब आ रहा हूं। मैं जन्मजात कांग्रेसी हूं, महाकुंभ में जाना मेरी आस्था है और मैं सभी धर्मों का सम्मान करता हूं। ऐसी अटकलें मेरे करीब भी नहीं आती हैं। मैं भाजपा के आरोपों को गंभीरता से नहीं लेता।

तटीय कर्नाटक में लू के खतरे के कारण येलो अलर्ट जारी

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने कर्नाटक के तटीय क्षेत्रों के लिए हीटवेव/येलो अलर्ट जारी किया है, जिसमें तापमान में उल्लेखनीय वृद्धि की चेतावनी दी गई है।

अलर्ट में 27 फरवरी को उडुपी, दक्षिण कन्नड़ और उत्तर कन्नड़ जिलों में गर्म और आर्द्र परिस्थितियों की भविष्यवाणी की गई है, जिसमें अधिकतम तापमान में और वृद्धि होने की उम्मीद है। पिछले कुछ दिनों में, तटीय कर्नाटक में तापमान में तेज वृद्धि देखी गई है। फरवरी होने के बावजूद, जो आमतौर पर ठंडे मौसम से जुड़ा महीना होता है, इस क्षेत्र में भीषण गर्मी पड़ रही है। सुबह कोहरा रहता है, उसके बाद आसमान में बादल छाए रहते हैं, लेकिन दोपहर में तेज धूप के साथ चिलचिलाती धूप होती है। आईएमडी की हीटवेव चेतावनी से संकेत मिलता है कि गर्मी की तीव्रता में और वृद्धि होने की संभावना है। हीटवेव में तापमान में उल्लेखनीय वृद्धि होती है, जो आमतौर पर सामान्य से 4 से 5 डिग्री सेल्सियस अधिक होती है। वर्तमान में, इस क्षेत्र में पहले से ही औसत तापमान में 3 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि दर्ज की गई है। 25 फरवरी को कारवार में सबसे अधिक 37.6 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया, उसके बाद मेंगलूरु के पनाम्बुर में 37.2 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया, जो सामान्य से 3.8 डिग्री सेल्सियस अधिक है। अगले दो दिनों में तापमान में और वृद्धि होने की उम्मीद है, फरवरी में पनाम्बुर का रिकॉर्ड 38.7 डिग्री सेल्सियस रहा। आईएमडी ने उडुपी, दक्षिण कन्नड़ और उत्तर कन्नड़ जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है, जिसमें शुक्रवार को गर्म और उमस भरे हालात की चेतावनी दी गई है। अधिकारियों ने लोगों से आवश्यक सावधानी बरतने का आग्रह किया है।

तटीय कर्नाटक में धूमधाम से मनाई गई महा शिवरात्रि

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दक्षिण कन्नड़ जिले में महाशिवरात्रि का त्योहार बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। बुधवार को शिव मंदिरों में विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम और अनुष्ठान आयोजित किए गए। श्री क्षेत्र धर्मस्थल, कुडुपु श्री अनंत पद्मनाभ मंदिर, श्री मंगलादेवी मंदिर, शारवु श्री महागणपति मंदिर, कावूर श्री महालिंगेश्वर मंदिर और पांडेश्वर महालिंगेश्वर मंदिर जैसे प्रमुख मंदिरों में विशेष प्रार्थना और अनुष्ठान आयोजित किए गए। बंटवाल तालुक में, करिंजेश्वर मंदिर ने विशेष शिवरात्रि प्रार्थना, भजन और धार्मिक कार्यक्रमों के साथ अपना वार्षिक उत्सव शुरू कर दिया। नरहरि पर्वत क्षेत्र में भी रात भर भजन और जागरण (रात्रि जागरण) का आयोजन किया गया। अन्य मंदिर जैसे विट्ठल श्री पंचलिंगेश्वर मंदिर, नेट्टल मंदिर, बंटवाल श्री महालिंगेश्वर मंदिर, श्री क्षेत्र ओडियूर, पुत्तूर श्री महालिंगेश्वर मंदिर, उप्पिनंगडी श्री सहस्रलिंगेश्वर मंदिर, उजिरे श्री जनार्दन मंदिर, सूर्य श्री सदाशिवरुद्र मंदिर, पजिरक्का श्री सदाशिवेश्वर क्षेत्र, इंदाबेट्टू श्री अर्धनारीश्वर मंदिर, और बल्लमंजा महथोबारा श्री अनंतेश्वर स्वामी मंदिर में भी विशेष पूजा और धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। त्योहार ने जिले भर में फूलों और फलों की बिक्री को बढ़ावा दिया है, भक्त अनुष्ठानों के लिए प्रसाद खरीदने के लिए बाजारों में उमड़ रहे हैं।

इसी प्रकार उडुपी जिले के विभिन्न शिव मंदिरों में बुधवार को महा शिवरात्रि उत्सव धूमधाम से मनाया गया। श्री अनंतेश्वर, श्री चंद्रमौलेश्वर, श्री उमा महेश्वर, श्री ब्रह्मलिंगेश्वर और श्री महालिंगेश्वर जैसे मंदिरों में सुबह से ही विशेष पूजा, पंचामृत अभिषेक और विभिन्न अर्चना अनुष्ठान आयोजित किए जा रहे हैं। बिल्व अर्चना (बिल्व के पत्तों से पूजा) बड़ी श्रद्धा के साथ की गई। सांस्कृतिक कार्यक्रम, भजन और रात भर चलने वाले जागरण भी उत्सव का हिस्सा रहे। भक्तों ने उपवास रखा और रात भर चलने वाले भजन और जागरण में भाग लिया, जिससे यह त्योहार आध्यात्मिक रूप से समृद्ध अनुभव बना।

गारंटी राशि जमा करने की तिथि अग्रिम घोषित करें: निखिल कुमारस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जेडीएस युवा विंग के प्रदेश अध्यक्ष निखिल कुमारस्वामी ने गुरुवार को कांग्रेस सरकार से आगामी बजट सत्र में गारंटी योजनाओं का कैलेंडर जारी करने और पैसा जमा करने की तिथि तय करने की मांग की। लाभार्थियों को समय पर डीबीटी हस्तांतरण सुनिश्चित किया जाए। इस संबंध में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में उन्होंने मांग की है कि गारंटी योजना का पैसा जारी करने में देरी बहुत हो गई है, कोई बहाना नहीं, बस किश्तों में पैसा ट्रांसफर कर दिया जाए। कांग्रेस पार्टी कर्नाटक में गृहलक्ष्मी और युवा निधि सहित 5 गारंटी योजनाओं के वादे के साथ सत्ता में आई थी। उन्होंने कहा कि यह धनराशि हर महीने लाभार्थियों के खातों में सीधे जमा की जाएगी। सिद्धरामैया, जो मुख्यमंत्री और वित्त मंत्री भी हैं, ने 4 लाख करोड़ रुपये के बजट की घोषणा की है। वे एक बड़ा बजट तैयार करने में व्यस्त हैं। विडंबना यह है कि गारंटी योजनाओं के लाभार्थियों को पैसे के लिए 3-4 महीने इंतजार करना पड़ता है। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि पैसा जादुई ढंग से तभी इकट्ठा होता है जब चुनाव नजदीक आते हैं। हर बार यह दिखावा करना कि यह तकनीकी समस्या है, सचमुच हास्यास्पद है। बेंगलूरु भारत की सिलिकॉन राजधानी है। क्या ग्लोबल टेक्नोलॉजी सेंटर में डीबीटी हस्तांतरण को ठीक नहीं किया जा सकता? इससे पहले कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने मंगलवार को कहा था कि गारंटी योजनाएं बोझ हैं और कांग्रेस की राज्य सरकार गरीब लोगों के लिए इसे उठाने के लिए तैयार है। यहां मीडिया से बात करते हुए गृह मंत्री परमेश्वर ने कहा इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि गारंटी योजनाएं वित्तीय बोझ डालती हैं। लेकिन क्या यह बोझ इसलिए पड़ा है क्योंकि हम गरीबों के लिए योजनाएं प्रदान कर रहे हैं? सरकार जानती थी कि इन योजनाओं से वित्तीय तनाव पैदा होगा। उन्होंने कहा गरीबों के लिए किसी भी पहल का वित्तीय प्रभाव होगा और हमने यह जानते हुए सचेत निर्णय लिया। तुरुवेकेरे जेडी(एस) विधायक एम.टी. कृष्णप्पा के सुझाव के जवाब में कि गारंटी योजनाएं केवल गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) कार्डधारकों को ही प्रदान की जानी चाहिए, परमेश्वर ने स्पष्ट किया कि यदि विपक्ष सुझाव देता है, तो सरकार चर्चा के लिए तैयार है। मंत्री ने साझा किया कि आयकरदाताओं और सरकारी कर्मचारियों सहित कई लोग योजनाओं से बाहर हो गए हैं। उन्होंने कहा गारंटी योजनाओं के संशोधन पर चर्चा की जरूरत है। उसके बाद निर्णय लिया जाएगा। पक्ष-विपक्ष पर चर्चा होनी चाहिए। चुनाव के दौरान यह नहीं कहा गया था कि केवल बीपीएल कार्डधारक ही पात्र होंगे। चर्चा के बाद सरकार निर्णय लेगी। हमारा उद्देश्य गरीबों के लिए गारंटी योजनाएं उपलब्ध कराना है। अगर भाजपा गरीबों को आर्थिक सहायता देने के खिलाफ है, तो यह उसकी विचारधारा पर सवाल उठाता है। भाजपा गरीबों के पक्ष में नहीं है। विरोध-प्रदर्शनों के जरिए वे खुलेआम इस रुख को जाहिर कर रहे हैं। जनता यह सब देख रही है।

कार दुकान में घुसी बुजुर्ग महिला की मौत

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। हाल ही में पलेडामारा में एक कार के अनियंत्रित होकर दुकान में घुस जाने से अपने बेटे की दुकान के बाहर बैठी एक बुजुर्ग महिला गंभीर रूप से घायल हो गई थी। अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान वमादापदावु निवासी सुमति (91) के रूप में हुई है। दुर्घटना के समय वह अपने बेटे मंजूनाथ की किराने की दुकान के बाहर कुर्सी पर बैठी थी। 23 फरवरी को शाम करीब 6:45 बजे, शोभा द्वारा चलाई जा रही एक कार, जो बंटवाल-मनिहल्ला से वमादापदावु की ओर जा रही थी, अनियंत्रित होकर दुकान में घुस गई और सुमति को टक्कर मार दी। वह गंभीर रूप से घायल हो गई और उसे मेंगलूरु के एक अस्पताल में ले जाया गया। हालांकि, वह उपचार के बावजूद ठीक नहीं हुई और रात करीब 11:45 बजे उसकी मौत हो गई। दुर्घटना सीसीटीवी में कैद हो गई, जिसमें तेज रफ्तार कार को दुकान में घुसते और बुजुर्ग महिला को टक्कर मारते हुए दिखाया गया। यह वीडियो तब से वायरल हो रहा है। पुंजालकट्टे पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है।

मेंगलूरु सिटी कॉर्पोरेशन ने 180.70 करोड़ रुपये का अधिशेष बजट पेश किया

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मेंगलूरु सिटी कॉरपोरेशन ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 741.25 करोड़ रुपये का राजस्व और 886.33 करोड़ रुपये का व्यय का अनुमान लगाया है, जिसमें 180.70 करोड़ रुपये का अनुमानित अधिशेष है। महापौर मनोज कुमार की अध्यक्षता में मंगला सभागार में आयोजित विशेष बैठक के दौरान कराधान, वित्त एवं अपील संबंधी स्थायी समिति के अध्यक्ष कादरी मनोहर शेट्टी ने बजट पेश किया।

आगामी वित्तीय वर्ष में विभिन्न स्रोतों से राजस्व प्राप्ति की उम्मीद है, जिसमें जलकर से 5,500 लाख रुपये, संपत्ति कर से 9,591.45 लाख रुपये, व्यवसाय लाइसेंस से 460.43 लाख रुपये, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन उपकर से 2,500 लाख रुपये, सड़क काटने एवं पुनर्निर्माण शुल्क से 875 लाख रुपये, भूमिगत जल निकासी शुल्क से 440 लाख रुपये, बाजार, स्टॉल एवं अन्य पट्टों के किराए से 539 लाख रुपये, खाता हस्तांतरण शुल्क से 402 लाख रुपये, भवन परमिट एवं प्रीमियम एफएआर से 2,481.85 लाख रुपये, सुधार शुल्क से 1,007 लाख रुपये तथा विज्ञापन कर से 370 लाख रुपये शामिल हैं।

इसके अतिरिक्त, विभिन्न बजट मदों के तहत केंद्र और राज्य सरकारों से कुल 26,454.53 करोड़ रुपये का अनुदान मिलने की उम्मीद है। बजट में नागरिक-अनुकूल प्रशासन और वित्तीय सुधारों को प्राथमिकता दी गई है, जिसमें राजस्व स्रोतों को बढ़ाना, पर्यावरण और जल संरक्षण प्रयासों को मजबूत करना, बुनियादी ढांचे में सुधार करना, चल रही परियोजनाओं को पूरा करना, स्वच्छता बनाए रखना और स्वास्थ्य और शिक्षा पर जोर देना शामिल है। नागरिकों के लिए विशेष कल्याण कार्यक्रमों पर भी प्रकाश डाला गया है।

स्मार्ट सिटी पहल के तहत 57 परियोजनाओं और चार पीपीपी पहलों के लिए 930 करोड़ रुपये मंजूर किए गए।

इनमें से 39 परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं, आठ प्रगति पर हैं और 10 को विभागीय अनुदान मिला है। अब तक केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा 916 करोड़ रुपये जारी किए जा चुके हैं, जबकि अतिरिक्त 73.50 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं और स्मार्ट सिटी कॉरपोरेशन को वितरित किए जाएंगे। जेप्पू में स्थायी नगर निगम कर्मचारियों के लिए नए आवासीय क्वार्टर बनाए गए हैं और जल्द ही उन्हें सौंप दिया जाएगा। जी4 श्रेणी के लिए स्वीकृति मिल गई है, जिसे इस साल लागू किया जाएगा। कर्मचारियों के लिए 'सिरी' स्वास्थ्य योजना और उनके परिवारों के लिए 'कुटुंब मित्र' योजना भी जारी रहेगी। संपत्ति कर से छूट प्राप्त राज्य और केंद्र सरकार के भवनों और शैक्षणिक संस्थानों से सेवा शुल्क वसूलने को प्राथमिकता दी जाएगी। संसाधन लीक का पता लगाने और कर और गैर-कर राजस्व बढ़ाने के लिए एक विशेष राजस्व सतर्कता दल का गठन किया जाएगा। संपत्ति कर वसूली में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए एक टीम घर-घर जाकर सर्वेक्षण करेगी। चयनित सड़क जंक्शनों पर 'पिंक मॉडल' सार्वजनिक शौचालय बनाने की भी योजना है। बजट सत्र के दौरान उप महापौर भानुमति और आयुक्त रविचंद्र नायक मौजूद थे।

शिवकुमार ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल से मुलाकात की

मौजूदा सिंचाई परियोजनाओं के लिए मंजूरी देने और धन जारी करने का अनुरोध किया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, जो जल संसाधन मंत्री भी हैं, ने मंगलवार को केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल से मुलाकात की और राज्य में छह नई सिंचाई परियोजनाओं के लिए मंजूरी और वित्तीय सहायता मांगी। उन्होंने केंद्र से मौजूदा सिंचाई परियोजनाओं के लिए मंजूरी देने और धन जारी करने का भी अनुरोध किया। इस संबंध में एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है, जिसमें प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (पीएमकेएसवाई) के तहत 11,123 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाली छह नई सिंचाई परियोजनाओं के लिए धन की मांग की गई है। इन छह नए प्रस्तावों में बेन्नेहल्ला में बाढ़ प्रबंधन और सीमा क्षेत्र कार्यक्रम, भीमा नदी पर सोंटी लिफ्ट सिंचाई योजना के तहत 16,000 हेक्टेयर में सिंचाई सुविधाओं का प्रावधान, मालप्रभा नहर का विस्तार, जीर्णोद्धार और आधुनिकीकरण (ईआरएम), ऊपरी कृष्णा परियोजना के तहत इंडी शाखा नहर, घाटप्रभा दायां तट नहर, चिक्कोडी शाखा नहर और तुंगभद्रा बायां तट नहर कार्य शामिल हैं। इन प्रस्तावित परियोजनाओं से विजयपुरा, धारवाड़, बेलगावी, बागलकोट, गदग, कोप्पल और रायचूर जिलों को लाभ मिलेगा। मेकेदातु परियोजना के लिए मंजूरी, भद्रा अपर बैंक परियोजना के लिए वित्तीय सहायता, कृष्णा जल विवाद न्यायाधिकरण (केडब्ल्यूडीटी-2) के फैसले की राजपत्र अधिसूचना, कलसा-बंदूरी नाला परियोजनाओं के लिए मंजूरी, महानदी से कृष्णा-कावेरी नदी और पेन्नार-पलार बेसिन में अतिरिक्त पानी छोड़ने और राज्य में अन्य सिंचाई परियोजनाओं का भी केंद्रीय जल शक्ति मंत्री को सौंपी गई याचिका में प्रस्ताव किया गया है। डीसीएम शिवकुमार ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री को बताया कि वे जल्द ही कुशल सिंचाई प्रबंधन के लिए स्वचालित बांधों और नहर प्रणालियों के लिए एक और प्रस्ताव पेश करेंगे। केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय ने डीके शिवकुमार को केंद्र सरकार के जल जीवन मिशन के तहत आरडीपीआर विभाग के माध्यम से येत्तिनाहोले पेयजल परियोजना के लिए प्रस्ताव फिर से प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। इस परियोजना का प्रस्ताव वर्तमान में सिंचाई विभाग के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है।

एसएसएलसी, द्वितीय पीयूसी छात्रों के लिए परीक्षा देने हेतु निःशुल्क बस सेवा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम और बेंगलूरु महानगर परिवहन निगम द्वितीय पीयूसी और एसएसएलसी वार्षिक परीक्षाओं में शामिल होने वाले छात्रों को मुफ्त बस सेवाएं प्रदान करेंगे।

छात्रों को द्वितीय पीयूसी और एसएसएलसी वार्षिक परीक्षाओं के लिए अपना प्रवेश पत्र दिखाकर केएसआरटीसी शहर, उपनगरीय, नियमित और एक्सप्रेस बसों में मुफ्त यात्रा करने की अनुमति है, जो उनके निवास स्थान से निर्धारित परीक्षा केंद्र तक और वापस जाते समय की जाती है। इसी प्रकार, बीएमटीसी बसों में परीक्षा देने वाले छात्रों को मुफ्त यात्रा की अनुमति दी गई है। एक आधिकारिक घोषणा में कहा गया है कि छात्र इस सुविधा का लाभ उठा सकते हैं। द्वितीय पीयूसी वार्षिक परीक्षाएं 1 से 20 मार्च तक तथा एसएसएल वार्षिक परीक्षाएं 21 मार्च से 4 अप्रैल तक आयोजित की जाएंगी।

लोकायुक्त जांच में अनियमितताओं से इनकार नहीं कांग्रेस जमीन हड़पने में शामिल : राजीव चंद्रशेखर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के सीएम सिद्धरामैया और उनकी पत्नी को मुडा घोटाले में लोकायुक्त पुलिस द्वारा क्लीन चिट दिए जाने पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा नेता राजीव चंद्रशेखर ने बुधवार को कहा कि जांच में भूमि आवंटन में अनियमितताओं से इनकार नहीं किया गया है। उन्होंने कहा मुडा घोटाला और लोकायुक्त की जांच यह नहीं कहती है कि यह एक अनियमित आवंटन नहीं है। लोकायुक्त ने केवल यह निष्कर्ष निकाला है कि कुछ अवैध करना अधिकारियों की गलती थी। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि सिद्धरामैया और उनके परिवार को अवैध भूमि आवंटन से लाभ हुआ। उन्होंने कहा सिद्धरामैया और उनके परिवार को अवैध रूप से भूमि आवंटित की गई है, यह तथ्य स्थापित हो चुका है। कर्नाटक के वर्तमान मुख्यमंत्री और उनके परिवार को भूमि आवंटन से लाभ हुआ है, यह अब कोई रहस्य नहीं है। कांग्रेस पार्टी पर भूमि घोटाले में शामिल होने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा यह एक सर्वविदित तथ्य है। यह तथ्य कि कांग्रेस भूमि हड़पने के व्यवसाय में है, अब ज्ञात है। लोकायुक्त ने निष्कर्ष निकाला है कि यह अधिकारी की गलती है। यह अधिकारी कर्नाटक में कांग्रेस का सांसद है, जिसने सेवा छोड़ दी और कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गया।

यह तथ्य स्थापित हो चुका है कि कांग्रेस इस प्रकार के अवैध भूमि हड़पने में गहराई से शामिल है और इसकी जांच किसी केंद्रीय एजेंसी या किसी अन्य एजेंसी द्वारा की जानी चाहिए। 20 फरवरी को कर्नाटक के लोकायुक्त एसपी उदेश द्वारा मुडा घोटाले के संबंध में अंतरिम 8,000-पृष्ठ बी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के बाद राज्य के मंत्री प्रियांक खड़गे ने कहा था लोकायुक्त एक स्वतंत्र जांच एजेंसी है। यदि उन्होंने सीएम को क्लीन चिट दी है, तो मैं इसका स्वागत करता हूं। मुख्यमंत्री पहले ही कह चुके हैं कि कोई घोटाला नहीं हुआ था और परिवार के किसी सदस्य की इसमें संलिप्तता नहीं थी, जो जांच में साबित हो चुका है। हम यहां भाजपा को संतुष्ट करने के लिए नहीं हैं, उसी लोकायुक्त ने कई मामलों में भाजपा को क्लीन चिट दी थी और उस समय लोकायुक्त उनके लिए ठीक था।

विश्वविद्यालयों को बंद करना आसान काम नहीं: अश्वथ नारायण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पूर्व मंत्री डॉ. सी एन अश्वथ नारायण ने कहा कि राज्य में नौ विश्वविद्यालयों को बंद करने का सरकार का फैसला इतना आसान नहीं है। पिछली बसवराज बोम्मई सरकार में उच्च शिक्षा मंत्री रहे नारायण ने पत्रकारों से बातचीत में कहा निजी संबद्ध कॉलेजों को बंद करना अपने आप में एक बड़ी प्रक्रिया है और स्थापित विश्वविद्यालयों को बंद करना इतना आसान नहीं है, जितना सरकार सोचती है। नारायण ने कहा कि अगर भाजपा सत्ता में वापस आती है तो वह प्रत्येक जिले में विश्वविद्यालय स्थापित करेगी। उन्होंने कहा उच्च शिक्षा को उदार बनाया जाना चाहिए और हर योग्य जिले में एक विश्वविद्यालय होना चाहिए। बोम्मई सरकार ने 7 नए विश्वविद्यालय स्थापित किए हैं।

उन्होंने कहा कि तीन विश्वविद्यालय - मांड्या यूनिटरी यूनिवर्सिटी, महारानी क्लस्टर यूनिवर्सिटी और नृपतुंगा यूनिवर्सिटी - राष्ट्रीय स्तर पर कॉलेजों के रूप में मिली मान्यता के बाद स्थापित किए गए थे। सभी 3 विश्वविद्यालय राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान के तहत स्थापित किए गए थे। पहले चरण में, क्लस्टर विश्वविद्यालय स्थापित करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर आठ कॉलेजों की पहचान की गई थी। उन्होंने कहा कि महारानी महिला कॉलेज चार एकात्मक विश्वविद्यालयों में से एक है। यह राज्य के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि सरकारी विज्ञान कॉलेज की पहचान रूसा के दूसरे चरण में एकात्मक विश्वविद्यालय के रूप में की गई थी। नारायण ने सरकार को विश्वविद्यालयों को बंद करने पर विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट सार्वजनिक करने की चुनौती दी।

उन्होंने कहा किसने उन्हें यह रिपोर्ट दी कि विश्वविद्यालयों के संचालन के लिए 342 करोड़ रुपये की जरूरत है? मैं उच्च शिक्षा मंत्री से पूछना चाहता हूं कि क्या उन्होंने इन विश्वविद्यालयों का दौरा किया है और उनके कामकाज के तरीके की जांच की है। उन्होंने कहा मेरी जानकारी के अनुसार, नए विश्वविद्यालय पुराने विश्वविद्यालयों की तुलना में बहुत बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह इस मुद्दे पर उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. एम.सी. सुधाकर के साथ खुली बहस के लिए तैयार हैं।

बेलगावी से महाराष्ट्र के लिए निलंबित बस सेवा फिर से शुरू

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेलगावी से महाराष्ट्र के लिए निलंबित राज्य सड़क परिवहन बस सेवा बुधवार से फिर से शुरू हो गई। उत्तर पश्चिम परिवहन कंपनी के बस कंडक्टर पर हमले के बाद कर्नाटक और महाराष्ट्र सीमा पर तनावपूर्ण स्थिति के कारण परिवहन कंपनियों की बस सेवाएं निलंबित कर दी गईं थी। केएसआरटीसी सूत्रों ने बताया कि अब स्थिति स्पष्ट हो गई है और दोनों राज्यों के बीच बस सेवाएं फिर से शुरू हो गई हैं। आरोप लगाए गए थे कि परिवहन कम्पनियों द्वारा बस सेवाएं निलंबित किए जाने के बाद निजी बसें अत्यधिक किराया वसूल रही हैं।

यात्रियों के हितों को ध्यान में रखते हुए बेलगावी जिला प्रशासन ने जिले के विभिन्न हिस्सों से महाराष्ट्र के कोल्हापुर तक बस सेवाएं उपलब्ध कराई थी। ज्ञातव्य है कि सीमावर्ती जिले में कन्नड़ लोगों ने महाराष्ट्र एकीकरण समिति (एमईएस) के गुंडागर्दीपूर्ण व्यवहार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया था, जो भाषा विवाद को बढ़ावा देकर कन्नड़ लोगों पर अत्याचार कर रहा है। कर्नाटक रक्षण वेदिके के टीए नारायण गौड़ा और प्रवीण शेट्टी गुट ने बेलगावी में एमईएस की बदमाशी के खिलाफ अलग-अलग विरोध प्रदर्शन किया और संदेश दिया है कि स्वाभिमानी कन्नड़ लोगों को सावधान रहना चाहिए। दोनों गुटों के हजारों कार्यकर्ताओं ने शहर के रानी चेन्नम्मा सर्किल पर विरोध प्रदर्शन किया, अपने हाथों में कन्नड़ झंडे लिए हुए थे और नारे लगा रहे थे कि अगर शांति और सद्भाव के लिए जाने जाने वाले कन्नड़ लोगों पर हमला किया गया तो वे चुप नहीं रहेंगे। राजनीतिक रूप से निष्क्रिय एमईएस के मराठी गुंडों के उत्पीड़न को स्थायी रूप से समाप्त करने का समय आ गया है। उन्होंने संदेश दिया कि चाहे हमारे बीच कितने भी मतभेद हों, भाषा, सीमाओं और भूजल के मामले में हम सब एक हैं। बेलगावी में कन्नड़ लोग संप्रभु हैं और यहां कन्नड़ भाषा को पहली प्राथमिकता दी जाती है। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि वे बाहर से आए मराठी लोगों को कन्नड़ सीखने और सौहार्दपूर्ण तरीके से रहने के बजाय मराठी सीखने के लिए मजबूर नहीं करेंगे। मराठियों को यह नहीं भूलना चाहिए कि बेलगावी की धरती ही वह धरती है जिसने वीर सांगोली रायन्ना और कित्तूर रानी चेन्नम्मा जैसे वीरों को जन्म दिया है। बेलगावी शहर में हर जगह कन्नड़ झंडे लहरा रहे थे। विशेष बात यह रही कि कन्नड़ समर्थक संगठन, जो सीमावर्ती क्षेत्र बेलगावी के कन्नड़ लोगों के गौरव के प्रतीक के रूप में खड़ा था, भाषा विवाद पर एमईएस की अंधराष्ट्रवादिता का विरोध कर रहा था और गैर-पक्षपातपूर्ण तरीके से उसका समर्थन कर रहा था, संघर्ष कर रहा था। एहतियात के तौर पर बेलगावी शहर में भारी पुलिस सुरक्षा की व्यवस्था की गई थी। किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए संवेदनशील और अति संवेदनशील क्षेत्रों में कड़ी पुलिस सुरक्षा तैनात की गई थी। प्रदर्शनकारी कन्नड़ लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया और बाद में रिहा कर दिया था।

अगले चुनाव में भी मेरा अपना नेतृत्व होगा: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अगले विधानसभा चुनाव का नेतृत्व खुद करने के अपने बयान को दोहराते हुए उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने अपने विरोधियों पर तंज कसा है। शहर में एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए उन्होंने कहा मैं पांच साल तक पार्टी अध्यक्ष रहूंगा। मैं उपमुख्यमंत्री हूं।

पार्टी ने मुझे 1989 से मंत्री बनाया है। उन्होंने पूछा मैं पार्टी को नेतृत्व कैसे नहीं दे सकता था? पिछले विधानसभा चुनाव में मैं प्रचार समिति का अध्यक्ष था। बाद में मैं पार्टी अध्यक्ष बन गया। मैं अब उपमुख्यमंत्री हूं। मुझे सभी राज्यों से प्रचार के लिए भी आमंत्रित किया गया है। मेरा अपना प्रभाव-नेतृत्व है। इसलिए, मैं अगले चुनाव का नेतृत्व करूंगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया भी पार्टी को आगे ले जाएंगे।

मैं पार्टी का प्रदेश अध्यक्ष हूं और जब दिल्ली जाता हूं तो आलाकमान के नेताओं से मिलता हूं। हम वहां ऐसे जाते हैं जैसे कांग्रेस कार्यालय कोई मंदिर हो। मैं वहां सभी स्तरों पर मौजूद लोगों से मिलता हूं। उन्होंने कहा कि इसमें कुछ भी विशेष बात नहीं है। उन्होंने कहा कि यह रिपोर्ट निराधार है कि उन्होंने कहा था कि उन्हें अध्यक्ष पद पर बने रहना चाहिए। कुमारस्वामी के आरोप, जिसमें उन्होंने कहा था कि बेंगलूरु कचरा टेंडर को अभी तक अंतिम रूप नहीं दिया गया है और 15,000 करोड़ रुपये की रिश्वत पहले ही प्राप्त हो चुकी है, पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने इस बात का मजाक उड़ाया कि कौन सी रिश्वत कौन सी है। मैंने अखबारों में पढ़ा कि भूमि घोटाले में अदालत ने कुमारस्वामी से क्या कहा है।

उन्होंने कहा कि वह यह देखने के लिए इंतजार कर रहे हैं कि जेडीएस की सहयोगी पार्टी भाजपा इस मुद्दे पर क्या कहती है।

महाकुंभ के समापन पर वायुसेना ने दी महासलामी

संगम के ऊपर आसमान पर गरजे सुखोई

महाकुंभ नगर, 26 फरवरी (एजेंसियां)।

महाकुंभ पर महाशिवरात्रि के अंतिम स्नान पर्व के दौरान भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमानों ने पूरे आयोजन को महासलामी दी है। बुधवार दोपहर वायुसेना के विमानों की तेज गर्जना सुन श्रद्धालुओं ने आसमान की ओर देख गर्व और उत्साह से तालियां बजानी शुरु कर दी। इस दौरान लोग जय श्री राम, हर हर गंगे, हर हर महादेव के साथ मोदी-योगी के भी जयकारे लगाने लगे। इसी के साथ वायुसेना के एयर शो के फोटो और वीडियो बनाकर श्रद्धालु सोशल मीडिया पर शेयर करने लगे। वायुसेना के एक अधिकारी के अनुसार महाकुंभ में आए श्रद्धालुओं का अंतिम स्नान पर्व पर संगम क्षेत्र के ऊपर भव्य एयर शो से अभिवादन किया गया। इस पावन अवसर पर जहां गंगा तट पर डेढ़ करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु डुबकी लगा रहे थे, वहीं आकाश में सुखोई, एएन 32 और चेतक हेलीकॉप्टर आसमान से श्रद्धालुओं का उत्साह बढ़ा रहे थे। इस ऐतिहासिक पल ने श्रद्धालुओं को रोमांचित कर दिया।

महाकुंभ के समापन अवसर पर भारतीय वायुसेना के जांबाज पायलटों ने हवा में अद्भुत कलाबाजियां दिखाईं। विमानों की तेज गर्जना सुन श्रद्धालुओं ने आसमान की ओर देखा, जहां सुखोई और एएन 32 और चेतक का शानदार प्रदर्शन चल रहा था। इस रोमांचक नजारे को श्रद्धालुओं ने अपने मोबाइल कैमरों में कैद किया और सोशल मीडिया पर साझा किया। लोगों ने इसे महाकुंभ का यादगार पल बताया। जिस वक्त महाकुंभ में संगम के ऊपर एयर शो चल रहा था, उसे देख श्रद्धालु गर्व और उत्साह से तालियां बजाने लगे। महाकुंभ के अंतिम दिन गंगा के तट पर जहां साधु-संतों और श्रद्धालुओं की आस्था की दिव्यता नजर आई, वहीं आकाश में वायुसेना की शौर्य और पराक्रम भी देखने को मिला। दोनों ने मिलकर इस महापर्व के समापन को ऐतिहासिक बना दिया। भारतीय वायुसेना के इस रोमांचकारी एयर शो के साथ ही महाकुंभ का समापन हुआ। यह आयोजन श्रद्धालुओं के लिए एक अविस्मरणीय और गौरवशाली अनुभव बन गया।

मुरादाबाद में बोले प्रखर भाजपा नेता संगीत सोम

पहले लोग शिव पूजा से डरते थे, अब शोभायात्रा निकाल रहे

मुरादाबाद, 26 फरवरी (एजेंसियां)।

बिलारी के सहसपुर महाशिवरात्रि पर आयोजित कार्यक्रम में भाजपा नेता व पूर्व विधायक संगीत सोम शामिल हुए। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए महाकुंभ व धार्मिक आयोजनों को बदनाम करने का आरोप लगाया। साथ ही सनातनियों से एकजुट रहने और बाबर-औरंगजेब की पहचान मिटाने का आह्वान किया।

महाशिवरात्रि पर बुधवार को बिलारी कस्बे के सहसपुर गांव में शिव मंदिर कमेटी की तरफ से विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें मेरठ के सरधना से पूर्व भाजपा विधायक संगीत सोम मुख्य रूप से शामिल हुए। उन्होंने शोभायात्रा में भी भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने विपक्ष पर तीखा हमला बोला और महाकुंभ व धार्मिक आयोजनों को लेकर अपने विचार रखे। सहसपुर स्थित शिव मंदिर कमेटी के कार्यक्रम में संगीत सोम का शिव मंदिर कमेटी पदाधिकारी, क्षत्रिय महासभा पदाधिकारी और क्षेत्र के लोगों द्वारा स्वागत किया गया। सोम को दोपहर बाद सहसपुर से निकलने वाली शिव बरात के उद्घाटन में शामिल होना था। निजी व्यस्तता का हवाला देते हुए उन्होंने तीन घंटे पहले ही सहसपुर पहुंचकर 10 मिनट रुकने के बाद वहां से प्रस्थान कर लिया।

प्रेस वार्ता के दौरान संगीत सोम ने विपक्ष पर बड़ा हमला बोला। उन्होंने कहा कि आज भी बाबर और औरंगजेब को मानने वाले महाकुंभ में कमियां निकालने और धार्मिक आयोजनों को बदनाम करने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश में बाबर और औरंगजेब की कोई पहचान शेष नहीं रहनी चाहिए। सोम ने कहा कि धर्माचार्यों द्वारा महाकुंभ में गैर-सनातनियों को प्रतिष्ठान न लगाने देने का निर्णय पूरी तरह सही था। कुछ सेकुलरवादी लोगों ने इस फैसले का विरोध किया।

महाशिवरात्रि के आयोजन को लेकर भी संगीत सोम ने अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि सहसपुर में पहले लोग शिव यात्रा तो दूर पूजा करने से भी डरते थे। अब समय बदल चुका है और आज वही लोग भव्य शिव यात्रा निकाल रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि मुल्लों, बाबर और औरंगजेब को मानने वाले यह नहीं चाहते कि शिव यात्रा निकले और सनातन धर्म का बोलबाला हो। अब हर कोई गर्व से सनातन धर्म के पर्व मना रहा है। महाशिवरात्रि के अवसर पर निकलने वाली शोभायात्रा को लेकर क्षेत्र में भक्तों का खासा उत्साह देखने को मिला। बड़ी संख्या में श्रद्धालु शोभायात्रा में शामिल हुए और पूरे जोश व भक्ति भाव से जयकारे लगाए। कार्यक्रम को देखते हुए पुलिस-प्रशासन ने भी सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए थे, ताकि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो।

हिंदी में थिसिस वाली पहली संस्था बनी आईआईटी बीएचयू

वाराणसी, 26 फरवरी (एजेंसियां)।

आईआईटी बीएचयू देश पहला तकनीकी संस्थान होगा, जहां हिंदी में भी पीएचडी थीसिस का सारांश होगा। संस्थान में सीनेट की बैठक में राजभाषा प्रकोष्ठ का ये प्रस्ताव पास हो गया है। अब रिसर्च स्कॉलर्स हिंदी में शोध सार लिखेंगे।

आईआईटी बीएचयू में अब पीएचडी थीसिस का सारांश (एब्सट्रैक्ट) हिंदी में भी प्रस्तुत किया जा सकेगा। ऐसी व्यवस्था लाने वाला आईआईटी बीएचयू का देश पहला तकनीकी संस्थान बन गया है।

छात्रों को विकल्प दिया गया है कि वे चाहें तो हिंदी या इंग्लिश दोनों में से किसी भी भाषा में अपने शोध का सारांश प्रस्तुत कर सकते हैं। ये व्यवस्था इसी सत्र से लागू हो गई है।

आईआईटी बीएचयू के कई विभागों के पीएचडी धारकों ने हिंदी में शोध सार लिखने में रुचि दिखाई है। इंजीनियरिंग और तकनीक की भाषा इंग्लिश ही होती है, ये अनिवार्यता अब नहीं होगी।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति में इंग्लिश के साथ हिंदी में भी किसी रिसर्च का सार प्रस्तुत करने की बात कही गई है।

ऐसे में आईआईटी बीएचयू ने देश में इसकी पहल की है। वहीं, आईआईटी बीएचयू एकमात्र ऐसा संस्थान भी है जहां पर कार्यालय का 80 फीसदी काम हिंदी में किया जा रहा है।

सितंबर 2024 में आईआईटी बीएचयू के डायरेक्टर प्रो. अमित पात्रा के निर्देशन में हुई सीनेट की बैठक में राजभाषा प्रकोष्ठ के इस प्रस्ताव को पारित किया गया था। सभी सदस्यों ने इस पर पूर्ण सहमति जताई और अब विभागों को भी सर्कुलर जारी कर दिया गया है।

पत्र में इसका उल्लेख किया गया है कि जो छात्र हिंदी में सारांश लिखने के इच्छुक हों, वे आगे आ सकते हैं। एक पीएचडी छात्र का कहना है कि पिछले 3 से 5 साल तक यहां पर एआई, क्वांटम और गैलेक्सी समेत कई टॉपिक पर रिसर्च किए गए हैं। हिंदी में इनका सारांश लिखना बड़ी चुनौती होगी, लेकिन अगर ऐसा हुआ तो ये काफी सहज होगा। इंजीनियरिंग के कठिन से कठिन शब्दावलियों और परिभाषाओं को आम आदमी भी समझ सकेगा।

वर्ष 2021 में शिक्षा मंत्रालय की ओर से आईआईटी बीएचयू में बीटेक पाठ्यक्रम के हिंदी में पठन-पाठन कराने की व्यवस्था लागू की गई थी। बीटेक पहले साल में हिंदी के लेक्चर लेने का फैसला करने वाला आईआईटी बीएचयू देश का पहला संस्थान बना था।

कई विभागों के लैब मैनुअल अंग्रेजी के साथ ही हिंदी में बनाए गए हैं। मंत्रालय स्तर पर इंजीनियरिंग की किताबों का अनुवाद चल रहा है। एआईसीटीई और एनसीईआरटी की ओर से हिंदी सिलेबस तैयार किया जा रहा है। इसके बाद ये सिलेबस संस्थानों को भेजे जाएंगे।

जम्मू कश्मीर में दिख रही आस्था की बदलती बयार

कश्मीरी पंडितों ने धूम से मनाई महाशिवरात्रि

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 26 फरवरी।

जम्मू कश्मीर में आस्था की बदलती बयार साफ-साफ दिख रही है। कश्मीर घाटी में कश्मीरी पंडितों ने धूमधाम से महाशिवरात्रि मनाई, यह कश्मीर के सार्थक सकारात्मक बदलाव की सनद है। 35 साल का विस्थापन बहुत लंबा होता है। इस लंबी अवधि में भी कोई विस्थापित समुदाय अपनी संस्कृति और परंपराओं को सहेज कर रखे, यह वाकई सुखद आश्चर्य की बात है। कश्मीर के विस्थापित पंडित अपने संस्कार और अपनी परंपरा भूले नहीं हैं। आज महाशिवरात्रि के मौके पर उनकी यह आस्था अभिव्यक्त हुई। हालांकि महाशिवरात्रि की तैयारियां कश्मीरी पंडियों ने कई दिन पहले से शुरू कर दी थीं।

आतंकवाद के कारण पिछले 35 वर्ष से जम्मू समेत पूरी दुनिया में विस्थापित जीवन बिता रहे कश्मीरी पंडितों का तीन दिन तक चलने वाले सबसे बड़े पर्व

महाशिवरात्रि का धार्मिक अनुष्ठान पूरी आस्था और धार्मिक उल्लास के साथ आज समाप्त हो गया। यह पंडित समुदाय के लिए धार्मिक के साथ-साथ सामाजिक और सांस्कृतिक पर्व भी है। जम्मू स्थित कश्मीरी पंडितों की सबसे बड़ी कालोनी जगती और समूचे जम्मू में बसे कश्मीरी पंडितों के घर-घर में पिछले एक हफ्ते से ही पूजा की तैयारी शुरू हो रही थी। लोग घर की साफ-सफाई और पूजन सामग्री एकत्रित करने में व्यस्त थे। कश्मीर घाटी में बर्फ से ढंके पहाड़ और सेब तथा अखरोट के दरख्तों के बीच मनोरम प्राकृतिक वातावरण में यह पर्व मनाने वाले कश्मीरी पंडितों ने आज छोटे-छोटे सरकारी क्वार्टरों और जम्मू की तंग बस्तियों में धार्मिक अनुष्ठान को पूरा किया। शिवरात्रि को कश्मीरी में हेरथ भी कहते हैं। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार हेरथ शब्द संस्कृत शब्द हररात्रि यानी शिवरात्रि से निकला है। इस पर्व का हिमपात के साथ जुड़ाव है। शिवरात्रि पर जो गीत गाया जाता है, उसमें भी शिव-उमा की शादी के समय सुनहले हिमाच्छादित पर्वतों की खूबसूरती का वर्णन किया जाता है। इसलिए पठान शासनकाल में कश्मीर के तानाशाह पठान गवर्नर जब्बार खान ने कश्मीरी पंडितों को फरवरी में यह पर्व मनाने से मना कर दिया था और जून-जुलाई की गर्मी में यह पर्व मनाने की अनुमति दी थी। लेकिन गवर्नर समेत सभी लोग उस समय हैरत में पड़ गए जब उस वर्ष जुलाई में भी भारी बर्फबारी हुई। कहते हैं कि तभी से इस पर्व को कश्मीरी में हेरथ यानि हैरत कहने लगे।

इस बार महाशिवरात्रि में कश्मीरी पंडितों घरों में साफ-सफाई के साथ पूजास्थल पर शिव और पार्वती के दो बड़े कलश समेत बटुक भैरव और पूरे शिव परिवार समेत करीब दस कलशों की स्थापना देखने को मिली। पहले कुम्हार खासतौर पर इस पूजा के लिए मिट्टी के कलश बनाते थे लेकिन अब पीतल या अन्य धातुओं के कलश रखे गए हैं। फूल मालाओं से सजे कलश के अंदर पानी में अखरोट भी रखे गए थे। तीन दिन तक तीन-चार घंटे तक विधिवित पूजा होती रही है। तीसरे दिन कलश को प्रवाहित करने का प्रचलन है। जिसे आज रात को प्रवाहित किया जाएगा। पहले मिट्टी के कलश को जेहलम दरिया में प्रवाहित किया जाता था। अब पास के जलनिकाय पर औपचारिकता पूरी की गई है। कलश में रखे अखरोट के प्रसाद को आज सगे-संबंधी के बीच बांट कर शिवरात्रि की परपंरा को पूरा किया गया।।

कश्मीरी पंडितों के संगठन पनुन कश्मीर के अधिकारियों ने बताया कि सामाजिक अलगाववाद के बावजूद कश्मीरी पंडितों ने अपनी धार्मिक परंपरा को जीवंत रखा है। उन्होंने कहा कि अपनी जड़ जमीन से बेदखल हमारे समुदाय से बच्चों की अच्छी शिक्षा और पूजा-पाठ की परंपरा को बचाये रखा। अभी भी देश-विदेश में बसे इस समुदाय की युवा पीढ़ी भी पूरी श्रद्धा और आस्था के साथ यह धार्मिक पर्व मनाती है

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह का मधुबनी दौरा

लालू यादव पर जमकर किया जुबानी हमला

दरभंगा, 26 फरवरी (एजेंसियां)।

महाशिवरात्रि के अवसर पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह मधुबनी जिले में पहुंचे। यहां बीजेपी कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। महाशिवरात्रि के अवसर पर थाना चौक स्थित शिव मंदिर में गिरिराज सिंह ने शिवालय में पूजा पाठ के उपरांत प्रेस को संबोधित करते हुए कहा कि बिहार की सड़कों की क्या स्थिति थी, आप सभी जानते हैं।

गिरिराज सिंह बोले, बिहार में न सड़क थी, न बिजली थी और न ही सिंचाई की सुविधा थी। कोसी मिथिलांचल क्षेत्र में 50,000 हेक्टेयर भूमि में खेती की जाएगी। गंगा नदी पर 17 पुल बनाए गए हैं। सड़कों का जाल बिछाया गया है। साल 2025 की विधानसभा चुनाव नीतीश कुमार के नेतृत्व में लड़ना तय हो गया है और इसकी तैयारी जोर-जोर से चल रही है। इस दौरान केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि बिहार की जनता को लालू यादव मॉडल पसंद नहीं है। नीतीश मॉडल पसंद है। साथ ही तेजस्वी यादव दो बार एमएलए बने हैं। डिप्टी सीएम भी बने हैं, लेकिन बिहार का कोई विकास नहीं हो सका है। इसलिए डबल इंजन की सरकार की बदौलत बिहार में तेजी से विकास हुआ है और आगे भी होगा। इसलिए नीतीश कुमार के नेतृत्व में 2025 की विधानसभा चुनाव लड़ा जाएगा और चौमुखी विकास भी बिहार का होगा।

अभिनेता विजय ने मनाई टीवीके की पहली वर्षगांठ, बोले-

राजनीतिक ताकत के रूप में उभर रही पार्टी

चेन्नई, 26 फरवरी (एजेंसियां)।

अभिनेता विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) ने बुधवार को अपनी पहली सालगिरह मनाई। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में जन सुराज के प्रमुख प्रशांत किशोर भी शामिल हुए। प्रशांत किशोर विजय के सलाहकार हैं, जिनका मकसद अगले विधानसभा में तमिलनाडु की दो प्रमुख द्रविड़ पार्टियों को सत्ता से बाहर करना है।

इस मौके पर विजय ने कहा, हम तमिलनाडु की राजनीति में एक प्रमुख राजनीतिक ताकत बनकर उभर रहे हैं। हम 2026 में इतिहास रचने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं, जैसा 1967 और 1977 में हुआ था और हम अपने वैचारिक सिद्धांतों से कभी समझौता नहीं करेंगे।

चेन्नई में एक सार्वजनिक सभा को संबोधित करते हुए विजय ने कहा कि राजनीति में न तो कोई स्थायी मित्र होता है और न ही स्थायी दुश्मन। उन्होंने कहा, यह

राजनीति एक अलग स्तर पर है, क्योंकि हम नहीं जानते कि कब कोई हमारा समर्थन करेगा या कब कोई विरोध करेगा। हम इसका अनुमान नहीं लगा सकते। इसीलिए कहा गया है कि राजनीति में न तो कोई स्थायी दोस्त होता है और न ही कोई स्थायी दुश्मन।

तीन भाषाओं की नीति पर उठे हालिया विवाद को लेकर विजय ने कहा, राज्य और केंद्र सरकार इस मुद्दे पर बच्चों की तरह लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा, राज्य सरकार का शिक्षा का बजट रोक दिया गया है। जैसे यह कोई एलकेजी-यूकेजी के बच्चों की लड़ाई हो। केंद्र का काम देना है, राज्य का काम प्राप्त करना है, यह हमारा अधिकार है। इन बड़ी समस्याओं के बीच दो पार्टियां (भाजपा और द्रमुक) हैशटैग के साथ खेल रही हैं।

इससे पहले तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने मंगलवार को सचिवालय में एक कैबिनेट बैठक बुलाई थी और पांच मार्च को एक सर्वदलीय बैठक आयोजित करने का फैसला लिया, जिसमें निर्वाचन क्षेत्र के सीमांकन के मुद्दे पर चर्चा की जाएगी। स्टालिन ने बताया कि इस प्रक्रिया के कारण राज्य को आठ सांसदों का नुकसान हो सकता है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि चुनाव आयोग में पंजीकृत तमिलनाडु के 40 राजनीतिक दलों को इस बैठक के लिए निमंत्रण भेजे जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान में तमिलनाडु के पास 39 सांसद हैं, लेकिन निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन से राज्य का प्रतिनिधित्व घट सकता है।

राजौरी में एलओसी से सटे गांव में सेना के वाहन पर गोलीबारी

जम्मू, 26 फरवरी (ब्यूरो)।

राजौरी जिले के सुंदरबनी इलाके में नियंत्रण रेखा-एलओसी के पास एक गांव में बुधवार को गोलीबारी की घटना हुई। दरअसल, सुंदरबनी के फाल गांव के पास सेना के एक वाहन पर गोलीबारी हुई, जिससे उसे मामूली नुकसान पहुंचा है।

शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार, इलाके में गश्त कर रहे 9 जेएके वाहन पर एक या दो राउंड फायरिंग की गई। यह घटना सुंदरबनी से लगभग 6 किलोमीटर दूर पांडवों द्वारा निर्मित ऐतिहासिक गंदेह मंदिर के साथ वाले जंगल क्षेत्र में घटी।

अधिकारियों ने कहा कि सुंदरबनी सेक्टर के फाल गांव के पास हुई संक्षिप्त गोलीबारी में कोई हताहत नहीं हुआ। अधिकारियों ने बताया कि जंगल में छिपे आतंकवादियों ने इलाके से गुजर रहे सेना के वाहन पर कुछ राउंड फायरिंग की। यह इलाका आतंकवादियों के लिए पारंपरिक घुसपैठ का रास्ता माना जाता है। अधिकारियों ने बताया कि सेना ने जवाबी फायरिंग की, जबकि आतंकवादियों को बेअसर करने के लिए अतिरिक्त बल भेजा गया। सेना ने इलाके में घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू कर दिया है।

सकुशल सम्पन्न हो गया महाशिवरात्रि का स्नान पर्व

करोड़ों श्रद्धालुओं ने लगाई डुबकी, मंदिरों में उमड़ा जन सैलाब

महाकुंभ नगर, 26 फरवरी (एजेंसियां)।

महाकुंभ 2025 के अंतिम स्नान पर्व महाशिवरात्रि पर 26 फरवरी 2025 को करोड़ों श्रद्धालुओं ने हर-हर महादेव के जयघोष के साथ संगम व अन्य स्नान घाटों पर पवित्र डुबकी लगाई। श्रद्धालु स्नान के बाद मनकामेश्वर मंदिर, सोमेश्वर नाथ मंदिर, वेणी माधव मंदिर एवं नागवासुकी मंदिर पहुंचकर भगवान शिव का दर्शन-पूजन, जलाभिषेक एवं दान-अनुष्ठान कर पुण्य अर्जित करते दिखे।

श्रद्धालुओं के सुगम आवागमन, सुरक्षित स्नान और दर्शन-पूजन के लिए व्यापक पुलिस प्रबंधन किया गया। सुरक्षा की दृष्टि से नागरिक पुलिस, यातायात पुलिस, महिला पुलिस, पीएसी, घुड़सवार पुलिस एवं अर्धसैनिक बल के जवानों को तैनात किया गया। संगम क्षेत्र में जल पुलिस, मोटर बोट और गोताखोरों की तैनाती कर स्नान घाटों पर लगातार सतर्क निगरानी रखी गई। मेला क्षेत्र में सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से हर गतिविधि पर नजर रखी गई। पब्लिक एड्रेस सिस्टम के जरिए श्रद्धालुओं को सावधानीपूर्वक स्नान और दर्शन-पूजन करने की अपील की गई, ताकि वे सुरक्षित अपने गंतव्य तक लौट सकें। श्रद्धालुओं को किसी असुविधा से बचाने के लिए मेला क्षेत्र में शिवालयों के निकट ही पार्किंग की समुचित व्यवस्था की गई, जिससे उन्हें न्यूनतम पैदल चलना पड़े। पुलिस उप महानिरीक्षक वैभव कृष्ण एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी मेला क्षेत्र में मौजूद रहकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते रहे। उन्होंने शिवालयों का भ्रमण कर ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों की कुशलक्षेम पूछी और उनका उत्साहवर्धन किया। महाशिवरात्रि स्नान पर्व पर श्रद्धालुओं में असीम उत्साह देखने को मिला। करोड़ों भक्तों ने संगम व अन्य घाटों पर आस्था की डुबकी लगाकर भोलेनाथ का जलाभिषेक किया।

महाशिवरात्रि पर काशी में दिखा भव्य नजारा

मंगला आरती के बाद निकली अखाड़ों की शोभायात्रा

वाराणसी, 26 फरवरी (एजेंसियां)।

महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर काशी में बाबा विश्वनाथ के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का अपार जनसैलाब उमड़ पड़ा है। इस बार करीब 25 लाख भक्तों के पहुंचने की संभावना जताई जा रही है, जो पिछले सभी रिकॉर्ड्स को पार कर रहा है। आधी रात से ही मंदिर के बाहर 3 किलोमीटर लंबी कतारें लगी हैं और बाबा विश्वनाथ लगातार 46 घंटे तक भक्तों को दर्शन देंगे। इस ऐतिहासिक आयोजन को सुव्यवस्थित बनाने में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगातार व्यवस्थाओं पर नजर बनाए हुए हैं। मुख्यमंत्री के निर्देश पर उच्चाधिकारी लगातार क्षेत्र का दौरा कर हालात का जायजा लेते दिखे।

महाशिवरात्रि का यह उत्सव काशी में उस समय और भी खास हो गया, जब महाकुंभ का पलट प्रवाह यहां देखने को मिला। कुंभ और महाशिवरात्रि का यह संयोग वर्षों बाद बना है, जिसने श्रद्धालुओं की संख्या को अभूतपूर्व स्तर पर पहुंचा दिया है। सीएम योगी के निर्देश पर मंदिर न्यास और जिला प्रशासन ने इस अपार जनसमूह को संभालने के लिए पुख्ता इंतजाम किए थे। काशी विश्वनाथ धाम परिक्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद करने के लिए पुलिस, अर्धसैनिक बल, एटीएस कमांडो और एसटीएफ तैनात थी। उच्चाधिकारी लगातार क्षेत्र का दौरा कर हालात का जायजा लेते रहे।

काशी में महाशिवरात्रि पर अखाड़ों की शोभायात्रा भी इस बार भव्यता के साथ निकली। जूना अखाड़े के नागा साधु त्रिशूल, तलवार और गदा लेकर हर-हर महादेव के उद्घोष के साथ बाबा विश्वनाथ के दर्शन के लिए निकले। पेशवाई का स्वागत फूलों की वर्षा और माल्यार्पण के साथ किया गया। सीएम योगी के निर्देश पर काशी विश्वनाथ धाम के गेट नंबर चार पर मंडलायुक्त कौशलराज शर्मा और पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल, जिलाधिकारी एस राजलिंगम सहित आला अधिकारियों ने नागा साधुओं का अभिनंदन किया।

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए वीआईपी और प्रोटोकॉल को निरस्त कर दिया गया था, ताकि हर भक्त को बाबा के दर्शन का समान अवसर मिले। मंगलवार रात 2:15 बजे मंगला आरती के बाद मंदिर के कपाट खोले गए और बाबा को दूल्हे की तरह सजाया गया।

वहीं काशी के गंगा घाटों पर महाशिवरात्रि के पर्व पर बड़ी संख्या में स्नानार्थियों ने पहुंचकर पुण्य की डुबकी लगाई। सीएम योगी के निर्देश पर वरिष्ठ अफसरों की देखरेख में किए गए इंतजाम न केवल श्रद्धालुओं के लिए सुखद अनुभव बने, बल्कि काशी की वैश्विक पहचान भी मजबूत हुई। भक्तों का कहना है कि योगी सरकार की सक्रियता से यह महाशिवरात्रि ऐतिहासिक और अविस्मरणीय बन गई।

यूपी में हो सकता है मंत्रिमंडल का विस्तार

दो-तीन मंत्रियों की हो सकती है छुट्टी, दो-तीन की हो सकती है आमद

लखनऊ, 26 फरवरी (एजेंसियां)।

यूपी में अगले कुछ दिनों में मंत्रिमंडल विस्तार हो सकता है। जिसमें नये चेहरों को मौका मिल सकता है। वहीं, जिन मंत्रियों के खिलाफ भ्रष्टाचार की शिकायतें हैं उनकी छुट्टी की जा सकती है। यूपी में अगले आठ से 10 दिन में मंत्रिमंडल विस्तार हो सकता है। नए मंत्रिमंडल में तीन से चार नए चेहरों को शामिल किया जा सकता है। वहीं, खराब प्रदर्शन और भ्रष्टाचार की शिकायतों के आधार पर दो से तीन मंत्रियों की छुट्टी हो सकती है। मंत्रिमंडल फेरबदल में कई मंत्रियों के विभाग भी बदले जाएंगे और 75 पार हो चुके नेताओं को आराम दिया जाएगा। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने राज्यस्तर से फीडबैक लेने के बाद अपना होमवर्क पूरा कर लिया है। मंत्रिमंडल में पश्चिमी यूपी की हिस्सेदारी बढ़ेगी।

मंत्रिमंडल में नए चेहरों को मौका देने का उद्देश्य कार्यकर्ताओं को 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए संदेश देना भी है कि पार्टी के निष्ठावान कार्यकर्ताओं की अनदेखी नहीं होने दी जाएगी। अभी हाल ही में सम्पन्न हुए विधानसभा उपचुनाव में भाजपा ने प्रतिष्ठित मिल्कीपुर सीट सहित 10 में से आठ सीटों पर जीत दर्ज की थी। भाजपा का अगला प्रदेश अध्यक्ष ब्राह्मण समाज से हो सकता है जिसकी घोषणा पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष की घोषणा से पहले हो सकती है। बता दें कि पहले भी इस तरह के अनुमान लगाए जा रहे थे कि दिल्ली विधानसभा चुनाव के बाद भाजपा के नए अध्यक्ष की घोषणा हो सकती है।

दिल्ली में भाजपा ने 27 साल बाद वापसी की है। अब सबकी नजरे भाजपा के नये राष्ट्रीय अध्यक्ष पर हैं। वहीं, यूपी प्रदेश अध्यक्ष का नाम भी चौंका सकता है। भाजपा के जिलाध्यक्षों की सूची भी जल्द ही जारी की जाएगी। प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी इस पर स्थिति स्पष्ट कर चुके हैं।

उन्होंने कहा कि दिल्ली विधानसभा चुनाव और महाकुंभ के आयोजन की वजह से प्रक्रिया कुछ धीमी हुई। जिलाध्यक्षों की सूची जारी होने में अब कहीं कोई पेंच नहीं है। उन्होंने कहा कि बहुत जल्द ही जिलाध्यक्षों की सूची जारी की जाएगी। उन्होंने बताया कि सूची जारी होने में जो भी बिंदु सामने आए थे, सभी का निस्तारण हो गया है। भाजपा का संगठन सर्वव्यापी और सर्वस्पर्शी है। समाज के सभी वर्गों में हमारा प्रतिनिधित्व है। उन्होंने कहा कि हमारा ही एक ऐसा संगठन है, जिसमें महिलाओं और अनुसूचित जाति समेत सभी वर्गों के लिए काम करने के समान अवसर दिए गए हैं और आगे भी इसका ख्याल रखा जाएगा।

संगम तट पर फलीभूत हुआ एकता का महाकुंभ

महाशिवरात्रि के अंतिम स्नान पर्व पर दिखी सनातन एकता

सभी घाटों पर हेलीकॉप्टर से हुई पुष्पवर्षा

महाकुंभ नगर, 26 फरवरी (एजेंसियां)।

महाकुंभ के अंतिम अमृत स्नान पर्व महाशिवरात्रि के शुभ अवसर पर प्रयागराज में करोड़ों सनातनी श्रद्धालुओं का समुद्र उमड़ पड़ा। न जाति न वर्ग, सिर्फ सनातन धर्म की शाश्वत सुंदरता और एकता का प्रतीक बनकर संगम तट पर यह पवित्र स्नान सम्पन्न हुआ। सुबह के धुंधलके से लेकर दिन चढ़ते तक, गंगा, यमुना और सरस्वती के पवित्र संगम पर श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाकर पुण्य अर्जित की।

अंतिम स्नान पर्व महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर योगी सरकार ने संगम स्नान करने पहुंचे श्रद्धालुओं के अनुभव को यादगार बनाने के लिए उन पर हेलीकॉप्टर के जरिए पुष्पवर्षा कराई। पिछले सभी प्रमुख स्नान पर्वों पर सरकार

फूलों की वर्षा करा चुकी है। इसी क्रम में बुधवार को महाशिवरात्रि पर भी इस परम्परा का पालन करते हुए 20 क्विंटल गुलाब की पंखुड़ियों से पुष्पवर्षा कराई गई। इसकी शुरुआत सुबह 8 बजे से ही हो गई, जब बड़ी संख्या में श्रद्धालु संगम के विभिन्न तटों पर स्नान कर रहे थे।

आसमान से गुलाब की पंखुड़ियों की बारिश देख संगम तट पर मौजूद श्रद्धालुओं ने अभिभूत होकर जय श्री राम, हर हर महादेव, गंगा मइया और तीर्थराज के जयकारे लगाए। अपनी धार्मिक आस्था को सम्मान दिए जाने पर श्रद्धालुओं ने योगी सरकार की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

महाशिवरात्रि का स्नान पर्व दिव्य-भव्य महाकुंभ-2025 का अंतिम महत्वपूर्ण स्नान है। मंगलवार-बुधवार की रात से ही संगम तट पर लाखों श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला शुरू हो गया। उपनिदेशक उद्यान, प्रयागराज मंडल कृष्ण मोहन चौधरी ने बताया कि श्रद्धालुओं की भारी संख्या को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर पुष्पवर्षा की तैयारी पहले ही कर ली गई थी। सभी श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा के लिए लगभग 20 क्विंटल गुलाब की पंखुड़ियों की व्यवस्था की गई थी।

पुष्प वर्षा के प्रभारी वीके सिंह ने बताया कि त्रिवेणी संगम स्थित स्नान घाटों पर 5 से 6 राउंड पुष्प वर्षा की गई। पहले राउंड का आयोजन सुबह 8 बजे से शुरू हुआ।

इसके तहत, हेलीकॉप्टर के जरिए श्रद्धालुओं पर आकाश से पुष्प वर्षा की गई। यह नजारा न केवल श्रद्धालुओं के लिए अद्वितीय रहा, बल्कि महाकुंभ की दिव्यता को और बढ़ाने वाला भी रहा। हर राउंड के लिए गुलाब की पंखुड़ियों को व्यवस्थित रूप से पहले से ही अलग-अलग तैयार कर रखा गया था। उन्होंने कहा कि योगी सरकार के निर्देश पर सभी अमृत स्नान और स्नान पर्व पर 20-20 क्विंटल पुष्पवर्षा कराई गई है। इस दौरान अबतक लगभग 120 क्विंटल गुलाब की पंखुड़ियों की व्यवस्था की गई थी। इस विशेष आयोजन के जरिए महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं को एक नया अनुभव देने की कोशिश है। पुष्पवर्षा के जरिए श्रद्धालुओं को सम्मानित और स्वागत करते हुए उन्हें धार्मिक और आध्यात्मिक ऊर्जा से भरपूर माहौल प्रदान किया गया है।

महाकुंभ आए श्रद्धालुओं ने दिया राष्ट्र के प्रति समर्पण का संदेश : योगी

मुख्यमंत्री ने श्रद्धालुओं को दी महाशिवरात्रि की बधाई

गोरखपुर, 26 फरवरी (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी प्रदेशवासियों, प्रयागराज महाकुंभ, बाबा विश्वनाथ धाम, अयोध्या में देश-दुनिया से आए श्रद्धालुओं और प्रदेश के सभी देवालयों-शिवालयों में उमड़े आस्थावानों को महाशिवरात्रि के पावन पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने प्रयागराज महाकुंभ का विशेष उल्लेख करते हुए कहा है कि यहां अब तक लगभग 66 करोड़ श्रद्धालुओं ने राष्ट्रीय एकात्मकता और राष्ट्रीयता के प्रति समर्पण का संदेश पूरी दुनिया को दिया है।

महाशिवरात्रि पर बुधवार को गोरखपुर के प्रमुख शिवालयों के भ्रमण, दर्शन-पूजन और जलाभिषेक के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुक्तेश्वरनाथ मंदिर पर मीडिया से बातचीत में कहा कि आज महाशिवरात्रि है

अर्थात देवाधिदेव महादेव की उपासना का विशेष दिवस। देवाधिदेव महादेव कल्याण के देवता हैं। वह सबके प्रति कल्याण का भाव रखते हैं। उनकी कृपा दृष्टि से ही सभी व्यवस्था संचालित हो पाती है। महाशिवरात्रि पर प्रयागराज महाकुंभ में, बाबा विश्वनाथ के धाम काशी में और प्रदेश के अन्य सभी महत्वपूर्ण शिवालयों में श्रद्धालुजन भगवान भोलेनाथ के प्रति आस्था निवेदित कर रहे हैं। हर जगह भारी भीड़ है और श्रद्धालुजन अपार श्रद्धा भाव के साथ दर्शन-पूजन कर रहे हैं। यह आस्था भारत की एकात्मकता का प्रतीक है। मैं इस आस्था को नमन करता हूं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रयागराज महाकुंभ में अपार भीड़ है। 13 जनवरी से प्रारंभ हुआ महाकुंभ आज पूर्णाहुति को प्राप्त करेगा। लगभग 66 करोड़ श्रद्धालुजन मां गंगा, मां यमुना, मां सरस्वती की त्रिवेणी में पावन डुबकी लगाकर राष्ट्रीय एकात्मकता का नया संदेश दे रहे हैं।

वसुधैव कुटुंबकम के भाव के साथ श्रद्धालु सभी को राष्ट्रीयता के प्रति समर्पित होने की नई प्रेरणा भी प्रदान कर रहे हैं। उधर काशी विश्वनाथ धाम में भी लाखों की संख्या में श्रद्धालु जुटे हैं। पिछले डेढ़ महीने से अधिक समय से लगातार वहां पर 8 से 10 लाख श्रद्धालु प्रतिदिन बाबा विश्वनाथ धाम में दर्शन कर रहे हैं और आज तो महाशिवरात्रि भी है। अयोध्या धाम में भी यही स्थिति है। 8 से 10 लाख श्रद्धालु प्रतिदिन वहां श्रीरामजन्मभूमि पर प्रभु रामलला के दर्शन कर रहे हैं। अयोध्या में आज भी अपार भीड़ है। प्रदेश के सभी अन्य देवालयों जैसे गाजियाबाद में बाबा ददुग्धेश्वरनाथ धाम, बागपत में पुरा महादेवधाम, मेरठ के बाबा औघड़नाथ धाम, बाराबंकी के बाबा लोधेश्वरनाथ मंदिर, गोरखपुर के गोरखनाथ मंदिर, मानसरोवर मंदिर, मुक्तेश्वरनाथ मंदिर, नाथनगरी बरेली, गोंडा, बस्ती में बाबा भदेश्वरनाथ मंदिर, झारखंडी महादेव मंदिर, अयोध्या के नागेश्वरनाथ मंदिर, रुद्रपुर देवरिया के दुग्धेश्वरनाथ मंदिर, संतकबीरनगर के तामेश्वरनाथ मंदिर में भी श्रद्धालुओं की अपार भीड़ उमड़ी हुई है। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि जिस लोक कल्याण के भाव की प्रेरणा देवाधिदेव महादेव से हम सबको प्राप्त होती है, उसी लोकेमंगल की कामना से हम लोग अपने समाज और राष्ट्र के लिए समर्पण भाव से कार्य कर पाएंगे।

महाशिवरात्रि पर रुद्राभिषेक कर योगी ने की लोकमंगल की प्रार्थना

गोरखपुर, 26 फरवरी (एजेंसियां)।

गोरक्षपीठाधीश्वर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर बुधवार को रुद्राभिषेक कर देवाधिदेव महादेव से लोक मंगल और राष्ट्र कल्याण की प्रार्थना की। रुद्राभिषेक गोरक्षपीठ के पीठाधीश्वर आवास में स्थित शक्ति मंदिर में हुआ। रुद्राभिषेक के उपरांत मुख्यमंत्री ने हवन कर गोरक्षपीठ में शिवोपासना का अनुष्ठान पूर्ण किया।

महाशिवरात्रि पर विशेष उपासना के क्रम में बुधवार सुबह मुख्यमंत्री ने शक्ति मंदिर में भगवान भोले शंकर का गोदुग्ध से रुद्राभिषेक किया।

मठ के पुरोहित एवं वेदपाठी ब्राह्मणों ने शुक्ल यजुर्वेद संहिता के रुद्राष्टाध्यायी के महामंत्रों द्वारा रुद्राभिषेक का अनुष्ठान पूर्ण कराया।

रुद्राभिषेक के बाद सीएम योगी ने हवन तथा आरती कर चराचर जगत के कल्याण के लिए आदियोगी महादेव से प्रार्थना की।

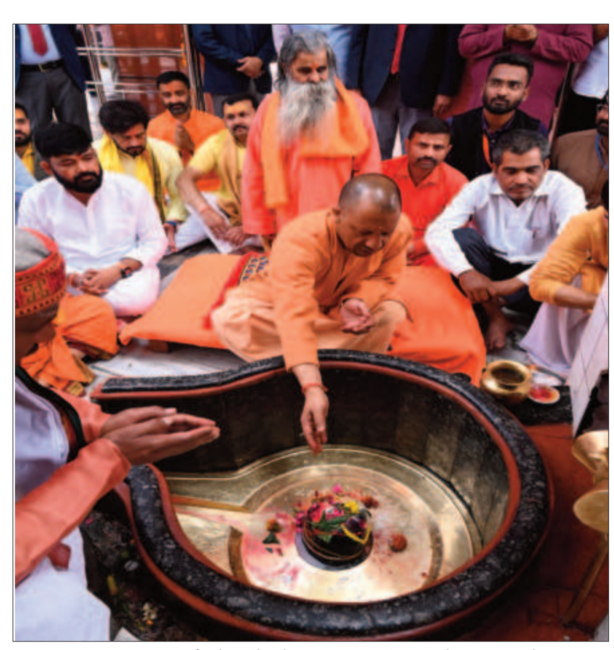

अनुष्ठान का यह कार्य दो घंटे से अधिक समय तक चला। इसके पूर्व मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर परिसर स्थित शिव मंदिर में भी पूजन किया। उन्होंने यहां भगवान नंदी का पूजन कर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया। उल्लेखनीय है कि नाथपंथ की परंपरा में गुरु गोरखनाथ सबका कल्याण करने वाले भगवान शिव के अवतार माने जाते हैं। गोरखनाथ मंदिर के मूल में भी लोक कल्याण एवं लोक मंगल की ही भावना है। ऐसे में गोरक्षपीठाधीश्वर के लिए महाशिवरात्रि का पर्व बेहद महत्वपूर्ण होता है।

संपादकीय

कला की कसक

कला के संरक्षण के लिये नीति-नियंताओं से संवेदनशील व्यवहार की उम्मीद की जाती है। बहुत संभव है कि यह संरक्षण दैनिक जीवन में किसी तरह की विसंगति पैदा करे, लेकिन भावी पीढ़ियों को अतीत के कला सौंदर्य से रूबरू कराना हर समाज का दायित्व होता है। कला संरक्षण की प्रासंगिकता का प्रश्न पंजाब व हरियाणा उच्च न्यायालय के उस निर्देश के बाद फिर सामने उत्पन्न हुआ है, जिसमें सड़क को चौड़ा करने तथा पार्किंग के विस्तार के लिये रॉक गार्डन की दीवार के एक हिस्से को ध्वस्त करने का निर्देश दिया गया है। यह प्रकरण विरासत के संरक्षण और बुनियादी ढांचे के विस्तार के बीच संतुलन को लेकर गंभीर चिंता उत्पन्न करता है। निस्संदेह, केंद्र शासित प्रदेश के अधिकारियों द्वारा क्रियान्वित निर्णय न केवल रॉक गार्डन के निर्माता नेक चंद की कलात्मक विरासत के एक हिस्से को मिटा देता है, बल्कि एक परेशान करने वाली मिसाल भी स्थापित करता है। जो बताता है कि कि नया भारत विकास के नाम पर अपनी सांस्कृतिक व वन विरासत के साथ कैसा व्यवहार करता है। निस्संदेह, इस तथ्य को लेकर दो राय नहीं हो सकती है कि रॉक गार्डन ने केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ को एक विशिष्ट पहचान दी है। नेकचंद की इस विरासत ने दुनिया को बेकार और अनुपयोगी चीजों को नया स्वरूप देने की एक नई दृष्टि प्रदान की है। दशकों से रॉक गार्डन रचनात्मक मानवीय कला दृष्टि के प्रमाण के रूप में खड़ा है कि कैसे सकारात्मक सोच के साथ कचरे को आश्चर्यजनक कृति में तब्दील किया जा सकता है। महत्वपूर्ण बात यह भी है कि नेकचंद की इस अद्भुत कला से प्रेरित होकर देश-दुनिया के विभिन्न भागों में रॉक गार्डन की प्रतिकृति बनाने की भी प्रेरणा भी मिली। नेकचंद के जाने के बाद भी रॉक गार्डन कलात्मकता के एक जीवंत प्रमाण के रूप में विद्यमान है। ऐसे में समाज व प्रशासन का नैतिक दायित्व बनता है कि इस सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण किया जाए। यही वजह है कि सिटी ब्यूटीफुल के तमाम जिम्मेदार, सजग व संभ्रांत लोग अपनी सांस्कृतिक विरासत की रक्षा के लिये आगे आए हैं। यह विडंबना कही जाएगी हम अपनी समृद्ध और कलात्मक विरासत के एक हिस्से को सड़क निर्माण और प्रदूषण बढ़ाने वाले वाहनों के उपयोग के लिये बनायी जा रही पार्किंग के लिये खो देंगे। यह भी तर्क दिया जा रहा है कि ध्वस्त की गई दीवार रॉक गार्डन में नेक चंद द्वारा बनायी गई मूल संरचना का हिस्सा नहीं थी। दीवार को ध्वस्त करने पर बचाव के लिये दिए जाने वाले तर्क तर्कशीलता की कसौटी पर खरे नहीं उतरते। यदि यह तर्क स्वीकार भी कर लिया जाता है तो भविष्य में इस दलील के आधार पर इसके अन्य हिस्सों के अस्तित्व पर संकट मंडरा सकता है। निस्संदेह, किसी संरचना या सांस्कृतिक प्रतीक के महत्व को उसके ढांचे के रूप में नहीं बल्कि उसके साथ लोगों के सांस्कृतिक और भावनात्मक जुड़ाव के रूप में देखा जाना चाहिए। वास्तव में इस दीवार को तोड़ने के लिये दी जा रही दलीलों की तार्किकता कई स्तरों पर त्रुटिपूर्ण ही है। सबसे पहले, उच्च न्यायालय परिसर के आसपास यातायात की जो भीड़ उत्पन्न होती है, वह खराब प्रबंधन की देन है। इसमें रॉक गार्डन की संरचना की उपस्थिति की कोई भूमिका नहीं है। सही मायनों में बेहतर सार्वजनिक परिवहन और शटल सेवाओं जैसे टिकाऊ विकल्पों की अनदेखी की गई है। इसके साथ उच्च न्यायालय द्वारा केस सूचियों के व्यवस्थित पुनर्गठन से भी यातायात संबंधी चिंताओं को दूर करते हुए अदालत परिसर में दैनिक उपस्थिति को कम किया जा सकता है। वहीं दूसरी ओर प्रशासन द्वारा दीवार को दूसरी जगह बनवाने और फिर पेड़ लगाने का वायदा पारिस्थितिकीय तंत्र के अपरिवर्तनीय नुकसान की भरपाई नहीं करता है। चंडीगढ़ की प्रसिद्ध पेड़ों की विरासत पहले ही अपनी आभा खोती जा रही है। ऐसे में सदियों पुराने पेड़ों को हटाना इसके पारिस्थितिकीय संतुलन के मद्देनजर एक आत्मघाती कदम ही हो सकता है। निस्संदेह, अदालतों को न्याय का संरक्षक माना जाता है।

बहुत संभव है कि यह संरक्षण दैनिक जीवन में किसी तरह की विसंगति पैदा करे, लेकिन भावी पीढ़ियों को अतीत के कला सौंदर्य से रूबरू कराना हर समाज का दायित्व होता है। कला संरक्षण की प्रासंगिकता का प्रश्न पंजाब व हरियाणा उच्च न्यायालय के उस निर्देश के बाद फिर सामने उत्पन्न हुआ है, जिसमें सड़क को चौड़ा करने तथा पार्किंग के विस्तार के लिये रॉक गार्डन की दीवार के एक हिस्से को ध्वस्त करने का निर्देश दिया गया है। यह प्रकरण विरासत के संरक्षण और बुनियादी ढांचे के विस्तार के बीच संतुलन को लेकर गंभीर चिंता उत्पन्न करता है। निस्संदेह, केंद्र शासित प्रदेश के अधिकारियों द्वारा क्रियान्वित निर्णय न केवल रॉक गार्डन के निर्माता नेक चंद की कलात्मक विरासत के एक हिस्से को मिटा देता है, बल्कि एक परेशान करने वाली मिसाल भी स्थापित करता है। जो बताता है कि कि नया भारत विकास के नाम पर अपनी सांस्कृतिक व वन विरासत के साथ कैसा व्यवहार करता है। निस्संदेह, इस तथ्य को लेकर दो राय नहीं हो सकती है कि रॉक गार्डन ने केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ को एक विशिष्ट पहचान दी है। नेकचंद की इस विरासत ने दुनिया को बेकार और अनुपयोगी चीजों को नया स्वरूप देने की एक नई दृष्टि प्रदान की है।

प्रयागराज महाकुंभ 2001, इस सहस्राब्दी का पहला कुंभ था, जो एक दुर्लभ खगोलीय संयोग के चलते 144 साल बाद हुआ है

महाकुंभ की ऐतिहासिक सफलता पर अनर्गल प्रलाप क्यों?

ललित गर्ग।

महाकुंभ में जितनी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया, वह अकल्पनीय है, विश्व में इतने विशाल जनसमूह को आकर्षित एवं नियोजित करने वाले धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक आयोजन की कोई दूसरी मिसाल नहीं मिलती। इस सफल एवं ऐतिहासिक आयोजन से विपक्षी दल एवं नेता बौखलाये हुए हैं और अपने बेतूके एवं अनर्गल प्रलाप से न केवल इस आयोजन की सफलता-गरिमा को धुंधलाना चाहते हैं बल्कि सनातन संस्कृति का उपहास उड़ा रहे है। टीएमसी अध्यक्ष ममता बनर्जी ने महाकुम्भ को मृत्युकुम्भ कहा तो सपा सांसद जया बच्चन एवं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे कहते हैं कि शवों को गंगा में बहा दिया गया, लालू यादव कहते हैं फालतू है महाकुम्भ। इस प्रकार के गैर जिम्मेदाराना बयान सनातन धर्म के जुड़े हुए सबसे बड़े आयोजन के प्रति दिए गए हैं।

महाकुंभ केवल एक धार्मिक समागम ही नहीं है, यह भारत की संस्कृति का भी परिचायक एवं आत्मा है। इस बार महाकुंभ में जितनी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया, वह अकल्पनीय है, विश्व में इतने विशाल जनसमूह को आकर्षित एवं नियोजित करने वाले धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक आयोजन की कोई दूसरी मिसाल नहीं मिलती। इस सफल एवं ऐतिहासिक आयोजन से विपक्षी दल एवं नेता बौखलाये हुए हैं और अपने बेतूके एवं अनर्गल प्रलाप से न केवल इस आयोजन की सफलता-गरिमा को धुंधलाना चाहते हैं बल्कि सनातन संस्कृति का उपहास उड़ा रहे है। टीएमसी अध्यक्ष ममता बनर्जी ने महाकुम्भ को मृत्युकुम्भ कहा तो सपा सांसद जया बच्चन एवं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे कहते हैं कि शवों को गंगा में बहा दिया गया, लालू यादव कहते हैं फालतू है महाकुम्भ। इस प्रकार के गैर जिम्मेदाराना बयान सनातन धर्म के जुड़े हुए सबसे बड़े आयोजन के प्रति दिए गए हैं। ऐसे एवं कुछ अन्य विपक्षी नेताओं के भ्रामक, त्रासद एवं गुमराह करने वाले बयानों से वहां जाने वाले लोगों को भयभीत, आतंकित और आशंकित किया गया। इन विपक्षी नेताओं का एक वर्ग, धर्म का मखौल एवं उपहास उड़ाते हुए लोगों को तोड़ने में जुटा है और बहुत बार विदेशी ताकतें भी इन लोगों का साथ देकर देश और धर्म को कमजोर करने की कोशिश करती दिखती हैं। यह समझ आता है कि कुछ तथाकथित प्रगतिशील और धर्मनिरपेक्षतावादी लोगों को सनातन धर्म से जुड़ा हर पर्व और परंपरा रास नहीं आती, लेकिन प्रश्न यह है कि क्या वे अन्य मतावलंबियों के ऐसे धार्मिक-सांस्कृतिक आयोजनों पर उसी तरह की टीका टिप्पणी करते हैं जैसी उन्होंने महाकुंभ को लेकर की। आखिर हिन्दू समाज अपने अस्तित्व एवं अस्मिता पर हो रहे इन हमलों एवं आघातों के लिये कब जागरूक एवं संगठित होगा? प्रयागराज महाकुंभ 2001, इस सहस्राब्दी का पहला कुंभ था, जो एक दुर्लभ खगोलीय संयोग के चलते 144 साल बाद हुआ है। जिसमें लगभग 62 करोड़ से अधिक लोगों के स्नान, रहने, चिकित्सा, यातायात व्यवस्था, भीड़ प्रबंधन, स्वच्छता और सुरक्षा की शानदार एवं ऐतिहासिक व्यवस्थाएं करके मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार ने न केवल देश बल्कि दुनिया को चौंकाया है। यह

दुनिया का पहला विशाल आयोजन है, जिससे भारत एवं सनातन धर्म का गर्व एवं गौरव दुनिया में बढ़ा है। बावजूद इसके विपक्षी नेता जिस तरह की बातें कह एवं कर रहे हैं, निश्चित ही यह उनकी राजनीतिक अपरिपक्वता, सनातन विरोधी मानसिकता को ही दर्शा रहा है, वे लगातार विभाजनकारी राजनीति को प्रोत्साहन देते हुए भूल जाते हैं कि उनके ऊपर देश को तोड़ने नहीं, जोड़ने की जिम्मेदारी है। वे जानते नहीं कि वे क्या कह रहे हैं। उससे क्या नफा-नुकसान हो रहा है या हो सकता है। वे तो इसलिए बोल रहे हैं कि वे बोल सकते हैं, उन्हें बोलने की आजादी है, लेकिन इसका नुकसान देश को भुगतना पड़ रहा है। विडम्बना देखिये कि इसका नुकसान उनको एवं उनके दल को भी हो रहा है। भारत में सनातन विरोध की राजनीति करके वे अपनी ही जड़े उखाड़ रहे हैं, यह उनकी राजनीतिक अपरिपक्वता को ही दर्शा रहा है। मध्यप्रदेश के छतरपुर में बागेश्वर धाम मेडिकल एवं साइंस रिसर्च सेंटर की आधारशिला रखते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महाकुंभ का उल्लेख करते हुए जिस तरह कुछ विपक्षी नेताओं पर निशाना साधा, उसकी आवश्यकता इसलिए थी, क्योंकि कुछ लोग वास्तव में अनावश्यक और अनर्गल टीका-टिप्पणी करने में लगे हुए हैं। पुरानी कहावत है, मियाँ को न पाऊँ तो बीवी को नोच खाऊँ वाली स्थिति विपक्षी नेताओं एवं दलों की हो चुकी है। इसे छिद्रान्वेषी मानसिकता ही कहा जाएगा। इस प्रकार की उद्देश्यहीन, अनर्गल, उच्छृंखल एवं विध्वंसात्मक आलोचना से किसी का हित सधता हो, ऐसा प्रतीत नहीं होता। विपक्षी नेता अपने नजरिए को बदलें और देश में नफरत और झूठ की राजनीति करके भ्रम फैलाने की ओछी राजनीतिक हरकतों से बाज आएं। विपक्ष जिस भाषा का प्रयोग कर रहा है, वह किसी भी सभ्य समाज को शोभा नहीं देती। विपक्षी नेताओं ने सारी हदें लांघते हुए जो तुलनाएँ की, जो अनर्गल प्रलाप किया है वह निश्चित रूप से अतिरेक या अतिशयोक्ति कही जा सकती हैं। प्रतीत होता है हर दिखते समर्पण की पीठ पर स्वार्थ चढ़ा हुआ है। इसी प्रकार हर अभिव्यक्ति में कहीं न कहीं स्वार्थ की राजनीति है, सत्तापक्ष को नुकसान पहुंचाने की ओछी मनोवृत्ति है। कुछ विपक्षी नेताओं ने चुन-चुनकर इस आयोजन की समस्याओं को गिनाने में अतिरिक्त दिलचस्पी दिखाई और इस क्रम में वहां मची भगदड़ का जिक्र करते हुए यहां तक कहा कि उसमें हजारों लोगों की मृत्यु हुई है। यह गैरजिम्मेदारी, मानसिक दिवालियापन एवं अपरिपक्व सोच के अतिरिक्त और कुछ नहीं। यह अच्छा हुआ कि प्रधानमंत्री ने ऐसे लोगों को कठघरे में खड़ा किया, क्योंकि वे हिंदू आस्था पर जानबूझकर प्रहार ही कर रहे थे। प्रधानमंत्री ने सही कहा कि महाकुंभ भारत की संस्कृति, आस्था और एकता का प्रतीक है। यह ठीक है कि जिस आयोजन में प्रतिदिन एक-दो करोड़ लोगों की भागीदारी होती हो, वहां कुछ समस्याएं हो सकती हैं और वे दिखीं भी, लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि इस आयोजन को विफल बताने की कोशिश की जाए अथवा यह कहा जाए कि श्रद्धालुओं को उनके हाल पर छोड़ दिया गया है। अच्छा हो कि विपक्षी नेता यह समझें कि ऐसे आयोजनों पर उनकी बेजा एवं बेतूकी टिप्पणियां उन्हें राजनीतिक रूप से नुकसान ही पहुंचाती हैं। हिन्दू आस्था से नफरत करने वाले ये लोग सदियों से किसी न किसी शक्ल में रहते रहे हैं। गुलामी की मानसिकता से घिरे ये लोग हिन्दू मठों, मंदिरों, संतों, संस्कृति व सिद्धांतों पर हमला करते हुए राजनीति करते रहे हैं। ऐसे लोग भूल जाते है कि हिन्दू भारत का बहुसंख्य वर्ग है, भारत एक हिन्दू राष्ट्र है, उसका विरोध करते हुए वे अपनी राजनीति जमीन को ही खोखला करते हैं। मोदी-योगी एवं भाजपा विरोध करते हुए वे राष्ट्र एवं सनातन विरोध पर उतर आते हैं। हिन्दू पर्व, परंपराओं और प्रथाओं को गाली देते है, जो धर्म एवं संस्कृति स्वभाव से ही प्रगतिशील है, विश्व मानवता को जोड़ने वाली है, उस पर कीचड़ उछाल कर वे सछिद्र नाव में सवार है। हिन्दू समाज को बांटना, उसकी एकता को तोड़ना ही इनका एजेंडा हैं।

दृष्टि कोण

डंकी रूट पर सख्त रुख अपनाएं सरकारें

मुगल बादशाही के दौर में कबूतरों को आपस में लड़ाने वाला 'कबूतरबाजी' एक मशहूर खेल था, मगर कुछ वर्ष पूर्व भारत में कबूतरबाजी लफ्ज मानव तस्करी के रूप में काफी चर्चित हुआ था। कबूतरबाजी यानी लोगों को अवैध तरीके से विदेश भेजने का तरीका। कबूतरबाजी के इल्जाम ने देश के कुछ मकबूल फनकारों को भी सलाखों के पीछे पहुंचा दिया था। मौजूदा वक्त में कबूतरबाजी की जगह 'डंकी रूट' एक चर्चित लफ्ज बन चुका है। डंकी रूट यानी किसी देश में गैर कानूनी तरीके से प्रवेश करना। अमेरिका, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी व ब्रिटेन जैसे मुल्क भारतीय युवाओं की पहली पसंद हैं। जब लोग दस्तावेज नहीं बनवा पाते या विदेश जाने के लिए उनको वीजा नहीं मिलता तो एजेंट्स युवाओं को डंकी रूट के तहत बिना किसी दस्तावेज व वैध वीजा के अवैध तरीके से विदेश पहुंचाने के हसीन ख्वाब दिखाते हैं। जिस प्रकार नशे के सरगना नशा तस्करी के लिए नए तरीके इजाद करते हैं, उसी प्रकार ट्रैवल एजेंट भी युवाओं को गैर कानूनी तरीके से विदेश भेजने के लिए कबूतरबाजी, डंकी रूट व फिश रूट जैसी अवैध तरकीबें अपनाते हैं। नशे का नेटवर्क भी देश में अपनी जडें.जमा चुका है। डंकी रूट का संचालन करने वाले एजेंटों का कारोबार भी फराज पर है। नशा माफिया के निशाने पर भी युवा वर्ग है तथा डंकी रूट के एजेंटों का नेटवर्क भी युवा वर्ग के इर्द-गिर्द ही घूमता है। नशा माफिया की तरह डंकी रूट के संचालकों का भी अपना एक निर्धारित क्षेत्र है। नशे के सरगना व डंकी रूट के एजेंट तथा ट्रैवल एजेंसियां अपनी अरबों रुपए की अवैध सल्तनत कायम कर चुकी हैं। बेशक बेरोजगारी के अजाब से भारत के हजारों युवा अपना मुल्क छोडक़र डंकी रूट का सहारा लेकर मगरबी मुल्कों में जा रहे हैं। मगर इसे इत्तेफाक कहें या इख्तिलाफ। संयोग कहें या प्रयोग। अमेरिकी प्रशासन अवैध रूप से रह रहे भारतीय प्रवासी युवाओं को शातिर अपराधियों की तरह हथकडियों व बेडियों में जकडक़र जिस तरीके से बेआबरू करके निर्वासित कर रहा है, यूएसए की यह कारकर्दगी दुर्भाग्यपूर्ण है। हैरत की बात है कि बेगुनाह प्रवासी भारतीय युवाओं से मुजरिमों जैसा सलूक करने वाली अमेरिकी सुरक्षा एजेंसियों की इस हरकत पर मानवाधिकारों की वकालत करने वाले मुनाजिर भी खामोश हैं। अमेरिका की अर्थव्यवस्था को अपनी कड़ी मेहनत से गुलजार करने वाले भारतीय नौजवानों को अवैध प्रवासी बताकर अमेरिकी प्रशासन नामोशी के साथ डिपोर्ट करके दुनिया को पैगाम नसर कर रहा है कि अपने मुल्क की सुरक्षा व राष्ट्रीय हितों से यूएसए कभी समझौता नहीं करेगा। लेकिन यूएसए में एक मुद्दत से पनाह ले चुके भारत विरोधी गतिविधियों में मुल्लविश आदतन मुजरिमों व गैंगस्टरों के प्रत्यर्पण पर अमेरिकी प्रशासन भी खामोश है। हकीकत में डंकी रूट का इस्तेमाल गैंगस्टर व जघन्य वारदातों को अंजाम देकर बैरूने मुल्कों में पनाह लेने वाले कुख्यात अपराधियों के लिए ही होता था। आतंकी व गैंगस्टर गतिविधियों से जुड़े मुजरिम मौजूदा वक्त में भी डंकी रूट के जरिए ही विदेशों में पहुंचते हैं। भारत विरोधी गतिविधियों में मशगूल व अलगाववाद, चरमपंथ की पैरवी करने वाले लोगों को विदेशी खूफिया एजेंसियों की पूरी हिमायत हासिल है। देश में कोई भी मुद्दा हो सियासत की हरारत बुलंदी पर पहुंच जाती है। बिना पुख्ता कागजात के अमेरिका से निर्वासित हुए भारतीय नागरिकों पर भी दोनों सदनों में खूब हंगामा हुआ। विपक्ष के हंगामे के बाद वजीरे खारजा ने अमेरिका द्वारा डिपोर्ट किए गए लोगों के आंकड़े सदन के समक्ष रखे तो ज्ञात हुआ कि वर्ष 2009 में 734, साल 2010 में 794 , सन्-2011 में 597 तथा सन्-2012 में 530 भारतीयों को अमेरिका ने अवैध प्रवासी बताकर अपने मुल्क से बाहर किया था। अमेरिका से भारतीय प्रवासियों के निर्वासन का सिलसिला बदस्तूर जारी है। भले ही अमेरिका अपने तल्ख तेवर दिखाकर अवैध प्रवासियों को अपने मुल्क से डिपोर्ट कर रहा है, मगर लोगों से लाखों रुपए हड़प करके डंकी रूट के तहत विदेश भेजने वाले गिरोहों व ट्रैवल एजेंटों का धंधा भी बदस्तूर जारी है। विदेश भेजने के नाम पर कई राज्यों में सैंकड़ों एजेंट अपने दफ्तर खोल कर बैठे हैं, जो युवाओं को लुभाकर उनसे लाखों रुपए हड़प करके विदेशों में सुरक्षित पहुंचाने का दावा करते हैं। जबकि अमेरिका से भारतीय युवाओं के निर्वासन ने सभी दावों की पोल खोल दी है। यूएसए सहित कई देशों में भारतीय नागरिक नस्लीय भेदभाव का शिकार होते हैं। विदेशों में पढने वाले छात्रों की हत्याएं की जाती हैं। डंकी रूट के तहत विदेशों में गए सैंकड़ों भारतीय युवा कई देशों में सलाखों के पीछे हैं। डंकी रूट डैथ रूट भी साबित हो रहा है।

कुछ अलग

साइबर मकड़जाल

यह खबर परेशान करने वाली है कि म्यांमार और पूर्वी एशिया के कई देशों से जो संगठित साइबर अपराध संचालित हो रहे हैं, उनके चंगुल में बड़ी संख्या में भारतीय युवा भी हैं। हाल ही में म्यांमार के दुर्गम इलाकों में बनाये गए साइबर अपराधियों के अड्डों से सत्तर भारतीय युवाओं को छुड़ाया गया है। जिनको डरा-धमकाकर भारत में साइबर अपराधों को अंजाम देने के लिये इस्तेमाल किया जाता था। बताया जाता है साल 2022 के बाद म्यांमार, थाईलैंड, लाओस, कंबोडिया आदि से छह सौ से अधिक भारतीयों को अपराधियों के चंगुल से बचाया जा चुका है। आशंका है कि कई हजार भारतीय युवा म्यांमार समेत विभिन्न देशों में साइबर अपराधियों के अड्डों में जबरन रोके गए हैं। दुर्भाग्यपूर्ण है कि भारतीय युवा प्रतिभाएं दलालों की साजिश से संगठित साइबर अपराध करने वाले अंतर्राष्ट्रीय अपराधियों के चंगुल में फंस जाती हैं। विडंबना ही है कि हम अपने युवाओं को न तो रोजगार दे पा रहे हैं और न ही विदेशों में अपना भविष्य संवारने की आकांक्षा रखने वाले युवाओं को फर्जी एजेंटों के चंगुल से बचा पा रहे हैं। आखिर हमारी एजेंसियां ऐसी धोखाधड़ी करने वाले एजेंटों पर नकेल क्यों नहीं कस पा रही हैं। हाल के दिनों में कई ऐसे मामले प्रकाश में आए हैं कि युवा अपनी जमीन बेचकर व कर्ज उठाकर विदेश जाते हैं, लेकिन एजेंटों की धोखाधड़ी से वे साइबर अपराधियों के शिकंजे में फंस जाते हैं। दरअसल, साइबर अपराधियों का मकड़जाल इतना मजबूत हो चुका है कि बिना अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के उन पर नियंत्रण कर पाना संभव न होगा। ऐसे वक्त में जब साइबर अपराधियों का नेटवर्क दुनिया की आर्थिकी को चूना लगा रहा है, मिल-जुलकर इनके खिलाफ अभियान चलाना वक्त की जरूरत है। निश्चित रूप से यह एक विकट संकट है, जिसे दुनिया के देशों को गंभीरता से लेने की जरूरत है। यह जानते हुए कि साइबर अपराधियों का संगठन लगातार ताकतवर होता जा रहा है और वे समानांतर काली अर्थव्यवस्था चला रहे हैं। दरअसल, हो यह रहा है कि देश-दुनिया में ऑनलाइन फ्रॉड लगातार बढ़ते जा रहे हैं। वे सुनहरे सपने दिखाकर बेरोजगार युवाओं को फंसाते हैं। उन्हें जगह कोई और बतायी जाती है और अंततः साइबर अपराधियों के अड्डों पर पहुंचा दिया जाता है। युवाओं के पासपोर्ट छीन लिए जाते हैं। ये अड्डे ऐसी जगहों पर होते हैं कि उस देश की पुलिस की पकड़ में वे आसानी से नहीं आते। हाल के वर्षों में साइबर अपराधी इतने चतुर-चालाक हो गए हैं कि निगरानी करने वाली एजेंसियों की पकड़ से आसानी से बच जाते हैं। हाल ही में जिन सत्तर भारतीयों को म्यांमार में साइबर अपराधियों के चंगुल से मुक्त कराया गया, उसमें म्यांमार के सीमा सुरक्षा बल की बड़ी भूमिका रही है। इन मुक्त कराए गए भारतीयों में पंजाब, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना,यूपी व राजस्थान आदि राज्यों के लोग थे। इसी तरह म्यांमार व अन्य पूर्वी एशिया के देशों में साइबर अपराधियों के चंगुल में फंसे हुए भारतीयों को मुक्त कराने के लिए इन देशों की सरकारों से सहयोग मांगा जाना चाहिए। निश्चित तौर पर साइबर अपराधियों द्वारा संचालित अपराधों की लगातार मजबूत होती काली अर्थव्यवस्था पूरी दुनिया की आर्थिक व कानूनी सुरक्षा के लिये चुनौती है। दरअसल, इस काले धन से नशे के कारोबार, आतंकवाद और मानवीय तस्करी जैसे अपराधों को अंजाम दिया जाता है। इस संगठित आपराधिक नेटवर्क पर अविलंब अंकुश लगाने की जरूरत है।

देश दुनिया से

परीक्षा प्रणाली में कैसे करें सुधार?

देश के सभी राज्यों मे छात्रों की परीक्षा का दौर शुरू है। यह हमारी परीक्षा प्रणाली का दोष है कि परीक्षाओं को लेकर न केवल छात्र, बल्कि अभिभावक और अध्यापक भी तनाव में आ जाते हैं। इस मुद्दे की बारीकी में विवेचना की जरूरत है। परीक्षाओं की शुरुआत 19वीं सदी में एक फ्रांसीसी दार्शनिक ने की थी, जिनका नाम सर हेनरी फिशेल था। वह इंडियाना यूनिवर्सिटी ऑफ अमेरिका के प्रोफेसर थे। वह अमेरिका के एक व्यापारी थे। उनका दर्शन दो प्रकार की घटनाओं (बाहरी और आंतरिक) की जांच पर आधारित था। उनका मूल विचार यह है कि किसी व्यक्ति को किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले चीजों (घटनाओं, व्यक्तियों आदि) की बहुत सावधानी से जांच करनी चाहिए। इसलिए, वह जांच के दर्शन को अपनाने वाले पहले दार्शनिकों में से एक हैं। लेकिन यह कहना कि उन्होंने परीक्षा प्रणाली का आविष्कार किया या यहां तक कि चीजों की जांच करने का विचार उनके दिमाग में आया, इससे बहुत अलग है। उन्होंने छात्रों के दिमाग का आकलन करने के लिए परीक्षाएं शुरू करने के अपने विचार को भी अभिव्यक्त किया। उन्होंने किसी की जानकारी, शिक्षा, प्रतिभा, उत्कृष्टता आदि की जांच करना जरूरी समझा। क्योंकि जब कोई बच्चा कॉलेज में पहली बार स्कूल में होता था, तो वह बिना परीक्षा दिए ही एक क्लास से दूसरी क्लास में चला जाता था। लेकिन उसने एक साल में कितना अध्ययन किया, यह पता नहीं लगा सका कि उसने अपने पाठ्यक्रम के बारे में कितनी जानकारी हासिल की है। हेनरी फिशेल ने जो सबसे पहली परीक्षा शुरू की, वह छात्रों के सामान्य ज्ञान के बारे में जानने के लिए थी। हमारे देश में परीक्षा की खोज सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने की थी। उन्होंने 1948 में एक रिपोर्ट के माध्यम से शिक्षा के क्षेत्र में सुधार के लिए परीक्षा प्रणाली की आवश्यकता पर जोर दिया था, जिससे उन्होंने एक समिति की स्थापना की। इसके बाद, इसे 'राधाकृष्णन समिति' कहा गया और इसका सुझाव भारत सरकार ने मान लिया, जिससे भारत में प्रथम परीक्षा प्रणाली की शुरुआत हुई। भारत की वर्तमान शिक्षा प्रणाली को परतंत्र काल की शिक्षा प्रणाली माना जाता है। यह ब्रिटिश शासन की देन मानी जाती है। इस प्रणाली को लॉर्ड मैकाले ने जन्म दिया था। इस प्रणाली की वजह से आज भी सफेद कॉलरों वाले लिपिक और बाबू ही पैदा हो रहे हैं। इसी शिक्षा प्रणाली की वजह से विद्यार्थियों का शारीरिक और आत्मिक विकास नहीं हो पाता है। हमारा भारत 15 अगस्त 1947 को आजाद हुआ था। हमारे कर्णधारों का ध्यान नई शिक्षा प्रणाली की तरफ गया क्योंकि ब्रिटिश शिक्षा प्रणाली हमारी शिक्षा प्रणाली के अनुकूल नहीं थी। आजादी के बाद शिक्षा प्रणाली में सुधार लाने के लिए अनेक समितियां बनाई गईं। देश में एक विशाल योजना बनाई गई जो तीन साल के भीतर 50 फीसदी शिक्षा का प्रसार कर सके। सैकेंडरी शिक्षा का निर्माण किया गया। बाद में बेसिक शिक्षा समिति बनाई गई जिसका उद्देश्य भारत में बेसिक शिक्षा का प्रसार करना था। अखिल भारतीय शिक्षा समिति की सिफारिश की वजह से बच्चों में बेसिक शिक्षा को अनिवार्य कर दिया गया था। शिक्षा के क्षेत्र में परिवर्तन लाने के लिए कोठारी आयोग की स्थापना की गई। इस आयोग ने राष्ट्रीय स्तर पर नई योजना लागू करने की सिफारिश की। इस योजना की चर्चा-परिचर्चा लंबे समय तक चली थी। देश के बहुत से राज्यों में इस प्रणाली को लागू किया गया था। इस प्रणाली से दस साल तक दसवीं कक्षा में सामान्य शिक्षा होगी। इसमें सभी विद्यार्थी एक जैसे विषयों का अध्ययन करेंगे। इस पाठ्यक्रम में दो भाषाएं, गणित, विज्ञान और सामाजिक पांच विषयों पर अध्ययन किया जाएगा। लेकिन विद्यार्थियों को शारीरिक शिक्षा से भी परिचित होना चाहिए। सातवीं की परीक्षा के बाद विद्यार्थी अलग-अलग विषयों पर अध्ययन करेंगे। अगर वो चाहें तो विज्ञान ले सकते हैं, कॉमर्स ले सकते हैं, और औद्योगिक कार्यों के लिए क्राफ्ट भी ले सकते हैं। लेकिन इस कवायद के वांछित परिणाम नहीं निकले। नई शिक्षा नीति 2020 में शिक्षा प्रणाली को रोजगार को सामने रखकर बनाया गया है। हम लोग अक्सर देखते हैं कि लोग विश्वविद्यालय और महाविद्यालयों में भाग तो लेते हैं, लेकिन पढने में उनकी रुचि नहीं होती है। ऐसे लोग समाज में अनुशासनहीनता और अराजकता पैदा करते हैं। नई शिक्षा नीति से हमें यह लाभ होगा कि ऐसे विद्यार्थी दसवीं तक ही रह जाएंगे और वे महाविद्यालय में प्रवेश नहीं ले पाएंगे। जो विद्यार्थी योग्य होंगे, वे कॉलेजों में प्रवेश ले सकेंगे। दसवीं करने के बाद विद्यार्थी डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेकर रोजगार प्राप्त कर सकेंगे। लेकिन अगर हमें नवीन शिक्षा प्रणाली को सफल बनाना है तो स्थान-स्थान पर डिप्लोमा पाठ्यक्रम खोलने पड़ेंगे जिससे दसवीं करने के बाद विद्यार्थी कॉलेजों की तरफ नहीं भागें। इससे शिक्षित लोगों की बेरोजगारी में कमी आएगी और शिक्षित लोगों का समाज में मान-सम्मान होगा। इस शिक्षा प्रणाली से विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास होगा और यह भविष्य के निर्माण के लिए भी सहायक होगी। इस प्रणाली को पूरी तरह से सफल बनाने का भार हमारे शिक्षकों पर है। हाल ही में हिमाचल प्रदेश में कम संख्या वाले शिक्षा संस्थानों को सीमित करने का फैसला बेहतर साबित होगा क्योंकि इससे फोकस बेहतर होगा। इसी कड़ी में भारत में पेपर लीक की समस्या महंगी और दोषपूर्ण परीक्षा प्रणाली का ही परिणाम है और इससे लोग महंगी पढ़ाई पर खर्च करने के बजाय प्रश्नपत्र खरीदने में लाभ देखते हैं। सरकारी कॉलेज बहुत कम शुल्क लेते हैं जिससे शिक्षा सुलभ हो जाती है। लेकिन वहीं निजी संस्थानों की फीस बहुत ज्यादा होती है, इसलिए छात्र चाहते हैं कि उन्हें लाखों रुपए की फीस देने के बजाय लीक हुआ पेपर ही मिल जाए। आखिर में यह कहना चाहूंगा कि हमें तय करना होगा कि छात्र सिर्फ परीक्षा के लिए ही नहीं, बल्कि अपने जीवन के लिए भी तैयार हों। मश्विरा है कि हर छात्र को मजबूत भविष्य बनाने के लिए कोई स्किल सीखना चाहिए, फिर चाहे वह किसी भी कोर्स से जुड़ा हो। याद रहे कि व्यावहारिक शिक्षा, व्यवस्थित सुधार एवं कौशल विकास के द्वारा ही युवाओं को वास्तविक दुनिया की चुनौतियों के लिए तैयार किया जा सकता है। महात्मा गांधी जी ने शिक्षा के विषय में कहा था कि शिक्षा का अर्थ बच्चों में सारी शारीरिक, मानसिक और नैतिक शक्तियों का विकास करना होता है। शिक्षा, एकेडमी के दायरे से बढक़र होनी चाहिए, छात्रों को रोजगार क्षमता पर ध्यान देना चाहिए। हमें हर साल नए कौशल सीखने चाहिएं, फिर चाहे वह ड्राइविंग हो या कोई और चीज। सही कौशल पाने से आपकी रोजगार क्षमता बढ़ती है।

आप का नजरिया

आर्थिक पाठ्यक्रम के पाठ

फाइलें नोट करती रहीं काम के, लेकिन हुजूर चस्पां थे इत्मीनान से। हिमाचल में सबसे पहले और सबसे आगे अगर नवाचार हुआ, तो यह ट्रांसफर एडजस्टमेंट का नित नया पैंतरा रहा। तू डाल-डाल, मैं पात-पात के इस खेल में कर्मचारी राजनीति ने सचिवालय से सडक़ तक को गुमराह किया। यह एक भंवर है जहां प्रदेश का कर्म, राजनीति का भ्रम और राज्य का भविष्य बार-बार डूबा। यानी सरकारी नौकरी प्रदान करने में सत्ता जादूगर, कर्मचारी मालिक और राजनीति साम्राज्य बन गई। प्रदेश के संसाधन, उधार की परिक्रमा में ऐसे व्यय पर लट्टू रहे जो आज बजट की तासीर को कमजोर बनाता है। जहां पगार देने के लिए कर्ज लेना पड़ता हो, वहां यह इंतखाब घातक है, इसलिए अब प्रदेश को अपने ही बोझ से निजात चाहिए। सरकार की उदारता बहुत देखी और पिछले कई चुनावों से पूर्व सत्ता पक्ष ने बहलाने-फुसलाने या सियासी चमत्कार दिखाने की कोशिश में खजाने को पंगु बना दिया। बहरहाल कर्मचारी मसलों में क्रांतिकारी कदम चाहिए और यह हिम्मत दिखानी पड़ेगी, वरना यह प्रदेश अब अपने ही ढांचे के नीचे हड्डियां तुड़वा रहा है। अगर दो दर्जन कालेज और स्कूलों का एक सैंकड़ा हटाना या बंद करना पड़ रहा है, तो यह दौर खुद को समझाने और संभालने का है। जाहिर है सरकार को ये कदम लेने पड़ रहे हैं, वरना सियासी ढोल नगाड़े तो यही चाहते हैं कि बहते दरियाओं में किश्तियां बढ़ती रहें। बेशक आज हिमाचल जहां है, वहां विकास की मात्रात्मक पहचान ने नागरिक समाज को जागरूक किया। सामाजिक सुरक्षा के हर पहलू में घर-घर तक यह खत आया कि शिक्षा व चिकित्सा अब उनके नजदीक है, लेकिन विस्तार की यह परिभाषा अप्रासंगिक होने लगी तो तरक्की के विषय बदलेंगे, आगे बढने के पाठ्यक्रम बदलेंगे। एक पाठ्यक्रम शिक्षा ने दिया, लेकिन दूसरा अब हमारे आर्थिक संसाधन बना रहे हैं। आर्थिक संसाधनों का पाठ्यक्रम हमें विवश कर रहा है कि अब वास्तविकताओं को नजरअंदाज न करें। यह जवाबदेही मांग रहा है, वित्तीय कसौटियां भांप रहा है। फिजूलखर्चियों के चंगुल से बचा रहा है, तो सरकारी कार्यसंस्कृति में अनुशासन बढ़ाने की ताकीद कर रहा है। हिमाचल को अपने आर्थिक पाठ्यक्रम के पाठ बढ़ाते हुए हर विभाग के लक्ष्य तय करने होंगे। सरकारी क्षेत्र के हर कर्मचारी-अधिकारी के जज्बात अब वेतन-भत्तों की गणना नहीं, बल्कि दायित्व को औचित्यपूर्ण बनाना है। इसी परिप्रेक्ष्य में जिला से राज्य कैडर में परिवर्तित होने का अनुशासित पक्ष, प्रशंसनीय है। आर्थिक पाठ्यक्रम महज बजट का शीर्षासन नहीं, बल्कि कार्य संस्कृति के हर पल की गवाही है। अगर एचआरटीसी कैशलैस ट्रांजेक्शन से अपनी कार्य संस्कृति को सुधार रहा है, तो हर निगम की बचत में कर्मचारियों के हाथ-पांव फूलने चाहिएं। विभागीय दक्षता और कार्यप्रणाली की सफलता में ट्रांसफर का धोबीघाट होना चाहिए ताकि सनद रहे कि नौकरी सिर्फ अधिकार नहीं, दायित्व के जवाबदेही है। हिमाचल पर्यटन निगम की हर इकाई का दारोमदार उसे लाभकारी बनाने में होना चाहिए, न कि पर्चियों पर सरकारी नौकरी को सियासी सेवादार बनाने में प्रशस्त होना पड़े।

चीन का यंताई बंदरगाह बन रहा ऑटोमोबाइल निर्यात का प्रमुख केंद्र

बीजिंग, 26 फरवरी (एजेंसियां)।

चाइना का शांदोंग प्रांत में स्थित यह पोर्ट अब दुनिया भर में कारों की आपूर्ति करने वाले प्रमुख ठिकानों में शामिल हो गया है। चीन का यंताई बंदरगाह तेजी से ऑटोमोबाइल निर्यात का प्रमुख केंद्र बनता जा रहा है।

यहां हर दिन सैकड़ों गाड़ियां जहाजों पर लोड की जाती हैं, जो यूरोप, दक्षिण अमेरिका और एशिया के विभिन्न देशों के लिए रवाना होती हैं। यह नजारा चीन की तेजी से बढ़ती ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री और इसके वैश्विक प्रभाव को दर्शाता है। चीन की ऑटोमोबाइल कंपनियां अब अंतरराष्ट्रीय बाजार में अपनी मजबूत पकड़ बना रही हैं।

खासतौर पर इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग में तेजी आने से चीनी निर्माताओं को भारी लाभ हो रहा है। यूरोप और दक्षिण अमेरिका के उपभोक्ता कम कीमत और बेहतर तकनीक के कारण चीन निर्मित कारों को प्राथमिकता दे रहे हैं। साथ ही, कई एशियाई देश भी इन वाहनों को तेजी से अपना रहे हैं, जिससे चीन का निर्यात लगातार बढ़ रहा है। यंताई बंदरगाह इस पूरे व्यापार को सुगम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

इसकी गिनती चीन के सबसे व्यस्त कार्गो पोर्ट्स में होती है। यहां से बीवायडी, नियो, सैक मोटर्स जैसी प्रमुख ऑटोमोबाइल कंपनियां अपनी गाड़ियां दुनियाभर में भेजती हैं। अत्याधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर और तेज लॉजिस्टिक्स सेवाएं इसे एक आदर्श निर्यात केंद्र बनाती हैं।

हाल ही में, इस पोर्ट की क्षमता बढ़ाने के लिए कई नई परियोजनाएं शुरू की गई हैं, जिससे भविष्य में और अधिक वाहनों का निर्यात संभव होगा। अगर मौजूदा गति से चीन की कार कंपनियां आगे बढ़ती रहीं, तो आने वाले वर्षों में वैश्विक ऑटोमोबाइल बाजार पर इनका दबदबा बढ़ सकता है। हालांकि, पश्चिमी देशों में चीन के बढ़ते प्रभाव को लेकर चिंताएं भी बढ़ रही हैं। यूरोप और अमेरिका की सरकारें अपनी घरेलू ऑटोमोबाइल कंपनियों की सुरक्षा के लिए नए नियम लागू कर सकती हैं, जिससे चीन के लिए चुनौतियां बढ़ सकती हैं।

न्यूज ब्रीफ

अब व्हाइट हाउस तय करेगा ट्रंप के दौरे में कितने पत्रकार होंगे

वाशिंगटन। व्हाइट हाउस दशकों पुरानी परंपरा को तोड़ने जा रहा है।अब वह ही यह तय किया करेगा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के देश-विदेश के दौरे में कितने पत्रकार जाएंगे और कौन सवाल पूछेगा। इससे पहले व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स एसोसिएशन ही यह तय करता रहा है। खबर के अनुसार, व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स एसोसिएशन 111 साल पुराना संगठन है। वह लंबे समय से स्वयं ही यह निर्धारित करता रहा है कि कौन से पत्रकार राष्ट्रपति की दैनिक गतिविधियों में हिस्सा लेंगे। ट्रंप प्रशासन ने मंगलवार को कहा कि वह जल्द ही इसका चयन करेगा कि किन मीडिया आउटलेट्स को राष्ट्रपति प्रेस पूल में भाग लेने की अनुमति दी जाए। व्हाइट हाउस के इस फैसले पर कई वरिष्ठ पत्रकारों ने आश्चर्य व्यक्त किया है।

अफ्रीका में घातक वायरस का क्या है मामला जिसमें 50 से ज्यादा लोगों की हो गई मौत

कॉन्गो। इबोला और जीका जैसी जानलेवा बीमारियों के बाद अफ्रीका में एक नए घातक वायरस का आतंक फैल रहा है। कॉन्गो में इस वायरस के कारण कुछ ही दिनों में 50 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है, जिससे पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और डॉक्टरों के अनुसार, इस वायरस से संक्रमित लोगों की मौत सिर्फ 48 घंटों में हो रही है। यह स्थिति बेहद चिंताजनक है क्योंकि इससे स्वास्थ्य तंत्र पर भारी दबाव पड़ रहा है। कैसे फैला यह घातक वायरस - 21 जनवरी को कॉन्गो में पहला मामला सामने आया था, जिसके बाद से अब तक 419 लोग संक्रमित हो चुके हैं। - बोमेटे शहर में रहस्यमयी मौतों की संख्या बढ़ने पर सैंपल टेस्टिंग के लिए भेजे गए। - बोलोको शहर में यह वायरस पहली बार तब सामने आया, जब तीन बच्चों ने एक चमगादड़ को खाया। इसके तुरंत बाद उन्हें तेज़ बुखार हुआ और 48 घंटे के भीतर उनकी मौत हो गई। डब्ल्यूएचओ ने दी चेतावनी विश्व स्वास्थ्य संगठन ने चेतावनी दी है कि यह वायरस तेजी से फैल सकता है और वैश्विक महामारी का रूप ले सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, बीते कुछ वर्षों में अफ्रीका और एशिया में जानवरों से इंसानों तक वायरस पहुंचने के मामले तेजी से बढ़े हैं। स्वास्थ्य एजेंसियां इस वायरस की पहचान और रोकथाम के लिए प्रयास कर रही हैं, लेकिन अब तक इसका कोई ठोस इलाज सामने नहीं आया है। वैज्ञानिकों ने लोगों को सतर्क रहने और संक्रमण से बचने के लिए आवश्यक सावधानियाँ बरतने की सलाह दी है।

यूक्रेन जंग पर अमेरिका रूस के साथ यूएन में पहली बार रूस की निंदा से इनकार, वोटिंग में भी साथ दिया

वॉशिंगटन। अमेरिका ने मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा में यूक्रेनी प्रस्ताव के खिलाफ रूस के समर्थन में वोटिंग की। यूक्रेन ने रूस के साथ युद्ध को 3 साल पूरे होने पर में एक प्रस्ताव पेश किया था। इस प्रस्ताव में रूसी हमले की निंदा करने और यूक्रेन से तत्काल रूसी सेना को वापस बुलाने की मांग की गई थी। अमेरिका ने अपनी पुरानी नीतियों के उलट साथी यूरोपीय देशों के खिलाफ जाकर इस प्रस्ताव के विपक्ष में मतदान किया। जबसे रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध की शुरुआत हुई, तब से पहली बार अमेरिका और इजराइल ने यूक्रेन के खिलाफ वोट किया है। जबकि भारत और चीन समेत 65 देशों ने वोटिंग में हिस्सा नहीं लिया। प्रस्ताव का समर्थन करने वालों में जर्मनी, ब्रिटेन और फ्रांस जैसे प्रमुख यूरोपीय देश शामिल हैं। यह प्रस्ताव 18 के मुकाबले 93 मतों से पारित हो गया। अमेरिकी प्रस्ताव में रूस का जिक्र तक नहीं अमेरिका ने भी यूएन में 3 पैराग्राफ का प्रस्ताव पेश किया। इसमें न तो रूसी हमले का जिक्र था और न ही किसी तरह की निंदा की। इसमें बस दोनों देशों में हुए जानमाल के नुकसान पर शोक जाहिर किया गया। अमेरिका ने कहा कि वो लड़ाई को जल्द खत्म करके यूक्रेन और रूस के बीच स्थायी शांति की अपील करता है। अमेरिकी डिप्लोमैट डोरोथी कैमिली शिया ने कहा कि इस तरह के प्रस्ताव युद्ध को रोकने में नाकाम रहे हैं। यह युद्ध अब बहुत लंबा खिंच चुका है।

अमेरिका-यूक्रेन समझौते पर सहमत, जेलेंस्की खनिज भंडार सौंपने तैयार, पुनर्निर्माण में सहयोग करेंगे ट्रंप

कीव,26 फरवरी (एजेंसियां)।

संयुक्त राज्य अमेरिका और यूक्रेन एक बड़े समझौते पर सहमत हो गए हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की अमेरिका को देश का खनिज भंडार सौंपने को तैयार हो गए हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसके बदले युद्ध से तबाह हुए यूक्रेन को पुनर्निर्माण में यथासंभव सहयोग करेंगे।

सूत्र के हवाले से यह खबर प्रसारित की है। इसमें कहा गया है कि समझौते के मसौदे से वह हर चीज हटा दी गई, जिस पर दोनों पक्षों में से किसी एक को भी आपत्ति हो सकती थी। हालांकि अभी तक अमेरिकी ने इसकी पुष्टि नहीं की है। हालांकि यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की आने वाले दिनों में वाशिंगटन की यात्रा कर सकते हैं। ऐसे संकेत राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को खुद दिए। उन्होंने ओवल ऑफिस से कहा कि सुना है वह शुक्रवार को आ रहे हैं। जेलेंस्की का आना अच्छा रहेगा। हम दोनों मिलकर समझौते पर हस्ताक्षर करना चाहेंगे। वाकई अमेरिका के लिए यह बहुत बड़ी उपलब्धि होगी। इससे पहले सोमवार को भी कहा गया था कि यूक्रेन एक ऐसे समझौते पर सहमत होने के लिए तैयार है जो पुनर्निर्माण निधि में अमेरिका की भागीदारी चाहता है। वह इसके बदले संयुक्त राज्य अमेरिका को अपने दुर्लभ खनिज भंडार का बड़ा हिस्सा सौंप सकता है। सूत्र ने कहा था कि अमेरिकी अधिकारियों ने समझौते के मसौदे में शामिल सुरक्षा गारंटी का विरोध किया था। बताया गया है कि ट्रंप प्रशासन ने यूक्रेन से पहले की सहायता के बदले उसके खनिजों में 500 बिलियन डॉलर की हिस्सेदारी मांगी थी। जेलेंस्की ने इसे अस्वीकार कर दिया था। उल्लेखनीय है कि यूक्रेन के पास दुनिया के लगभग पांच प्रतिशत महत्वपूर्ण खनजि हैं। इनमें 19 मिलियन टन से भी अधिक ग्रेफाइट के भंडार हैं। यूक्रेन ग्रेफाइट का उत्पादन करने वाले शीर्ष पांच देशों में है। ग्रेफाइट का उपयोग इलेक्ट्रिक वाहनों की बैटरी बनाने में किया जाता है। इसके अलावा यूरोप के सभी लिथियम भंडारों का एक तिहाई हिस्सा भी यूक्रेन में है। यह भी बैटरी में इस्तेमाल होता है। रूस के आक्रमण से पहले यूक्रेन वैश्विक स्तर पर 7 फीसद टाइटेनियम का उत्पादन करता था। यह हवाई जहाजों से लेकर बिजली संयंत्रों तक, विभिन्न प्रकार के उत्पादों के निर्माण में उपयोग की जाने वाली एक हल्की धातु है। यूक्रेन में दुर्लभ धातुओं के भी महत्वपूर्ण भंडार हैं। यह 17 तत्वों का एक समूह है। इनका उपयोग आधुनिक हथियारों, पवन टर्बाइनों, इलेक्ट्रॉनिक्स और अन्य उत्पादों के उत्पादन में किया जाता है। हालांकि, कुछ खनिज भंडारों पर रूस ने कब्जा कर लिया है।

इंडोनेशिया में महसूस किए गए भूकंप के तेज झटके, तीव्रता 6.1, कोई हताहत नहीं हुआ

जकार्ता। इंडोनेशिया में बुधवार सुबह भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 6.1 मापी गई। यह भूकंप उत्तरी सुलावेसी प्रांत के पास समुद्र में आया और इसकी गहराई करीब 10 किलोमीटर थी। संयुक्त राज्य भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के मुताबिक भूकंप सुबह 6:55 बजे (स्थानीय समय) आया। राहत कि बात यह है कि इंडोनेशियाई मौसम विज्ञान एजेंसी ने सुनामी की संभावना से इनकार किया है और अब तक किसी बड़े नुकसान या किसी के घायल होने की खबर नहीं है। इंडोनेशिया एक ऐसी जगह पर स्थित है जहां धरती की टेक्टोनिक प्लेटें मिलती हैं। इसे 'रिंग ऑफ फायर' कहा जाता है, जिससे यहां अक्सर भूकंप और ज्वालामुखी विस्फोट होते रहते हैं। इसी कारण, यह इलाका भूकंपीय दृष्टि से बहुत संवेदनशील माना जाता है। पिछले वर्षों में, इस देश में कई खतरनाक भूकंप आ चुके हैं। जनवरी 2021 में, 6.2 तीव्रता के भूकंप से 100 से ज्यादा लोगों की मौत हुई और हजारों लोग बेघर हो गए थे। 2018 में, 7.5 तीव्रता के भूकंप और सुनामी ने 2,200 से ज्यादा लोगों की जान ले ली थी। वहीं, 2004 में आए 9.1 तीव्रता के भूकंप और सुनामी में 1,70,000 से अधिक लोग मारे गए थे। इंडोनेशियाई सरकार और राहत एजेंसियां हमेशा सतर्क रहती हैं और किसी भी आपदा से निपटने के लिए तैयार रहती हैं।

पाकिस्तान की हार के लिए पूर्व पीएम इमरान खान को जिम्मेदार ठहराया

कराची, 26 फरवरी (एजेंसियां)।

हाल ही में भारत से पाकिस्तान को क्रिकेट मैच में बुरी तरह पटकनी दी है। इससे समूचे पाकिस्तान में हड़कंप मचा हुए है। यहां तक की पूर्व पीएम इमरान खान को भी इस हार के लिए जिम्मेदार बताया जा रहा है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड यानी पीसीबी के पूर्व चेयरमैन नजम सेठी ने अप्रत्यक्ष रूप से पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को पाकिस्तान क्रिकेट के पतन के लिए जिम्मेदार ठहराया है। पाकिस्तान की टीम की चौतरफा आलोचना आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से बाहर होने के बाद हो रही है।

पाकिस्तान की टीम को न्यूजीलैंड और भारत से हार के बाद टूर्नामेंट से बाहर का रास्ता पकड़ना पड़ा है। इस पर नज सेठी ने कहा कि देश का राष्ट्रीय टीम के प्रदर्शन पर नाराज होना उचित है।

नजम सेठी ने एक्स पर लिखा, क्रिकेट बिरादरी का कहना है कि पाकिस्तान का स्तर बहुत नीचे गिर गया है। एक क्रिकेट टीम जो कभी टी20 (2018) और टेस्ट (2016) और एकदिवसीय (1990 और 1996) में नंबर एक थी, जिसने 1992 में विश्व कप और 2017 में चैंपियन्स ट्रॉफी जीती, उसकी तुलना जिंबाब्वे से कैसे की जा रही है सेठी के अनुसार टीम का पतन 2019 में शुरू हुआ जब एक नए प्रधानमंत्री/संरक्षक (उस समय इमरान खान प्रधानमंत्री थे और वह एहसान मनी को पीसीबी अध्यक्ष के रूप में लाए थे) के तहत एक नए प्रबंधन ने घरेलू क्रिकेट ढांचे को बदल दिया।

सेठी आगे लिखते हैं, राजनीतिक हस्तक्षेप जारी रहा, विरोधाभासी पीसीबी नीतियां नियम बन गईं- विदेशी कोचों को काम पर रखा गया और उन्हें फिर निकाल दिया गया, चयनकर्ताओं को मनमाने ढंग से नॉमिनेट किया गया, पुराने हटाए गए लोगों को सलाह देने और प्रबंधन करने के लिए भर्ती किया गया। आखिरकार खिलाड़ियों की ताकत, कप्तान के अहंकार का टकराव और टीम में गुटबाजी ने प्रबंधन की विफलता पर जीत हासिल कर ली। भयानक परिणाम हमारे सामने हैं।

कनाडा और मैक्सिको पर कब होगा 'टैरिफ वॉर', ट्रंप ने बताई तारीख

वाशिंगट। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले माह चीन, कनाडा और मैक्सिको पर 1 फरवरी से टैरिफ लगाने का ऐलान किया था। ट्रंप ने कहा था कि मैक्सिको और कनाडा से आयातित वस्तुओं पर 25 प्रतिशत टैरिफ और चीन से आयात पर 10 प्रतिशत टैरिफ लगेगा। ट्रंप के 'टैरिफ वॉर' में यह बड़ा फैसला था, लेकिन फिर 'टैरिफ वॉर' में ट्विस्ट आ गया था। ट्रंप ने कनाडा और मैक्सिको पर लगाए गए टैरिफ पर एक महीने की रोक लगा दी थी। इसके बाद दोनों देश इस रोक को आगे बढ़ाने की उम्मीद जता रहे थे, क्योंकि दोनों ही अमेरिका के पड़ोसी देश हैं। लेकिन अब ट्रंप ने मामले में बड़ा अपडेट दे दिया है। ट्रंप ने कहा, कनाडा और मैक्सिको पर हम तय समय पर टैरिफ लगाएंगे और इसमें कोई छूट नहीं मिलेगी।

हिंसा के बाद पलायन

हेती में गिरोहों के बीच हुई हिंसा को देखते हुए अपने घरों से भागते हुए डेलमास के लोग।

डायबिटीज के मरीजों के लिए सुरक्षित विकल्प बना स्टीविया

वॉशिंगटन, 26 फरवरी (एजेंसियां)।

डायबिटीज के मरीजों के लिए मीठे का स्वाद पूरी तरह छोड़ना आसान नहीं होता। ऐसे में स्टीविया एक बेहतरीन विकल्प बनकर उभरा है। यही कारण है कि स्वास्थ्य विशेषज्ञ इसे डायबिटीज रोगियों के लिए सुरक्षित और फायदेमंद मानते हैं। स्टीविया एक हर्बल स्वीटनर है, जो उत्तर और दक्षिण अमेरिका में पाए जाने वाले पौधे से प्राप्त होता है। भारत में इसे 'मीठी तुलसी' के नाम से भी जाना जाता है। इसकी पत्तियां चीनी से 50 से 300 गुना ज्यादा मीठी होती हैं, लेकिन इनमें कैलोरी न के बराबर होती है। स्टीविया में मौजूद स्टेविओल ग्लाइकोसाइड इसे अत्यधिक मीठा बनाते हैं, लेकिन यह शरीर में ग्लूकोज के स्तर को प्रभावित नहीं करता। यही कारण है कि यह मधुमेह रोगियों के लिए उपयुक्त विकल्प माना जाता है। 2018 में किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि स्टीविया के सेवन से 60 से 120 मिनट के भीतर ब्लड शुगर के स्तर में गिरावट देखी गई। यह प्रभाव इंसुलिन स्राव से पहले ही नजर आया। 2016 में किए गए एक अन्य शोध में यह स्पष्ट हुआ कि स्टीविया के सूखे पत्तों का पाउडर उपवास और भोजन के बाद ब्लड शुगर के स्तर को नियंत्रित रखने में मदद करता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि स्टीविया केवल ब्लड शुगर नियंत्रण में ही नहीं बल्कि अन्य स्वास्थ्य लाभ भी प्रदान करता है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट गुण शरीर को फ्री-रेडिकल्स से बचाने में मदद करते हैं। यह भूख को नियंत्रित करने के साथ-साथ मीठा खाने की इच्छा को भी कम करता है। शोध से यह भी सामने आया है कि स्टीविया ट्राइग्लिसराइड और कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम कर सकता है, जिससे हृदय रोगों का खतरा कम हो सकता है। अमेरिका में फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) ने स्टेवियोल ग्लाइकोसाइड को 'जनरली रिकग्नाइज्ड एज सेफ' यानी जीआरएएस का दर्जा दिया है।

शिकागो एयरपोर्ट पर बड़ा हादसा टला, पायलट की सूझबूझ से बची सैकड़ों जानें

शिकागो, 26 फरवरी (एजेंसियां)।

अमेरिका के शिकागो इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एक बड़ा विमान हादसा होते-होते टल गया। साउथवेस्ट एयरलाइंस का एक विमान जब लैंडिंग के लिए रनवे पर आ रहा था, तभी उसी रनवे पर एक जेट विमान टेक-ऑफ के लिए बढ़ रहा था। ऐन मौके पर पायलट की सूझबूझ से टकराव टल गया, और सैकड़ों यात्रियों की जान बच गई।

शिकागो एयरपोर्ट पर साउथवेस्ट एयरलाइंस के विमान के पायलट ने देखा कि रनवे पर पहले से एक जेट मौजूद है, उसने तेजी से लैंडिंग रोककर विमान को वापस आसमान में ऊपर उठा लिया। जब पायलट ने अचानक विमान को ऊपर उठाया, तो यात्रियों में हड़कंप मच गया। कई यात्रियों को पहले तो समझ ही नहीं आया कि क्या हो रहा है, लेकिन कुछ देर बाद जब उन्हें स्थिति का अंदाजा हुआ, तो उन्होंने पायलट की सूझबूझ की सराहना की। पायलट के इस निर्णय ने एक बड़ी दुर्घटना को रोक दिया।

साउथवेस्ट एयरलाइंस के प्रवक्ता ने कहा की फ्लाइट 2504 को सुरक्षित रूप से उतरी है। चालक दल ने एक अन्य विमान के रनवे पर आने के बाद संभावित टकराव से बचने के लिए सावधानी के तौर पर दोबारा उड़ान भरी। सभी सुरक्षा प्रक्रियाओं का पालन किया गया, और फ्लाइट बिना किसी घटना के लैंड हुई।

वायरल हुआ वीडियो

इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है कि सुबह 9 बजे के करीब जब साउथवेस्ट का विमान रनवे के पास आ रहा था, तभी उसने अचानक टेक-ऑफ कर लिया। ठीक उसी समय एक छोटा जेट रनवे पार कर रहा था, जिससे संभावित दुर्घटना हो सकती थी। गौरतलब है कि हाल ही में अमेरिका में कई विमान दुर्घटनाएं घटी हैं। जिसमें 6 फरवरी को अलास्का में एक कम्यूटर प्लेन क्रैश हुआ, जिसमें सभी 10 लोगों की मौत हो गई थी। इसके अलावा 26 जनवरी को वाशिंगटन के रोनाल्ड रीगन नेशनल एयरपोर्ट पर एक आर्मी हेलीकॉप्टर और अमेरिकन एयरलाइंस की फ्लाइट में टक्कर हुई, जिससे 67 यात्रियों की मौत हुई थी। इस घटना के बाद अमेरिका में एयर ट्रैफिक कंट्रोल की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं। रनवे पर दो विमानों की मौजूदगी कैसे हुई क्या एयर ट्रैफिक कंट्रोल की गलती से यह स्थिति बनी इस घटना की जांच जारी है।

चैंपियंस ट्रॉफी ग्रुप बी : सेमीफाइनल की दौड़ हुई बेहद रोमांचक!

नई दिल्ली, 26 फरवरी (एजेंसियां)।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के ग्रुप बी में सेमीफाइनल की जंग अब अपने चरम पर पहुंच गई है। हर टीम के लिए आगे का सफर जीत और नेट रन रेट (इन) पर निर्भर करता है, जिससे मुकाबले और भी रोमांचक हो गए हैं।

दक्षिण अफ्रीका की स्थिति मजबूत, लेकिन सावधानी जरूरी

दक्षिण अफ्रीका यदि इंग्लैंड को मात दे देता है, तो वह सीधे सेमीफाइनल में जगह बना सकता है और ग्रुप टॉप भी कर सकता है, बशर्ते उनका एनआरआर ऑस्ट्रेलिया से बेहतर रहे। हालांकि, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया दोनों अपने मैच जीतते हैं तो दक्षिण अफ्रीका के लिए इंग्लैंड से हार खतरनाक साबित हो सकती है।

ऑस्ट्रेलिया - जीत के साथ पक्की होगी सेमीफाइनल की टिकट

ऑस्ट्रेलिया ने अब तक शानदार खेल दिखाया है। यदि वे अफगानिस्तान को हरा देते हैं, तो सेमीफाइनल में उनकी जगह पक्की हो जाएगी। लेकिन हार की स्थिति में उन्हें इंग्लैंड के मुकाबलों के नतीजों पर निर्भर रहना होगा।

इंग्लैंड - हर हाल में चाहिए दो जीत!

इंग्लैंड के पास अब कोई विकल्प नहीं बचा है – सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए उन्हें अपने दोनों बचे हुए मैच जीतने होंगे। अच्छी खबर यह है कि उनके मुकाबलों में मौसम बाधा डालने की संभावना नहीं है, जिससे उन्हें पूरा मौका मिलेगा अपनी किस्मत बदलने का।

अफगानिस्तान - उम्मीदें बरकरार, लेकिन चुनौती बड़ी

अफगानिस्तान के लिए स्थिति मुश्किल जरूर है, लेकिन उम्मीदें अब भी जिंदा हैं। उन्हें क्वालीफाई करने के लिए इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया दोनों को हराना होगा। यदि इंग्लैंड को हराने के बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनका मैच बारिश से धुल जाता है, तो भी सेमीफाइनल की उम्मीद बनी रहेगी, लेकिन फिर एनआरआर अहम भूमिका निभाएगा।

सेमीफाइनल की रेस जबरदस्त मोड़ पर पहुंची

सेमीफाइनल की रेस अब जबरदस्त मोड़ पर है। क्या दक्षिण अफ्रीका अपनी बढ़त बनाए रखेगा क्या इंग्लैंड धमाकेदार वापसी करेगा या फिर अफगानिस्तान चमत्कार कर सेमीफाइनल में एंट्री लेगा इस हाई-वोल्टेज क्रिकेट ड्रामे का रोमांच अपने चरम पर है!

क्या कहता है समीकरण

- दक्षिण अफ्रीका को सेमीफाइनल में जाने के लिए कम से कम एक जीत जरूरी।
- ऑस्ट्रेलिया की राह आसान – बस अफगानिस्तान को हराना होगा।
- इंग्लैंड और अफगानिस्तान दोनों के लिए 'करो या मरो'सेमीफाइनल की स्थिति।
- नेट रन रेट हर टीम के लिए बेहद अहम होने वाला है।

न्यूज ब्रीफ

पोलैंड पुरुष हैंडबॉल टीम के मुख्य कोच मार्सिन लिजवेस्की पद से हटाए गए

वारसॉ। पोलिश हैंडबॉल एसोसिएशन (जेडपीआरपी) ने राष्ट्रीय पुरुष हैंडबॉल टीम के मुख्य कोच मार्सिन लिजवेस्की के साथ अपना अनुबंध समाप्त कर दिया है। जेडपीआरपी ने मंगलवार को इस निर्णय की घोषणा करते हुए बताया कि टीम के हालिया प्रदर्शन की गहन समीक्षा के बाद यह कदम उठाया गया। लिजवेस्की ने 29 मार्च, 2023 को पदभार संभाला था, जब उन्होंने पैट्रिक रोम्बेल की जगह ली थी। उनके नेतृत्व में टीम ने 28 मुकाबले खेले, जिनमें 15 में जीत, 10 में हार और 3 ड्रॉ रहे। हालांकि, जनवरी 2025 में आयोजित आईएचएफ पुरुष विश्व चैम्पियनशिप में टीम के 25वें स्थान पर रहने को देश में बड़ी निराशा के रूप में देखा गया, जिससे उनके भविष्य पर सवाल उठने लगे थे। जेडपीआरपी ने अपने आधिकारिक बयान में कहा, कोच मार्सिन लिजवेस्की के साथ सहयोग समाप्त करने का निर्णय उनकी कोचिंग के विस्तृत विश्लेषण के बाद लिया गया है। आगामी क्वालीफाइंग मैचों में टीम की कमान मौजूदा सहायक कोच माइकल स्कोर्सकी को सौंपी जाएगी। पोलैंड को मार्च में 2026 यूरोपीय पुरुष हैंडबॉल चैम्पियनशिप के क्वालीफायर में पुर्तगाल के खिलाफ दो अहम मुकाबले खेलने हैं। अब स्कोर्सकी की अगुवाई में टीम इन मैचों में बेहतर प्रदर्शन कर आगामी टूर्नामेंट के लिए मजबूत दावेदारी पेश करने की कोशिश करेगी।

सीबीए ऑल-स्टार गेमः गुओ ऐलुन की जगह लेंगे सन मिंगहुई

बीजिंग। झेजियांग लायंस के गार्ड सन मिंगहुई को 2025 सीबीए ऑल-स्टार गेम में टीम साउथ के लिए स्टार्टर के रूप में चुना गया है। वह गुओ ऐलुन की जगह लेंगे, जो चोट के कारण इस प्रतिष्ठित मुकाबले से बाहर हो गए हैं। चीनी बास्केटबॉल एसोसिएशन (सीबीए) ने इसकी आधिकारिक घोषणा कर दी है। गुआंगज़ौ लूंग लायंस के अनुभवी गार्ड गुओ ऐलुन को 17 फरवरी को एक इंट्रा-स्क्वाड स्क्रिमेज के दौरान दाहिनी आंख में गंभीर चोट लगी थी। टीम अधिकारियों ने बताया कि उनकी सर्जरी सफल रही है और वह फिलहाल पुनर्वास प्रक्रिया से गुजर रहे हैं। हालांकि, उनकी वापसी की कोई निश्चित समयसीमा तय नहीं की गई है। इस साल का सीबीए ऑल-स्टार वीकेंड 28 फरवरी से 2 मार्च तक चांगचुन, जिलिन प्रांत में आयोजित किया जाएगा।

नई स्कोरिंग प्रणाली शुरु करेगा विश्व बैडमिंटन विश्व महासंघ

नई दिल्ली। विश्व बैडमिंटन विश्व महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) अब इसी साल अप्रैल से कुछ प्रतियोगिताओं में परीक्षण के लिए नई स्कोरिंग प्रणाली शुरु कर सकता है। बीडब्ल्यूएफ परिषद ने इससे पहले नवंबर में कुआलालंपुर में अपनी बैठक के दौरान वर्तमान स्कोरिंग प्रणाली को बदलने के लिए 15 अंक के तीन गेम की स्कोरिंग प्रणाली शुरु करने को कहा था। बीडब्ल्यूएफ ने कहा, ''बीडब्ल्यूएफ परिषद ने अप्रैल से सितंबर-अक्टूबर 2025 तक कुछ महाद्वीपीय चैंपियनशिप, ग्रेड 3 टूर्नामेंट, राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय लीग व राष्ट्रीय टूर्नामेंट में 15 अंक के 3 गेम प्रणाली का व्यावहारिक परीक्षण करने की योजना बनाई है। इसका लक्ष्य खेल के प्रति नए दर्शकों को आकर्षित करने के साथ ही मैचों को कम समय का करना है। बीडब्ल्यूएफ अप्रैल से कम से कम 6 महीनों के लिए कुछ प्रतियोगिताओं में 15 अंक के 3 गेम की स्कोरिंग प्रणाली शुरु करेगा। अभी वर्तमान में 21 अंक के 'बेस्ट ऑफ थ्री गेम' की प्रणाली है। इसमें 2 गेम जीतने वाला विजेता होता है। गौरतलब है कि अंतरराष्ट्रीय चैलेंज व सीरीज और फ्यूचर सीरीज प्रतियोगिता ग्रेड 3 टूर्नामेंट के अंतर्गत आती हैं। नई प्रणाली के चुनाव के पीछे के कारणों को समझाते हुए बीडब्ल्यूएफ ने कहा, ''मौजूदा प्रणाली की तुलना में 15 अंक के 3 गेम में कम अंक होते हैं जिससे यह संभावना बढ़ जाती है कि प्रत्येक अंक अधिक रोमांचक होगा। मौजूदा प्रणाली की तुलना में 15 अंक के 3 गेम में परिणाम तेजी से निकलता है और प्रत्येक गेम व कुल गेम की संख्या दोनों में उत्साह का अच्छा संतुलन बनाता है।''

अफगानिस्तान ने एक बार फिर किया बड़ा उलटफेर
चैंपियंस ट्रॉफी से एक और हार के बाद इंग्लैंड बाहर

लाहौर, 26 फरवरी (एजेंसियां)।

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में बड़ा उलटफेर करते हुए अफगानिस्तान की टीम इंग्लैंड को रोमांचक मुकाबले में रन से 8 हरा दिया। चैंपियंस ट्रॉफी में इस जीत के साथ ही अफगानिस्तान ने सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदों को बरकरार रखा है। मैच में अफगानिस्तान की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए करते हुए निर्धारित 50 ओवर के खेल में 325 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया था। इसके जवाब में इंग्लैंड की टीम जो रूट की शतकीय पारी के बावजूद 49.5 ओवर में 317 रन बनाकर सिमट गई। आईसीसी वनडे विश्व कप 2023 के बाद यह दूसरी बार है जब अफगानिस्तान की टीम ने इंग्लैंड को आईसीसी इवेंट में हराया है।अफगानिस्तान की इस जीत में टीम के मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज इब्राहिम जादरान और अजमतुल्लाह ओमारजई हीरो रहे। जादरान ने टीम के लिए रिकॉर्ड 177 रनों की पारी खेली। अफगानिस्तान के लिए उन्होंने 143 गेंद की पारी में 12 चौके और 6 छक्के भी लगाए जादरान की यह पारी आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी का सबसे बड़ा निजी स्कोर भी बना है। जादरान के अलावा अफगानिस्तान के लिए ओमरजई ने अपना पंजा खोलकर इंग्लैंड को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया।इंग्लैंड के लिए इस मुकाबले जो रूट ने लक्ष्य का पीछा करते हुए 120 रनों की दमदार पारी खेली। रूट ने 98 गेंद में अपना शतक भी पूरा किया था। आईसीसी इवेंट में जो रूट का यह 5वां शतक था। वहीं वनडे करियर में रूट का यह 17वां शतक था। रूट ने 120 रनों की सघर्षपूर्ण पारी खेलकर अपना विकेट गंवाया। रूट के विकेट का लिकेट अफगानिस्तान के लिए मैच का टर्निंग पॉइंट साबित हो गया। रूट के विकेट बाद ही इंग्लैंड की अफगानिस्तान के सामने आसानी से सरेंडर कर दिया।इंग्लैंड के लिए जो रूट जब तक क्रीज पर थे मैच उसके पक्ष में था, लेकिन अजमत ने जैसे उन्हें गुरबाज के हाथों कैच आउट कराया मैच पूरी तरह से अफगानिस्तान की तरफ शिफ्ट हो गया। रूट के आउट होने के बाद जैमी ओवरटर्न जो की आखिरी उम्मीद के रूप में क्रीज पर खड़े थे उन्होंने भी बड़ी हिट लगाने की कोशिश में अपना विकेट फेंक दिया। इस तरह करारी हार के साथ ही इंग्लैंड की टीम के लिए सेमीफाइनल के लिए रास्ते बंद हो गए।इंग्लैंड के खिलाफ इस मुकाबले में अफगानिस्तान के गेंदबाजों ने बाजी पलटने का काम किया। एक समय जब ऐसा लग रहा था कि जो रूट अफगानिस्तान से मैच को छीन लेगा तब अजमतुल्लाह ने विकेट लेकर खेल को पलट दिया। अजमत ने मैच में 5 महत्वपूर्ण विकेट हासिल किए। अजमत ने अफगानिस्तान के लिए हर उस मोमेंट पर विकेट हासिल किया जहां से इंग्लैंड मैच में अपनी पकड़ को मजबूत कर रहा था। इसके अलावा टीम के लिए स्पिनर मोहम्मद नबी ने भी 2 झटके। नबी हालांकि, महंगे साबित रहे, लेकिन शुरू में जिस तरह से उन्होंने सफलता दिलाई वह टीम के काम आ गई। इसके अलावा राशिद खान और गुलबदीन नईब ने भी अफगानिस्तान की तरफ महत्वपूर्ण 1-1 विकेट हासिल किए।

जिला रैंकिंग बैडमिंटन प्रतियोगिता

मन, चंद्रकांत और तनिष्क दो वर्गों के फाइनल में पहुंचे

इन्दौर, 26 फरवरी (एजेंसियां)।

रिद्धिमा, अर्ना, गिरिजा, तिविशा, सिद्धांत, अदवैत, हर्षवर्धन, पहल, भव्या, तीर्थ, अशांक भी फाइनल में पहुंचे

अमेच्योर बैडमिंटन एकेडमी द्वारा इन्दौर जिला बैडमिंटन संगठन तहत आयोजित अम्बाराम प्रजापति स्मृति खुली इन्दौर जिला मिनी और सब जूनियर दूसरी रैंकिंग बैडमिंटन स्पर्धा में सरताज अकादमी के मन बडजत्या और ओलम्पस के चंद्रकांत विश्वकर्मा ने 13 वर्ष बालक एकल और युगल एवं इन्दौर बैडमिंटन क्लब के तनिष्क राजपूत ने 15 वर्ष बालक एकल और युगल के फाइनल में जगह बनाई। अर्ना बतरा और रिद्धिमा सूद 15 वर्ष बालिका एवं गिरिजा जाधव और तिविशा जैन 13 वर्ष बालिका एकल फाइनल में हैं। अदवैत पाटीदार और हर्षवर्धन सिंह राजपूत 11 वर्ष बालक एवं पहल चढोकर और भव्या जैन 11 वर्ष बालिका फाइनल में आए। 15 वर्ष बालक एकल में सिद्धांत धुर्वे भी फाइनल में हैं। तीर्थ गोयल और अशांक मिश्रा 13वर्ष बालक युगल, आर्यन बल और अरहम जैन 15 वर्ष बालक युगल के फाइनल में हैं। अमेच्योर बैडमिंटन एकेडमी में हो रही स्पर्धा में 13 वर्ष बालक एकल के सेमीफाइनल में पहले क्रम के मन बडजत्या ने अदवैत पाटीदार को 21-17, 21-18 से हराया। चंद्रकांत विश्वकर्मा ने दूसरे क्रम के अयांश रघुवंशी को 45 मिनट के संघर्ष में 17-21, 21-8, 21-16 से हराकर उलटफेर किया। 13 वर्ष बालक युगल के सेमीफाइनल में पहले क्रम के मन बडजत्या और चंद्रकांत विश्वकर्मा ने अरिन्जय कृष्ण बिंजु और हार्दिक राजानी को 21-5, 21-4 से पराजित किया। सरताज अकादमी के तीर्थ गोयल और अशांक मिश्रा ने दूसरे क्रम के अदवैत पाटीदार और प्रनम्य तारे को 21-14, 21-23, 21-14 से हराकर उलटफेर किया।

15 वर्ष बालक एकल के सेमीफाइनल में सिद्धांत धुर्वे ने मन बडजत्या को 21-8, 21-14 से और पहले क्रम के तनिष्क राजपूत ने आर्यन बल को 19-21, 21-18, 21-15 से हराया। 15 वर्ष बालक युगल के सेमीफाइनल में तनिष्क राजपूत और अयांश रघुवंशी ने अंशज अलोने और दर्श निहालचंदानी को 21-10, 21-17 से एवं आर्यन बल और अरहम जैन ने भव्य चढोकर और शौर्य प्रताप सिंह को 21-19, 19-21, 21-15 से पराजित किया। 15 वर्ष बालिका एकल सेमीफाइनल में रिद्धिमा सूद ने दूसरे क्रम की गिरिजा जाधव को 14-21, 21-10, 21-10 से हराकर उलटफेर किया।

मई में इंग्लैंड दौरे पर जाएगी इंडिया-ए टीम

मुम्बई। इंडिया-ए टीम आईपीएल 2025 के बाद तीन 4-दिवसीय मैचों के लिए इंग्लैंड जाएगी। इस दौरे में उसका मुकाबला इंग्लैंड लायंस की टीम से होगा। इससे इसमें शामिल खिलाड़ियों के पास बेहतर प्रदर्शन कर जून में होने वाले भारतीय टीम के टेस्ट दौरे के लिए अपना दावा पेश करने का अच्छा अवसर होगा। इंडिया ए की टीम यह दौरा 25 मई से 20 जून के बीच चल सकता है, हालांकि अभी इसकी तारीखों की घोषणा नहीं हुई है। 25 मई को आईपीएल का फ़ाइनल मुक़ाबला होगा, जबकि 20 जून से टेस्ट सीरीज़ की शुरुआत होगी। भारतीय बल्लेबाज़ टेस्ट मैचों के अलावा मुश्किल से ही कोई लाल गेंद की क्रिकेट खेलते हैं। भारतीय टीम के बल्लेबाज जिस प्रकार से न्यूज़ीलैंड के ख़िलाफ़ घरेलू सीरीज़ के अलावा बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफ़ी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विफल रहे हैं। ऐसे में हो सकता है कि कुछ नियमित टेस्ट खिलाड़ी भी इस इंडिया ए के दौरे पर जाएं। भारत-इंग्लैंड एकदिवसीय सीरीज़ शुरू होने से पहले एक रणजी ट्रॉफ़ी मुक़ाबला है, जहां ये बल्लेबाज़ लाल गेंद की क्रिकेट का अभ्यास कर सकते हैं। बीसीसीआई ने अपने बल्लेबाज़ों को संदेश दिया है कि वह इस सीरीज़ को चयन का एक पैमाना मानें। पिछले साल जब इंग्लैंड लायंस की टीम भारत आई थी तो सरफ़राज़ ख़ान, ध्रुव जुरेल, प्रसिद्ध कृष्णा और आकाश दीप जैसे खिलाड़ियो ने इंडिया ए की ओर से खेला था। वहीं इसके बाद इन्हें राष्ट्रीय टीम से खेलने का अवसर मिला है।

रिजवान, बाबर सहित इन खिलाड़ियों को बाहर कर सकता है पीसीब

आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट में टीम के खराब प्रदर्शन से नाराज पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड

लाहौर, 26 फरवरी (एजेंसियां)।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट में टीम के खराब प्रदर्शन से बेहद नाराज है और ये तय है कि वह टूर्नामेंट समाप्त होनेके बाद करीब पांच बड़े खिलाड़ियों को बाहर कर सकता है। जिन बड़े खिलाड़ियों को बाहर किया जा सकता है उनमें कप्तान मोहम्मद रिजवान के अलावा अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम भी शामिल हैं। पीसीबी को 29 साल के लंबे इंतजार के बाद मेजबानी मिली थी पर इन खिलाड़ियों के खराब प्रदर्शन के कारण टीम शुरुआत में ही बाहर हो रही है। इससे क्रिकेट प्रशंसक बेहद गुस्से में हैं। पाकिस्तान को पहले न्यूजीलैंड और फिर भारतीय टीम के खिलाफ करारी हार का सामना करना पड़ा। टीम के खराब प्रदर्शन की गाज सबसे पहले रिजवान पर गिरेगी। उनकी बल्लेबाजी और कप्तान बेकार रही। वह सही प्रकार की अंतिम ग्यारह भी नहीं उतार पाये जिससे उनकी कप्तानी पर भी सवाल उठे हैं। वहीं बल्लेबाजी में वह के न्यूजीलैंड के खिलाफ 3 रन बनाए और भारत के खिलाफ 46 रन बनाए। कीवी टीम के खिलाफ उनका स्ट्राइक रेट करीब 22 का था और भारत के खिलाफ 59 का। ऐसे में उनकी कप्तानी और जगह खतरे में है। वहीं स्टार बल्लेबाज बाबर की बात करें तो पिछले कुछ समय में पाकिस्तान की टीम के खराब प्रदर्शन के लिए वह भी काफी हद तक जिम्मेदार रहे हें। वह भारत के खिलाफ मैच में 30 रन भी नहीं बना पाये। वहीं न्यूजीलैंड के खिलाफ उन्होंने बेहद धीमी पारी खेली जिससे टीम के लिए लक्ष्य तक पहुंचना असंभव हो गया ।ये भी आरोप लगे हैं कि बाबर टीम से ज्यादा अपने लिए खेलते हैं। इसके अलावा तेजे गेंदबाज हारिस रऊफ भी बोर्ड के निशाने पर हैं। रऊफ आज से दो-तीन साल पहले तक बड़े खतरनाक तेज गेंदबाज माने जाते थे पर अब वह सबसे अधिक रन लुटाते हैं। वह हर मैच में करीब 8 की रन रेट से रन लुटाते हैं। वहीं काफी कम विकेट लेते हैं।

राउफ के अलावा एक अन्य तेज गेंदबाज नसीम शाह को भी बाहर किया जा सकता है। चैंपियंस ट्रॉफी के पहले मैच में न्यूजीलैंड के खिलाफ नसीम को एक विकेट मिला, वहीं भारत के खिलाफ उन्हें एक भी विकेट नहीं मिला। उनकी गेंदबाजी बेहद साधारण रहीं। स्विंग और रफ्तार नहीं होने से अब वह टीम के लिए उपयोगी नहीं रहे। इसके अलावा नये बल्लेबाज तैयब ताहिर को तेजी से रन बनाने के लिए टीम में जगह दी गई थी पर वह इसमें विफल रहे ।न्यूजीलैंड के खिलाफ वह 1 रन जबकि भारत के खिलाफ केवल 4 रन ही बना पाये।

न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबले में शमी की जगह पर सिपनर शामिल करे भारतीय टीम : गॉफ

लंदन, 26 फरवरी (एजेंसियां)।

इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज डेरेन गॉफ ने कहा है कि आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में 2 मार्च को न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले मैच में भारतीय टीम अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को नहीं उतारे और उन्हें आराम दे। भारतीय टीम बांग्लादेश और पाकिस्तान को हराकर पहले ही सेमीफाइनल में पहुंच गयी है। ऐसे में 2 मार्च को न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाला मैच औपचारिक है जिसे देखते हुए गॉफ का मानना है कि न्यूजीलैंड के खिलाफ शमी को आराम देना ठीक रहेगा। इससे वह आगे के मुकाबलों के लिए फिट रहेंगे। गॉफ के अनुसार शमी की जगह अंतिम ग्यारह में किसी स्पिनर को शामिल किया जा सकता है।

गॉफ ने कहा कि भारतीय टीम प्रबंधन शमी को न्यूजीलैंड के खिलाफ आराम इसलिए भी दे सकती है जिससे कि वह किसी भी प्रकार से चोटिल न हो। पाकिस्तान के खिलाफ मैच में शमी को तीन ओवरों के बाद ही मैदान से बाहर जाना पड़ा था। तब ये कहा गया था कि उनके घुटने का दर्द उभरा है। हालांकि मैच के बाद श्रेयस अय्यर ने कहा था कि शमी पूरी तरह फिट हैं। गॉफ का मानना है कि भारतीय टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ शमी की जगह किसी स्पिनर के साथ उतरना चाहिए, क्योंकि इस पिच पर स्पिनरों को सहायता मिलती है। गॉफ ने कहा कि लाहौर में पिच सपाट है पर दुबई की पिच धीमी हैं। इसलिए लिहाजा, आप अतिरिक्त स्पिनर रख सकते हैं। हमने देखा कि हार्दिक पांड्या अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं।. मेरा मानना है कि न्यूजीलैंड के खिलाफ पांड्या को आराम दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम बहुत मजबूत टीम है, मैं यह बात पक्के तौर पर कह सकता हूं।

बटलर बोले खेल उम्मीद जगाते हैं , इस कारण अफगानिस्तान से मैच का बहिष्कार नहीं किया, तालिबान में महिलाओं की खराब हालत पर हैं बेहद दुखी

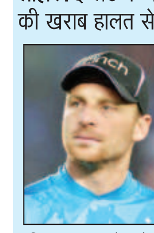

लाहौर। इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर ने कहा कि वह और उनकी टीम के साथी अफगानिस्तान में महिलाओं की खराब हालत से दुखी हैं पर वह चैम्पियंस ट्रॉफी में अफगान टीम के खिलाफ इसलिए खेलने को तैयार हुए क्योंकि खेलों से ही कठिन समय में बदलाव की उम्मीद रहती है। इससे पहले माना जा रहा था कि इंग्लैंड टीम तालिबान शासन में महिलाओं पर लगी पाबंदी के विरोध में अफगान टीम के खिलाफ खेलने से इंकार कर सकती है। साल 2021 में अफगानिस्तान की सत्ता पर कब्जे के बाद से ही तालिबान शासन ने महिलाओं के खेलों में भाग लेने पर प्रतिबंध लगा दिया था। इसी कारण पिछले महीने ब्रिटिश सांसदों के एक समूह ने इंग्लैंड क्रिकेट टीम से महिलाओं के साथ किए जा रहे व्यवहार के विरोध में अफगानिस्तान की टीम के खिलाफ चैंपियन्स ट्रॉफी के मैच का बहिष्कार करने को कहा था। बटलर से पूछा गया कि वह और उनकी टीम मुकाबले के लिए किस प्रकार तैयार हुई तो बटलर ने कहा कि मैं बहुत से विशेषज्ञों से बहुत सी सलाह ले रहा हूं। मुझे लगता है कि इसका श्रेय ईसीबी को जाना चाहिए – वे मेरा और सभी खिलाड़ियों का बहुत-बहुत समर्थन करते रहे हैं और हमें इस बारे में जानकारी और शिक्षा देते रहे हैं और इसे ईसीबी का फैसला बनाते रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम इस समय अफगानिस्तान में महिलाओं और लड़कियों की खराब हालत से दुखी हैं पर हमें उम्मीद है कि मैच इस समय वहां के लोगों के लिए कठिन समय में आशा और आनंद का जरिया बन सकता है।

कुछ लोकप्रिय कारों को वापस बुलाएगी मर्सिडीज

नई दिल्ली, 26 फरवरी (एजेंसियां)।

लग्जरी कारें बनाने वाली कंपनी मर्सिडीज ने भारत में अपनी कुछ लोकप्रिय कारों को वापस बुलाने का फैसला किया है। इनमें ई-क्लास और सी-क्लास सेडान शामिल हैं, जिन्हें इंजन कंट्रोल यूनिट (ईसीयू) सॉफ्टवेयर की खराबी के चलते रिकॉल किया गया है।

इसके अलावा, जीएलसी, जी-क्लास एसयूवी, एस-क्लास, एएमजी जीटी और एएमजी ई 63 को भी एक अलग समस्या के कारण वापस बुलाया गया है। मर्सिडीज ने 29 अप्रैल 2022 से 20 अगस्त 2024 के बीच निर्मित 2,543 ई-क्लास मॉडल और 31 अगस्त 2021 से 31 अक्टूबर 2021 के बीच बनी 3 सी-क्लास मॉडल को वापस बुलाया है। कंपनी ने प्रभावित ग्राहकों को सलाह दी है कि वे जल्द से जल्द अपनी कारों को नजदीकी मर्सिडीज सर्विस सेंटर पर ले जाकर जांच करवाएं, ताकि किसी संभावित समस्या से बचा जा सके। सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स के अनुसार, इन कारों के ईसीयू सॉफ्टवेयर में गड़बड़ी पाई गई है। यह खराबी पेट्रोल इंजन के ईंधन इंजेक्शन को निष्क्रिय कर सकती है, खासकर जब वाहन सेलिंग मोड से बाहर निकलता है। 'सेलिंग मोड' एक ऐसी विशेषता है जो एक्सीलेटर से पैर हटाने पर कार को अधिक स्वाभाविक रूप से आगे बढ़ने देती है, जिससे ईंधन की खपत कम होती है। हालांकि, सॉफ्टवेयर की इस गड़बड़ी के चलते ईंधन इंजेक्शन अचानक बंद हो सकता है, जिससे कार बिना किसी चेतावनी के कंट्रोल खो सकती है और दुर्घटना का खतरा बढ़ सकता है। मर्सिडीज-बेंज ने बयान जारी कर कहा है कि प्रभावित कारों के मालिकों को जल्द से जल्द सर्विस सेंटर पर जाकर जांच करवानी चाहिए। कंपनी इस समस्या को मुफ्त में ठीक करेगी, ताकि ग्राहकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। मर्सिडीज की यह रिकॉल प्रक्रिया वैश्विक स्तर पर हो रही है, जिसमें भारत भी शामिल है। कंपनी ग्राहकों को व्यक्तिगत रूप से सूचित कर रही है और समस्या का समाधान जल्द से जल्द करने का प्रयास कर रही है। अगर आपकी मर्सिडीज ई-क्लास या सी-क्लास मॉडल उपरोक्त समयावधि में निर्मित हुई है, तो तुरंत नजदीकी अधिकृत सर्विस सेंटर पर जाकर चेकअप करवाएं।

न्यूज ब्रीफ

टीवीएस मोटर ने की नई टीवीएस रोनिन 2025 एडिशन लॉन्च

नई दिल्ली। बाइक निर्माता कंपनी टीवीएस मोटर ने नई टीवीएस रोनिन 2025 एडिशन को लॉन्च किया है।

कंपनी ने इसी बाइक की शुरुआती कीमत 1.59 लाख रुपये रखी है। इस बाइक में शक्तिशाली 225.9सीसी इंजन लगा है, जो 7,750 आरपीएम पर 20.4 पीएस और 3,750 आरपीएम पर 19.93 एनएम का टॉर्क देता है। रेट्रो लुक वाली यह मोटरसाइकिल अब दो नए कलर ग्लेशियर सिल्वर और चारकोल एम्बर में उपलब्ध होगा। नए रंगों के साथ, नई रोनिन डुअल चैनल एबीएस से लैस है।लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, टीवीएस मोटर कंपनी के हेड बिजनेस-प्रीमियम, विमल सुंबली ने कहा कि टीवीएस रोनिनने देश में आधुनिक-रेट्रो मोटरसाइकिलिंग को फिर से परिभाषित किया है। 2025 एडिशन के साथ, हम बेहतरीन रंगों के साथ-साथ बेहतर सुरक्षा सुविधाओं के साथ नए मॉडल लेकर आए हैं और अपने ग्राहकों के लिए इस नए मॉडल को लाने के लिए उत्साहित हैं। कंपनी का दावा है कि यह बाइक 40.77 किमी/लीटर तक का माइलेज देती है। बाइक में रेट्रो एस्थैटिक तो दिया ही है, साथ में कटिंग एज टेक्नोलॉजी और बेहतरीन राइडिंग का भी सपोर्ट मिलता है। दो नए कलर्स के साथ इस बाइक में इस बार डुअल चैनल एबीएस दिया गया है। मिड वेरिएंट में यह फीचर दिया गया है। टीवीएस रोनिम का सीधा मुकाबला रॉयल एनफील्ड हंटर 350 से है। हंटर 350 एक दमदार बाइक है।टीवीएस रोनिन का डिजाइन रेट्रो और मॉर्डन का मेल है। इसमें मस्कुलर गोल एलईडी हेडलैंप, टी-आकार का एलईडी डीआरएल, स्लीक टेल सेक्शन और बड़ा, स्कल्प्टेड फ्यूल टैंक दिया गया है। यह 5-स्पीड गियरबॉक्स के साथ आता है, जिसमें असिस्ट और स्लिपर क्लच शामिल है।

गेनबिटकॉइन मामले में 60 जगहों पर सीबीआई छापा, क्रिप्टो के नाम पर 6600 करोड़ की गडबड़ी के आरोप

नई दिल्ली। सीबीआई ने 6,600 करोड़ रुपये के गेनबिटकॉइन क्रिप्टोकरेंसी घोटाले की जांच के तहत मंगलवार को देश भर में 60 जगहों पर एक साथ छापेमारी की। जांच एजेंसी ने एक बयान बताया कि दिल्ली एनसीआर, पुणे, चंडीगढ़, नांदेड़, कोल्हापुर और बेंगलुरु सहित कई शहरों में छापेमारी की गई, इस दौरान कथित तौर पर प्रमुख आरोपियों से जुड़े परिसरों की तलाशी ली गई। कैसे की गई क्रिप्टोकरेंसी के नाम पर गड़बड़ी अधिकारियों ने बताया कि सहित कई अन्य प्लेटफार्म्स के जरिए किए गए इस पोंजी घोटाले की कथित तौर पर अमित भारद्वाज (अब दिवंगत) और उसके भाई अजय भारद्वाज ने साजिश रची थी। उन्होंने बताया कि 2015 में शुरू किया गया यह अवैध कारोबार वेरिएबलटेक प्राइवेट लिमिटेड के नाम से चल रहा था। केंद्रीय एजेंसी ने कहा कि इस योजना के तहत निवेशकों को 18 महीने की अवधि में बिटकॉइन पर प्रति माह 10 प्रतिशत का असाधारण रिटर्न देने का लालच दिया गया और उन्हें बाहरी एक्सचेंजों से डिजिटल मुद्रा खरीदने और क्लाउड माइनिंग अनुबंधों के माध्यम से इसे गेन बिटकॉइन में जमा करने के लिए कहा गया। प्रवक्ता ने कहा, यह मॉडल बहु-स्तरीय विपणन (एमएलएम) के आधार पर काम कर रहा था, जो सामान्यतः पिरामिड जैसी पोंजी योजनाओं से जुड़ा होता है, जहां भुगतान नए निवेशकों को जोड़ने पर निर्भर होता है।

सोयाबीन के दामों में ऐतिहासिक गिरावट सोपा ने नेफेड की नीलामी रोकने की उठाई मांग

इन्दौर। देशभर के सोयाबीन किसान इन दिनों गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं, क्योंकि बाजार में सोयाबीन की कीमतें न्यूनतम समर्थन मूल्य से काफी नीचे पहुंच गई हैं। सोयाबीन प्रोसेसर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने इस गंभीर स्थिति पर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान का ध्यान आकर्षित करते हुए त्वरित हस्तक्षेप की मांग की है। सोपा के चेयरमेन डॉ. डेविश जैन द्वारा भेजे गए पत्र में बताया गया है कि वर्तमान में सोयाबीन की कीमतें महज 3900 से 4100 रुपये प्रति क्विंटल पर सिमट गई हैं, जबकि सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य 4892 रुपये प्रति क्विंटल है। किसानों को इस भारी नुकसान से उबारने के लिए सोयाबीन प्रोसेसर्स एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया ने सरकार से ठोस कदम उठाने की मांग की है।

दिसंबर तिमाही में औसतन 10% बढ़े घरों के दाम दिल्ली-एनसीआर में सर्वाधिक 31% की वृद्धि

नई दिल्ली, 26 फरवरी (एजेंसियां)।

मजबूत मांग और कच्चे माल की उच्च लागत के कारण देश के आठ प्रमुख शहरों में दिसंबर, 2024 तिमाही में घरों के दाम सालाना आधार पर औसतन 10 फीसदी बढ़े हैं। दिल्ली-एनसीआर में कीमतें सबसे ज्यादा 31 फीसदी बढ़ी हैं। रियल एस्टेट निकाय क्रेडाई, सलाहकार फर्म कोलियर्स और डाटा विश्लेषक लियासेस फोरास की मंगलवार को जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि दिलचस्प बात है कि 2021 से शुरू होकर लगातार 16वीं तिमाही में मकानों की औसत कीमतें बढ़ रही हैं।

क्रेडाई के राष्ट्रीय अध्यक्ष बोमन ईरानी ने कहा, आवासीय कीमतों में निरंतर वृद्धि खरीदारों के बीच मजबूत आत्मविश्वास को दर्शाती है। हालांकि, निर्माण और भूमि अधिग्रहण की बढ़ती लागत मूल्य निर्धारण पर दबाव बना रही है।

कर्ज दरें घटने से बिक्री में उछाल संभव - कोलियर्स इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) बादल याग्निक ने कहा, आरबीआई के रेपो दर में कटौती के बाद से होम लोन की ब्याज दरों और कमी की गुंजाइश है।इससे अधिकतर शहरों में सभी श्रेणियों में आवासीय बिक्री बढ़ने की उम्मीद है। 2025 में औसत आवासीय कीमतें सालाना आधार पर संभावित रूप से समान स्तर पर बढ़ सकती हैं।

इन शहरों में भी तेजी - दिल्ली-एनसीआर में आवासीय कीमतें बढ़कर 11,993 रुपये प्रति वर्गफीट पहुंच गईं इसके बाद बंगलूरू में दाम दिसंबर तिमाही में 23 फीसदी बढ़कर 12,238 रुपये प्रति वर्गफीट पहुंच गए। अहमदाबाद में दाम औसतन 15 फीसदी बढ़े हैं। पुणे में 9 फीसदी व चेन्नई में 6 फीसदी की वृद्धि। मुंबईमहानगर क्षेत्र में मकानों की औसत कीमतें दिसंबर तिमाही के दौरान सालाना आधार पर तीन फीसदी, हैदराबाद में दो फीसदी और कोलकाता में एक फीसदी बढ़ी हैं।

चिटफंड घोटाला: पीड़ितों को पैसा लौटाएगी सरकार, ईडी ने जब्त की 3339 करोड़ की संपत्तियां, 32 लाख लोगों को राहत

नई दिल्ली। एग्री गोल्ड ग्रुप ऑफ कंपनीज की पोंजी योजनाओं में अपनी गाढ़ी कमाई गंवाने वाले पीड़ितों के लिए राहत की खबर है। सरकार उन्हें उनकी रकम लौटाएगी। इसके लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एग्री गोल्ड ग्रुप ऑफ कंपनीज की 3,339 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की है। इन संपत्तियों का बाजार मूल्य 6,000 करोड़ रुपये से अधिक बताया जा रहा है। इससे साफ है कि जितनी राशि का चिटफंड घोटाला था, करीब उतनी राशि की संपत्ति ईडी ने जब्त कर ली है। इस कार्रवाई से करीब 32 लाख पीड़ितों को राहत मिलने की उम्मीद है। ईडी के मुताबिक, मामले में आरोपियों ने आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा, महाराष्ट्र व तमिलनाडु सहित नौ राज्यों में 6,380 करोड़ रुपये के चिटफंड घोटाले को अंजाम दिया था। इसमें लोगों को निवेश के बदले कई गुना अधिक रकम देने का झांसा देकर फंसाया जा रहा था। 150 शैल कंपनियों के जरिये करोड़ों का लेनदेन ईडी का कहना है, चिटफंड घोटाले में एग्री गोल्ड ग्रुप के अववा वेंकट रामा राव के परिवार के कई सदस्यों की भूमिका संदिग्ध है। शुरुआती जांच में उसके सातों भाइयों के नाम घोटाले से जुड़ रहे थे। जांच में पता चला है कि एग्री गोल्ड ग्रुप ने चिटफंड घोटाले को अंजाम देने से पहले करीब 150 से ज्यादा शैल कंपनियां बनाईं और उनके जरिये करोड़ों रुपये का लेनदेन किया।

आईक्यू नियो 10आर की कीमत और फीचर्स को लेकर अटकलें तेज

नई दिल्ली, 26 फरवरी (एजेंसियां)।

आईक्यू नियो 10आर भारतीय बाजार में 10 मार्च को लॉन्च किया जाएगा। इस खबर की आईक्यू इंडिया के सीईओ निपुन मार्या ने पुष्टि कर दी । लॉन्च डेट कंफर्म होने के साथ ही इसकी संभावित कीमत और फीचर्स को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं।

आईक्यू नियो 10आर लॉन्च के बाद अमेजन इंडिया औरआईक्यू की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध होगा। इच्छुक ग्राहक इस इवेंट को एक्स (पूर्व में ट्विटर), फेसबुक और यूट्यूब पर लाइव देख सकते हैं। टिप्सटर्स के अनुसार, 12 जीबी रैम और 256जीबी स्टोरेज वाले वेरिएंट की कीमत लगभग रुपए 35,999 हो सकती है, जबकि बैंक और एक्सचेंज ऑफर्स के साथ इसकी कीमत रुपए 30,000 तक आ सकती है। फोन में स्नैपड्रेगन 8एस जेन 3 चिपसेट होगा, जो इसे गेमिंग और मल्टीटास्किंग के लिए बेहतरीन विकल्प बना सकता है। यह प्रोसेसर रियलमी जीटी 6, शाओमी 14 सीवी और पोको एफ6 जैसे फ्लैगशिप फोनों में भी देखा गया है। इसके अलावा, फोन में 1.5के ओलेड डिस्प्ले होगा, जिसका रिफ्रेश रेट 144एचझेड होगा, जिससे गेमिंग और स्क्रॉलिंग का अनुभव बेहद स्मूथ होगा।

कैमरे की बात करें तो इसमें ओआईएस के साथ 50एमपी का प्राइमरी कैमरा और 8एमपी का अल्ट्रा-वाइड लेंस होगा। बैटरी की क्षमता 6,400 एमएएच बताई जा रही है, जो 80वॉट की फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करेगी। आईक्यू द्वारा जारी टीजर में फोन का ब्लू वेरिएंट नजर आया है, जिसमें डुअल-टोन रियर पैनल देखा जा सकता है। शानदार डिजाइन, दमदार प्रोसेसर और बेहतरीन बैटरी बैकअप के साथ यह फोन गेमिंग और हाई-परफॉर्मेंस यूजर्स के लिए एक बढ़िया विकल्प साबित हो सकता है।

चाय प्वाइंट कारोबार बढ़ाने के लिए आईपीओ लाने की तैयारी में

लोकप्रिय चाय कैफे चेन चाय प्वाइंट अपने इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) लाने की तैयारी कर रही है। कंपनी के को-फाउंडर तरुण खन्ना ने कहा कि कंपनी की 2026 के मध्य तक शेयर बाजार में लिस्ट होने की योजना है। चाय प्वाइंट ने हाल ही में प्रयागराज में महाकुंभ मेले के दौरान काफी लोकप्रियता हासिल की और कई मुख्य दिनों पर इसकी दुकानों से एक दिन में एक लाख कप चाय तक बेची गई। चाय प्वाइंट के गठन का विचार 2009 में खन्ना को अपने छात्र अमूलीक सिंह बिजराल के साथ मुंबई के एक कैफे में गर्म चाय की चुस्की लेते समय आया था। हार्वर्ड विश्वविद्यालय में प्रोफेसर खन्ना ने कहा, 'सड़क के किनारे एक छोटा लड़का ग्राहकों को प्लास्टिक के कप में चाय बेच रहा था। ऐसे 'छोटू' (अक्सर चाय की टपरी पर काम करने वाले कम उम्र के लड़कों को लोग यही कहकर संबोधित करते हैं) जैसा कि उन्हें कहा जाता है, लाखों लोगों को काफी खराब प्लास्टिक के कप में चाय देते हैं और स्वच्छता भी कोई खास नहीं होती। तभी विचार आया कि हम स्वच्छ तरीकों से सस्ती कीमत पर प्रामाणिक, स्वादिष्ट और उच्च गुणवत्ता वाली चाय लोगों तक क्यों नहीं पहुंचा सकते और साथ ही छोटू को रोजगार भी दे सकते हैं।''

ओप्पो और मोटोरोला के हैंडसेट पर मिल रही भारी छूट

मुंबई,26 फरवरी (एजेंसियां)।

फ्लिपकार्ट पर चल रही मंथ एंड सेल में आप बेस्ट डील्स के साथ नया स्मार्टफोन खरीद सकते हैं। हम बात कर रहे हैं ओप्पो फाइंड एक्स 8 प्रो और मोटोरोला एज 50 अल्ट्रा 5जी पर दिए जा रहे ऑफर की। 28 फरवरी तक चलने वाली सेल में आप ओप्पो के फोन को 9999 रुपये और मोटोरोला के हैंडसेट को 5500 रुपये तक की छूट के साथ खरीद सकते हैं। इन फोन पर तगड़ा कैशबैक और एक्सचेंज बोनस भी दिया जा रहा है। ध्यान रहे कि एक्सचेंज बोनस में मिलने वाला डिस्काउंट आपके पुराने फोन की कंडीशन, ब्रैंड और कंपनी की एक्सचेंज पॉलिसी पर निर्भर करेगा। 16जीबी रैम और 512जीबी के इंटरनल स्टोरेज वाले इस फोन की कीमत 99,999 रुपये है। 28 फरवरी तक चलने वाली सेल में आप इस फोन को 9999 रुपये तक की छूट के साथ खरीद सकते हैं। फ्लिपकार्ट ऐक्सिस बैंक के कार्ड से पेमेंट करने वाले यूजर्स को 5 पर्सेंट का कैशबैक मिलेगा। एक्सचेंज ऑफर में आप इस फोन की कीमत को 43150 रुपये तक कम कर सकते हैं। फीचर्स की बात करें, तो इस फोन में आपको 6.78 इंच का फुल एचडी प्लस अमोलेड डिस्प्ले देखने को मिलेगा। फोन के रियर में 50 मेगापिक्सल के चार कैमरे दिए गए हैं। इसका सेल्फी कैमरा 32 मेगापिक्सल का है। यह फोन डाइमेंसिटी 8400 प्रोसेसर से लैस है।

इसकी बैटरी 5910एमएएच की है, जो 80 वॉट की फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करती है। यह फोन 6.7 इंच के डिस्प्ले से लैस है। फोन के रियर में 50 मेगापिक्सल के दो कैमरे के साथ एक 64 मेगापिक्सल का कैमरा दिया गया है। इसका सेल्फी कैमरा 50 मेगापिक्सल का है। फोन की बैटरी 4500 एमएएच की है। प्रोसेसर के तौर पर इस फोन में स्नैपड्रैगन 8एस जेन 3 दिया गया है।12जीबी रैम और 512जीबी के इंटरनल स्टोरेज वाला यह फोन फ्लिपकार्ट की मंथ एंड सेल में 49,999 रुपये का मिल रहा है। बैंक ऑफर में आप इसे 5500 रुपये तक की छूट के साथ खरीद सकते हैं। फ्लिपकार्ट ऐक्सिस बैंक के कार्ड से पेमेंट करने वाले यूजर्स को 5 पर्सेंट का कैशबैक मिलेगा। एक्सचेंज ऑफर में आप इस फोन की कीमत को 31,200 रुपये तक कम कर सकते हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

असम में 80,000 करोड़ की...

गडकरी ने दावा किया कि राज्य सरकार द्वारा मांगी गई लगभग सभी परियोजनाओं को उनके मंत्रालय ने मंजूरी दे दी है।उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर का विकास प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नीत सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है, जैसा कि 2014 से इस क्षेत्र में किए गए पर्याप्त निवेश से स्पष्ट है।गडकरी ने कारोबार में पूंजी निवेश की जरूरत पर जोर दिया, क्योंकि निवेश आने पर ही नौकरियां सृजित होंगी और रोजगार सृजन से ही लोगों की आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।मंत्री ने कहा, राज्य के विकास के लिए बुनियादी ढांचा सबसे जरूरी है। संपर्क में सुधार से अन्य क्षेत्रों को भी फायदा होगा।

अफ्रीका और...

केवल निवेश से लाभान्वित हों, बल्कि आत्मनिर्भर विकास हासिल कर सकें।जयशंकर ने भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (आईटीईसी) कार्यक्रम, पैन अफ्रीकी ई-नेटवर्क परियोजना और उच्च प्रभाव सामुदायिक विकास परियोजनाओं (एचआईसीडीपी) जैसी प्रमुख पहलों की ओर इशारा किया, जिन्होंने अफ्रीका की शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और डिजिटल बुनियादी ढांचे को मज़बूत किया।2019 में, भारत ने अफ्रीकी देशों को आभासी शिक्षा और चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने के लिए ई-विद्या भारती और ई-आरोग्य भारती नेटवर्क लॉन्च किए। अब तक, 19 अफ्रीकी देशों के छात्रों ने इस पहल के तहत विभिन्न स्नातक, स्नातकोत्तर और डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में दाखिला लिया है।

जयशंकर ने अफ्रीका के चौथे सबसे बड़े व्यापारिक साझेदार के रूप में भारत की स्थिति पर प्रकाश डाला, जिसमें द्विपक्षीय व्यापार लगभग 100 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया है।जयशंकर ने अफ्रीका और मध्य पूर्व में विस्तार करने की इच्छुक जापानी कंपनियों के लिए एक आदर्श केंद्र के रूप में काम करने की भारत की क्षमता को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, जापानी निवेश, भारत का मजबूत औद्योगिक आधार, डिजिटल क्षमताएं, अफ्रीका की प्रतिभा और बढ़ता उपभोक्ता आधार सभी हितधारकों के लिए लाभकारी परिणाम बनाने के लिए एक साथ आ सकते हैं।विदेश मंत्री ने कहा, भारत और जापान लोकतंत्र, स्वतंत्रता और कानून के शासन पर आधारित एक रिश्ता साझा करते हैं, साथ ही एक स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत के लिए एक समान दृष्टिकोण भी रखते हैं। पिछले कुछ वर्षों में, हमारे द्विपक्षीय संबंध एक विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी में विकसित हुए हैं।

दोषी राजनेताओं...

इसने कहा कि आजीवन अयोग्यता, प्रावधानों के तहत लगाई जा सकती है और ऐसा विवेकाधिकार ''निश्चित रूप से संसद के अधिकार क्षेत्र में है। केंद्र ने कहा कि याचिका अयोग्यता के आधार और अयोग्यता के प्रभावों के बीच महत्वपूर्ण अंतर स्पष्ट करने में विफल रही है। हलफनामे में कहा गया है कि याचिकाकर्ता का संविधान के अनुच्छेद 102 और 191 का उल्लेख करना पूरी तरह से गलत है। संविधान के अनुच्छेद 102 और 191 संसद, विधानसभा या विधानपरिषद की सदस्यता के लिए अयोग्यता से संबंधित हैं। इसके अलावा कहा कि अनुच्छेद 102 और 191 के खंड (ई) संसद को अयोग्यता से संबंधित कानून बनाने की शक्ति प्रदान करते हैं और इसी शक्ति का प्रयोग करते हुए 1951 का (जन प्रतिनिधित्व) अधिनियम बनाया गया था। इसने कहा कि संविधान ने संसद को अयोग्यता से संबंधित ऐसे अन्य कानून बनाने का अधिकार दिया है, जिसे बनाना वह उचित समझता हो। केंद्र ने कहा, ''संसद के पास अयोग्यता के आधार और अयोग्यता की अवधि, दोनों निर्धारित करने की शक्ति है।न्यायालय ने 10 फरवरी को, जन प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 8 और 9 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिका पर केंद्र और निर्वाचन आयोग से जवाब मांगा था।

राहुल गांधी और...

हिंदू होना और महाकुंभ में शामिल न होना हिंदुओं का अपमान है और हिंदुओं को उनका बहिष्कार करना चाहिए। केंद्रीय सामाजिक न्याय राज्य मंत्री ने आगे कहा कि लोगों की भावनाओं को देखते हुए उन्हें महाकुंभ में हिस्सा लेना चाहिए था। अठावले ने कहा, वे हमेशा हिंदू वोट चाहते हैं, इसके बावजूद वे महाकुंभ में शामिल नहीं हुए। मुझे लगता है कि हिंदू मतदाताओं को उनका बहिष्कार करना चाहिए।

नवंबर 2024 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों का जिक्र करते हुए उन्होंने आगे कहा, हिंदू मतदाताओं ने हाल ही में हुए चुनावों में इन नेताओं को सबक सिखाया। प्रयागराज के त्रिवेणी संगम पर 45 दिवसीय महाकुंभ का समापन महाशिवरात्रि पर होगा। महाकुंभ, 12 वर्षों में एक बार होने वाला एक विशाल धार्मिक आयोजन, 13 जनवरी (पौष पूर्णिमा) को शुरू हुआ और इसमें नागा साधुओं के भव्य जुलूस और तीन अमृत स्नान हुए। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, इस साल प्रयागराज कुंभ में अब तक 65 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु आ चुके हैं। पृथ्वी पर दुनिया की सबसे बड़ी आध्यात्मिक सभा के रूप में विख्यात इस विशाल धार्मिक उत्सव ने अपने अंतिम दिन देश के चारों कोनों से तीर्थयात्रियों को आकर्षित किया।

चैत्र नवरात्र 30 मार्च से प्रारंभ

जानिए पूजा विधि और शुभ मुहूर्त

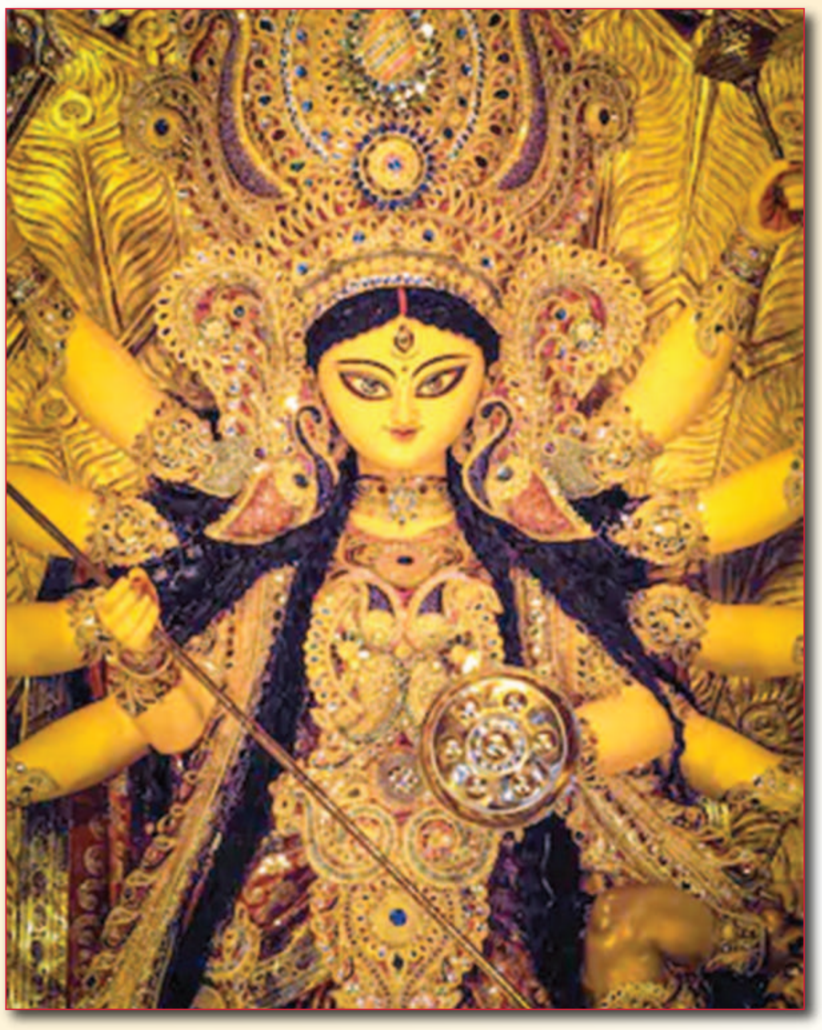

चैत्र नवरात्र का पर्व बहुत शुभ और महत्वपूर्ण माना जाता है। यह नौ दिनों तक चलता है, जब देव भक्त कठिन उपवास रखते हैं और मां दुर्गा के 9 स्वरूपों की विधिवत आराधना करते हैं। चैत्र नवरात्र हिंदुओं के सबसे प्रमुख त्योहारों में से एक है। इसका समापन राम नवमी के दिन होता है।

ऐसी मान्यता है कि जो साधक इस दौरान सच्ची श्रद्धा से सभी पूजन नियमों का पालन करते हैं, उन्हें माता रानी की सदैव के लिए कृपा मिलती है,

चैत्र नवरात्र २०२५ शुभ मुहूर्त

हिंदू पंचांग के अनुसार, चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि की शुरुआत 29 मार्च को शाम 04 बजकर 27 मिनट पर होगी। वहीं, इस तिथि का समापन 30 मार्च को दोपहर 12 बजकर 49 मिनट पर होगा। पंचांग को देखते हुए इस साल चैत्र नवरात्र 30 मार्च, 2025 से शुरू होगा और इसका समापन 07 अप्रैल, 2025 को होगा।

पूजा विधि

भक्त सुबह उठकर पवित्र स्नान करें। फिर मंदिर की सफाई अच्छी तरह से करें। माता रानी के सामने व्रत का संकल्प लें। पारंपरिक अनुष्ठानों का पालन करते हुए मुहूर्त के अनुसार, कलश स्थापित करें। मां की विधिवत पूजा-अर्चना करें। पहला दिन मां चंद्रघंटा को समर्पित होता है, तो उन्हें चमेली के फूल, चावल, शृंगार की सामग्री, मिठाई, फल और कुमकुम अर्पित करें।

आरती से पूजा की समाप्ति करें। शाम को भी भक्त मां दुर्गा की आरती करें और उन्हें विशेष भोग अर्पित करें। इस दौरान प्याज और लहसुन जैसी तामसिक चीजों से परहेज करें। घर पर सात्विक भोजन ही बनाएं। पूजा में गलतियों के लिए माफी मांगे।

मां दुर्गा पूजा मंत्र

1. ॐ जयन्ती मंगला काली भद्रकाली कपालिनी।

दुर्गा क्षमा शिवा धात्री स्वाहा स्वधा नमोऽस्तुते।।

2. ॐ जटा जूट समायुक्तमर्धेन्दु कृत लक्षणाम।

लोचनत्रय संयुक्तां पद्मेन्दुसद्यशाननाम।।

चैत्र नवरात्र में वास्तु दोष करना चाहते हैं दूर, तो इन उपायों को आजमाएं

चैत्र नवरात्र का पर्व श्रद्धालुओं के लिए अत्यंत उत्साह और श्रद्धा का विषय होता है। ये नौ दिन मां दुर्गा के अलग-अलग रूपों की पूजा के लिए समर्पित होते हैं। इस दौरान भक्तजन विधिपूर्वक मां दुर्गा की पूजा और व्रत करते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार, चैत्र नवरात्र के दौरान सच्चे मन से की गई उपासना और व्रत से देवी दुर्गा की कृपा मिलती है और मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है। चैत्र नवरात्र के दौरान विभिन्न तरह के शुभ उपाय किए जाते हैं, जिनमें वास्तु दोष को दूर करने के उपाय भी शामिल हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार, वास्तु दोष के कारण व्यक्ति के जीवन में कई तरह की समस्याएं आ सकती हैं। ऐसे में, चैत्र नवरात्र के अवसर पर किन उपायों को अपनाकर वास्तु दोष को दूर किया जा सकता है।

क्या हैं वास्तु दोष के उपाय

– चैत्र नवरात्र में वास्तु दोष को दूर करने के लिए मां दुर्गा की मूर्ति घर में स्थापित कर विधिपूर्वक पूजा-अर्चना करें। ध्यान रखें कि प्रतिमा खंडित न हो। वास्तु शास्त्र के अनुसार, मां दुर्गा की प्रतिमा को घर के ईशान कोण में स्थापित करना अत्यंत शुभ माना जाता है। ऐसा करने से नकारात्मक ऊर्जा खत्म होती है और वास्तु दोष से मुक्ति मिलती है। साथ ही, साधक पर मां दुर्गा की विशेष कृपा बनी रहती है।

– चैत्र नवरात्र में अखंड ज्योत जलाने का विशेष महत्व होता है। इसे दक्षिण-पूर्व दिशा में रखें। वास्तु शास्त्र के अनुसार, इस उपाय को करने से सभी तरह के दोष दूर होते हैं और कार्यों में सफलता मिलती है।

– सनातन धर्म में देवी-देवताओं की आरती तेल या घी के दीपक से की जाती है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, चैत्र नवरात्र में घी का दीपक जलाकर उसे दाहिनी ओर रखना शुभ माना जाता है। ऐसा करने से वास्तु दोष समाप्त होता है और घर में मां दुर्गा का शुभ आगमन होता है।

वैदिक पंचांग के अनुसार, चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि 29 मार्च को शाम 4:27 बजे शुरू होगी और 30 मार्च को दोपहर 12:49 बजे समाप्त होगी। इस तरह चैत्र नवरात्र का शुभारंभ 30 मार्च से होगा और इसका समापन 7 अप्रैल को होगा।

पूजा सामग्री की लिस्ट

आम के पत्ते, चावल, लाल कलावा, गंगाजल, चंदन, नारियल, कपूर, जौ, गुलाल, लौंग, इलायची, पांच पान, सुपारी, मिट्टी के बर्तन, फल, श्रृंगार का सामान, आसन, कमलगट्टा आदि।

जान लीजिए पूजा-विधि

प्रातः काल स्नान करके साफ वस्त्र धारण करें।

पूजा स्थल की शुद्धि के लिए वहां गंगाजल का छिड़काव करें।

घर के मंदिर में दीप जलाएं करें।

मां दुर्गा का गंगाजल से अभिषेक करें।

मां को अक्षत, सिंदूर और लाल पुष्प अर्पित करें और प्रसाद के रूप में फल और मिठाई चढ़ाएं।

धूप एवं दीप जलाकर दुर्गा चालीसा का पाठ करें और मां की आरती करें।

मां को भोग अर्पित करें, ध्यान रहे कि भोग में केवल सात्विक चीजें ही शामिल हों।

चैत्र नवरात्रि पर किस वाहन से आएंगी मां दुर्गा?

इस वर्ष चैत्र नवरात्रि का आरंभ रविवार से हो रहा है, जिससे मां दुर्गा हाथी पर सवार होकर धरती पर आएंगी। मां दुर्गा का हाथी पर आगमन अत्यंत शुभ माना जाता है, क्योंकि इससे धन-धान्य में बढ़ोतरी होती है और देश की आर्थिक स्थिति में सुधार आता है। इसी तरह, नवरात्रि का समापन 7 अप्रैल, सोमवार को भी हाथी पर प्रस्थान के साथ होगा, जो विशेष रूप से मंगलकारी माना जा रहा है। इस शुभ अवसर पर श्रद्धा और भक्ति भाव से मां दुर्गा की पूजा करने से सभी मनोकामनाएं पूर्ण हो सकती हैं।

चैत्र नवरात्र से पहले घर से निकाल दें यह वस्तुए, वरना शुरू हो जाएंगे बुरे दिन

देशभर में हर साल नवरात्र का त्योहार बड़ी ही धूमधाम और आस्था के साथ मनाया जाता है। यह नौ दिवसीय त्योहार एक साल में चार बार मनाया जाता है। इनमें से शारदीय और चैत्र नवरात्र का सबसे अधिक महत्व है। यह पर्व मां दुर्गा और उनके नौ अवतारों को समर्पित है। कहा जाता है कि इस दौरान मां की आराधना करने से सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती है।

इसके साथ ही जीवन में खुशहाली आती है। वहीं, इससे जुड़ी कुछ सावधानियां बताई गई हैं, जिनका पालन हर किसी को करना चाहिए

घर से निकाल दें ये चीजें

चैत्र नवरात्र से पहले फटे-पुराने जूते-चप्पल, कांच का टूटा सामान, टूटी मूर्ति, टूटी झाड़ू, तुलसी का सूखा पौधा, बेकार या खराब पड़ी घड़ी आदि चीजों को घर से निकाल देना चाहिए। कहा जाता है कि इन चीजों की वजह से घर में नकारात्मक ऊर्जा को बढ़ावा मिलता है। इसके साथ ही घर में दरिद्रता का वास होता है। ऐसे में कलश स्थापना से पहले ऐसी खराब वस्तुओं को अपने घर से निकाल दें और अच्छी तरह साफ-सफाई करें। इसके अलावा घर को सजाएं। पूरे घर में गंगाजल छिड़कें। इससे घर में शुभता आएगी।

तंत्र-साधना में 10 महाविद्या कौन-कौन सी हैं? अनोखा है इनका स्वरूप

सनातन धर्म में गुप्त नवरात्र का पर्व बहुत मंगलकारी माना जाता है। यह पर्व पूरी तरह से मां दुर्गा की 10 महाविद्याओं की पूजा के लिए समर्पित है। हिंदू धर्म में साल में चार बार नवरात्र आते हैं- माघ गुप्त नवरात्र, चैत्र नवरात्र, शारदीय नवरात्र और आषाढ़ गुप्त नवरात्र। नवरात्र का अर्थ है मां दुर्गा को समर्पित नौ दिन और नौ रातें।

देवी काली

देवी काली मां दुर्गा का सबसे उग्र और शक्तिशाली रूप हैं। वे अज्ञानता के विनाश और दिव्य ज्ञान की विजय का प्रतिनिधित्व करती हैं। काली माता को अक्सर मुंड माला और हाथ में कटा हुआ सिर लिए हुए दिखाया जाता है।

देवी तारा

मां तारा करुणा और सुरक्षा से जुड़ी देवी हैं। उन्हें दूसरी महाविद्या माना जाता है। देवी को जीवन की चुनौतियों के माध्यम से एक मार्गदर्शक के रूप में देखा जाता है। साथ ही वे अपने भक्तों का पोषण करती हैं और उन्हें सुरक्षा प्रदान करती हैं।

देवी त्रिपुर सुंदरी

मां देवी त्रिपुर सुंदरी का रूप बहुत मनमोहक है। वे प्रेम और आनंद का प्रतिनिधित्व करती हैं। देवी माथे पर अर्धचंद्र विराजमान है, जो सौंदर्य और सद्भाव से जुड़ा हुआ है।

देवी भुवनेश्वरी

देवी भुवनेश्वरी पूरे ब्रह्मांड को नियंत्रित करती हैं। साथ ही वे विस्तार और ब्रह्मांडीय चेतना से जुड़ी है।

देवी भैरवी

मां भैरवी देवी का उग्र स्वरूप हैं, जो विनाश का प्रतीक मानी जाती हैं। देवी को परिवर्तनकारी शक्ति से जोड़ा जाता है।

देवी छिन्नमस्ता

देवी छिन्नमस्ता माता रानी का छठवां अवतार हैं। उन्होंने एक हाथ में स्वयं का ही कटा हुआ सिर धारण कर रखा है। मां का यह स्वरूप आत्म-बलिदान और अहंकार के अंत का प्रतीक है।

देवी धूमावती

मां धूमावती सातवीं महाविद्या हैं। वे देवी का विधवा रूप हैं और वह सफेद कपड़े धारण करती हैं। साथ ही अपने बालों को खुले रखती हैं। मां की पूजा से सभी दुख-तकलीफों का अंत होता है।

देवी बगलामुखी

बगलामुखी माता आठवीं महाविद्या हैं। उन्हें बगलामुखी मां को पीतांबरा, बगला, वल्गामुखी, बगलामुखी, ब्रह्मास्त्र विद्या आदि नामों से भी जाना जाता है। देवी अपने भक्तों की सभी शत्रुओं से रक्षा करती हैं।

देवी मातंगी

देवी मातंगी संगीत और कला की देवी हैं। वे ज्ञान और रचनात्मकता से जुड़ी हैं।

देवी कमला

देवी कमला, जिन्हें लक्ष्मी के नाम से भी जाना जाता है। मां धन और प्रचुरता की देवी हैं। देवी की पूजा करने से धन-दौलत व अन्य भौतिक सुखों की प्राप्ति होती है।

फाल्गुन अमावस्या आज

जानें मंत्र से लेकर स्नान-दान का शुभ मुहूर्त

हिंदू धर्म में अमावस्या तिथि का विशेष धार्मिक महत्व होता है। इसे पितरों की शांति और आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए उत्तम दिन माना जाता है। इस दिन पिंडदान, तर्पण और अन्य धार्मिक अनुष्ठानों का विशेष महत्व होता है। फाल्गुन अमावस्या 2025 इस वर्ष 27 फरवरी को मनाई जाएगी। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन किए गए स्नान, दान और पूजा-अर्चना से पुण्य की प्राप्ति होती है और जीवन में सुख-समृद्धि आती है।

फाल्गुन अमावस्या २०२५ तिथि और समय

हिंदू पंचांग के अनुसार फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि 27 फरवरी 2025 को प्रातः 8:54 बजे से प्रारंभ होकर 28 फरवरी 2025 को प्रातः 6:14 बजे तक रहेगी। पंचांग के अनुसार व्रत और धार्मिक अनुष्ठान 27 फरवरी को किए जाएंगे।

फाल्गुन अमावस्या 2025 स्नान और दान का शुभ मुहूर्त

इस दिन स्नान-दान के लिए ब्रह्म मुहूर्त अत्यंत शुभ होता है।

ब्रह्म मुहूर्त – प्रातः 05:08 से 05:58 तक

शिव योग – प्रातः 5:09 से रात्रि 11:41 तक

अभिजीत मुहूर्त – दोपहर 12:11 से 12:57 तक

इन शुभ मुहूर्तों में स्नान, ध्यान, दान और पूजा करने से विशेष फल की प्राप्ति होती है।

फाल्गुन अमावस्या 2025 पूजा विधि और उपाय

प्रातःकाल उठकर पवित्र नदी, सरोवर या घर पर स्नान करें।

तिल, गुड़, आटे के पिंड बनाकर पितरों को अर्पित करें।

पितृ तर्पण के लिए जल में काले तिल डालकर अर्पण करें।

जरूरतमंदों को भोजन, वस्त्र और दक्षिणा का दान करें।

भगवान शिव की पूजा करें और महामृत्युंजय मंत्र का जाप करें।

फाल्गुन अमावस्या २०२५ के शुभ मंत्र

ॐ पितृ देवतायै नमः।।

ॐ आगच्छन्तु में पितर एवं ग्रहन्तु जलान्जलिम।।

ॐ पितृगणाय विद्महे जगत धारिणी धीमहि तन्नो पितृः प्रचोदयात्।।

यह दिन पूर्वजों की कृपा पाने और जीवन में सुख-समृद्धि लाने के लिए उत्तम है।

फाल्गुन अमावस्या को पितरों का तर्पण करते समय करना चाहिए इन स्त्रोतों का पाठ, पितृदोष से मिलेगी मुक्ति

हिंदू धर्म में पूर्णिमा और अमावस्या की तिथियां धार्मिक रूप से बहुत महत्वपूर्ण मानी जाती हैं। हर माह की अमावस्या पितरों के तर्पण के लिए समर्पित तिथि होती है और इस दिन लोग अपने पितरों की शांति के लिए तर्पण करते हैं। मान्यता है कि फाल्गुन अमावस्या तिथि को पितरों का तर्पण करने से तीन पीढ़ी के पूर्वजों को मोक्ष मिल जाता है और पितर प्रसन्न होकर कृपा करते हैं, जिससे जीवन में सुख समृद्धि में वृद्धि होती है। इस वर्ष फाल्गुन अमावस्या 27 फरवरी गुरुवार को है। फाल्गुन अमावस्या पर बड़ी संख्या में लोग नदी स्नान करने देश की प्रमुख नदियों के तट पर पहुंचते हैं। खासकर गंगा नदी पर लोगों की भीड़ उमड़ती है। लोग नदी में स्नान कर भगवान शिव को जल चढ़ाते हैं। फाल्गुन अमावस्या पर पितरों का तर्पण करने से पितृदोष से मुक्ति प्राप्त होती है। इस दिन पितरों के तर्पण करते समय गंगा स्तोत्र और पितृ कवच का पाठ करने से पितर प्रसन्न होते हैं और पितृ दोष से मुक्ति प्राप्त होने के कारण जीवन की समस्याओं से राहत मिलती है। कब है फाल्गुन अमावस्या और स्तोत्र और पितृ कवच का कैसे जाप करें।

फाल्गुन अमावस्या की तिथि व शुभ मुहूर्त

इस वर्ष फाल्गुन अमावस्या तिथि 27 फरवरी दिन गुरुवार को सुबह 8 बजकर 54 मिनट पर शुरू होगी और 28 फरवरी शुक्रवार को सुबह 6 बजकर 14 मिनट तक रहेगी। फाल्गुन अमावस्या की पूजा 27 फरवरी गुरवार को मानी जाएगी।

ब्रह्म मुहूर्त – 27 फरवरी को सुबह 5 बजकर 9 मिनट से सुबह 5 बजकर 58 मिनट तक

गोधूलि मुहूर्त– शाम 6 बजकर 7 मिनट से शाम 6 बजकर 42 मिनट तक

निशिता मुहूर्त– रात 12 बजकर 8 मिनट से 12 बजकर 58 मिनट तक

योग-इस दिन शिव योग और सिद्धि योग का भी निर्माण हो रहा है। इसके अलावा अभिजीत मुहूर्त और अमृत काल का भी संयोग बन रहा है।

पितरों के तर्पण पर करें पितृ कवच का पाठ

कृणुष्व पाजः प्रसितिम् न पृथ्वीम् याही राजेव अमवान् इभेन।

तृष्वीम् अनु प्रसितिम् द्रूणानो अस्ता असि विध्य रक्षसः तपिष्ठैः।।

तव भ्रमासऽ आशुया पतन्त्यनु स्पृश धृषता शोशुचानः।

तपूंष्यग्ने जुह्वा पतंगान् सन्दितो विसृज विष्व-गुल्काः।।

प्रति स्पशो विसृज तूर्णितमो भवा पायु-र्विशोऽ अस्या अदब्धः।

यो ना दूरेऽ अघशंसो योऽ अन्त्यग्ने माकिष्टे व्यथिरा दधर्षीत्।।

उदग्ने तिष्ठ प्रत्या-तनुष्व न्यमित्रान् ऽओषतात् तिग्महेते।

यो नोऽ अरातिम् समिधान चक्रे नीचा तं धक्ष्यत सं न शुष्कम्।।

ऊर्ध्वो भव प्रति विध्याधि अस्मत् आविः कृणुष्व दैव्यान्यग्ने।

अव स्थिरा तनुहि यातु-जूनाम् जामिम् अजामिम् प्रमृणीहि शत्रून्।

पितरों के तर्पण पर करें गंगा स्तोत्र का पाठ

ॐ नमः शिवायै गंगायै, शिवदायै नमो नमः।
नमस्ते विष्णु-रुपिण्यै, ब्रह्म-मूर्त्यै नमोऽस्तु ते।।
नमस्ते रुद्र-रुपिण्यै, शांकर्यै ते नमो नमः।
सर्व-देव-स्वरुपिण्यै, नमो भेषज-मूर्त्तये।।
सर्वस्य सर्व-व्याधीनां, भिषक्-श्रेष्ठ्यै नमोऽस्तु ते।
स्थास्नु-जंगम-सम्भूत-विष-हन्त्र्यै नमोऽस्तु ते।।
संसार-विष-नाशिन्यै, जीवानायै नमोऽस्तु ते।
ताप-त्रितय-संहन्त्र्यै, प्राणश्यै ते नमो नमः।।
शन्ति-सन्तान-कारिण्यै, नमस्ते शुद्ध-मूर्त्तये।
सर्व-संशुद्धि-कारिण्यै, नमः पापारि-मूर्त्तये।।
भुक्ति-मुक्ति-प्रदायिन्यै, भद्रदायै नमो नमः।
भोगोपभोग-दायिन्यै, भोग-वत्यै नमोऽस्तु ते।।
मन्दाकिन्यै नमस्तेऽस्तु, स्वर्गदायै नमो नमः।
नमस्त्रैलोक्य-भूषायै, त्रि-पथायै नमो नमः।।
नमस्त्रि-शुक्ल-संस्थायै, क्षमा-वत्यै नमो नमः।
त्रि-हुताशन-संस्थायै, तेजो-वत्यै नमो नमः।।
नन्दायै लिंग-धारिण्यै, सुधा-धारात्मने नमः।
नमस्ते विश्व-मुख्यायै, रेवत्यै ते नमो नमः।।
बृहत्यै ते नमस्तेऽस्तु, लोक-धात्र्यै नमोऽस्तु ते।
नमस्ते विश्व-मित्रायै, नन्दिन्यै ते नमो नमः।।
पृथ्व्यै शिवामृतायै च, सु-वृषायै नमो नमः।
परापर-शताढ्यै, तारायै ते नमो नमः।।
पाश-जाल-निकृन्तिन्यै, अभिन्नायै नमोऽस्तु ते।
शान्तायै च वरिष्ठायै, वरदायै नमो नमः।।
उग्रायै सुख-जग्ध्यै च, सञ्जीविन्यै नमोऽस्तु ते।
ब्रह्मिष्ठायै-ब्रह्मदायै, दुरितघ्न्यै नमो नमः।।
प्रणतार्ति-प्रभञ्जिन्यै, जग्मात्रे नमोऽस्तु ते।
सर्वापत्-प्रति-पक्षायै, मंगलायै नमो नमः।।
शरणागत-दीनार्त-परित्राण-परायणे।
सर्वस्यार्ति-हरे देवि! नारायणि ! नमोऽस्तु ते।।
निर्लेपायै दुर्ग-हन्त्र्यै, सक्षायै ते नमो नमः।
परापर-परायै च, गंगे निर्वाण-दायिनि।।
गंगे ममाऽग्रतो भूया, गंगे मे तिष्ठ पृष्ठतः।
गंगे मे पार्श्वयोरेधि, गंगे त्वय्यस्तु मे स्थितिः।।
आदौ त्वमन्ते मध्ये च, सर्व त्वं गांगते शिवे!
त्वमेव मूल-प्रकृतिस्त्वं पुमान् पर एव हि।।
गंगे त्वं परमात्मा च, शिवस्तुभ्यं नमः शिवे।।

फल-श्रुति

य इदं पठते स्तोत्रं, श्रृणुयाच्छ्रद्धयाऽपि यः।
दशधा मुच्यते पापैः, काय-वाक्-चित्त-सम्भवैः।।
रोगस्थो रोगतो मुच्येद्, विपद्भ्यश्च विपद्-युतः।
मुच्यते बन्धनाद् बद्धो, भीतो भीतेः प्रमुच्यते।।

28 फरवरी को सिनेमाघरों में दोबारा रिलीज होगी दिल तो पागल है

फरवरी का महीना का प्यार का महीना माना जाता है। इस प्यार के महीने में शाहरुख खान की फिल्म दिल तो पागल है रिलीज होने वाली है। ये फिल्म रोमांटिक है। फिल्म में शाहरुख खान, माधुरी दीक्षित और करिश्मा कपूर ने अदाकारी की है। यश राज फिल्म्स ने सोमवार को इंस्टाग्राम के जरिए जानकारी दी है कि शाहरुख खान की फिल्म दिल तो पागल है इसी हफ्ते रिलीज होने वाली है। यशराज

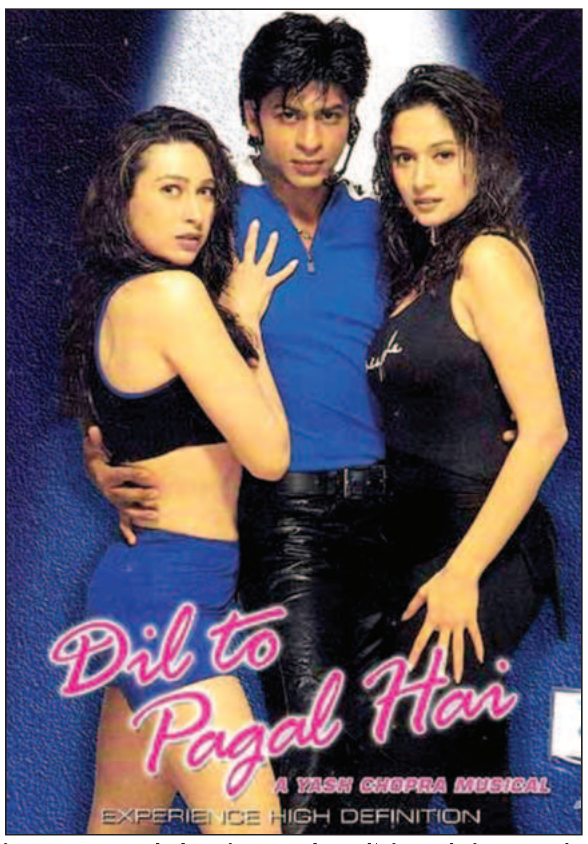

फिल्म्स की तरफ से शेयर किए गए पोस्टर में लिखा है कि प्यार और रोमांस का दौर इस हफ्ते वापस आ रहा है। 28 फरवरी से दिल तो पागल है फिर से देख सकते हैं।इस पोस्ट पर कई यूजर ने बेहतरीन कमेंट किए हैं। एक यूजर ने लिखा है कि वाव.. ये मेरी सबसे पसंदीदा फिल्म है। एक दूसर ने लिखा है कि इसको दोबारा देखे बिना नहीं रह सकते। एक और यूजर ने लिखा है कि हम 90 के दशक के बच्चे इस फिल्म के रोमांस की अहमियत को समझते हैं।आपको बता दें कि इस फिल्म का निर्देशन यश चोपड़ा ने किया है। ये फिल्म पहली बार 1997 में रिलीज हुई थी। फिल्म में अक्षय कुमार ने केमियो रोल किया है। फिल्म ने तीन नेश्नल अवार्ड जीते थे। इसमें सर्वश्रेष्ठ सपोर्टिंग एक्ट्रेस, सर्वश्रेष्ठ कोरियोग्राफी अवॉर्ड शामिल हैं। फिल्म डांसर्स की कहानी पर आधारित है, जो शाहरुख, माधुरी और करिश्मा के आस पास घूमती है।

संघर्ष के दिनों में गोविंदा को सरोज खान ने फ्री में सिखाया था डांस

गोविंदा ने कोरियोग्राफर को दी ऐसी गुरु दक्षिणा आप भी कहेंगे चीची जैसा कोई नहीं

बॉलीवुड एक्टर गोविंदा को इंडस्ट्री के सबसे बेहतरीन डांसर्स में से एक माना जाता है। उनके फेस एक्सप्रेशन और डांस मूव्स कमाल के होते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं गोविंदा जब स्ट्रगल कर रहे थे तो बॉलीवुड की मशहूर कोरियोग्राफर सरोज खान ने उन्हें बिना फीस लिए डांस सिखाया था। एक इंटरव्यू के दौरान सरोज खान ने बताया था कि गोविंदा जब मेरे पास आए तो उन्होंने कहा कि मैं विरार से बिना टिकट के डांस सीखने आता हूं। मेरे पास आपको फीस देने के लिए पैसे नहीं हैं। तब सरोज खान ने कहा था कि मैंने तुमसे फीस मांगी है क्या? इसके बाद गोविंदा ने उनसे डांस सीखा और सुपरस्टार बनने के बाद उन्होंने कैसे उन्हें गुरु दक्षिणा दी आइए हम आपको बताते हैं।

गोविंदा की सरोज खान को गुरु दक्षिणा

एक इंटरव्यू के दौरान सरोज खान ने बताया था कि एक दिन एक 10 साल का बच्चा मेरे पास

आया और मुझे एक लिफाफा दिया। मैं स्टूडियो के बाहर बैठी थी। उसने मुझसे पूछा क्या आप सरोज खान हैं और जब मैंने कहा हां तो उसने मुझे लिफाफा देते हुए कहा कि यह चीची भैया ने दिया है। लिफाफे पर गुरु दक्षिणा लिखा हुआ था जिसमें 24 हजार रुपये थे और कागज पर लिखा था अब मैं दे सकता हूं, गुरु दक्षिणा। गोविंदा ने उस समय सरोज खान को उनकी अकादमी खोलने के लिए मदद की थी।

सरोज खान के इलाज के लिए दिए चार लाख रुपए

देवदास फिल्म की शूटिंग के दौरान जब सरोज खान डोला रे डोला गाने को कोरियोग्राफ कर रही थी, तो उस समय वह बहुत बीमार पड़ गई थीं। डॉक्टरों ने यह तक कह दिया था कि उन्हें बचाया नहीं जा सकता तब गोविंदा ना सरोज खान की बड़ी बेटी को एक लिफाफा दिया और कहा कि सरोज जी से कहना उनका बेटा आया है। उस पार्सल में सरोज खान के इलाज के लिए चार लाख रुपए थे जिससे उनका इलाज किया गया। गुरु दक्षिणा के रूप में गोविंदा ने सरोज खान के अकादमी खोलने के लिए और उनके इलाज के लिए पैसे दिए थे। बता दें कि सरोज खान बॉलीवुड की एक बेहतरीन कोरियोग्राफर थीं, हालांकि जुलाई 2020 में उनका निधन हो गया।

संजय दत्त की भांजी खूबसूरती में किसी हीरोइन से नहीं कम, सांची की फोटो देख फैंस को याद आई नरगिस

संजय दत्त सिनेमा के सुपरस्टार एक्टर हैं। उन्होंने एक से बढ़ कर एक हिट फिल्में दी हैं। उनके पिता सुनील दत्त और मां नरगिस भी सिनेमा के सुपरस्टार कहे जाते हैं। उनके माता-पिता अब इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन अपने पीछे छोड़ गए हैं अनेकों कालजई फिल्में, जिनके जरिए आज भी वो फैंस के दिलों में जिंदा हैं। हालांकि संजय दत्त के बाद

उनके परिवार से कोई भी फिल्मों में एक्टिव नहीं है, लेकिन उनके परिवार के लोग अक्सर लाइमलाइट में रहते हैं। हम आज बात करेंगे संजय दत्त की भांजी की ,जो बेहद खूबसूरत हैं। उनकी तुलना नानी नरगिस से की जाती है। वह 90 के सुपरस्टार कुमार गौरव की बेटी हैं। अपने समय के चॉकलेटी एक्टर्स में गिने जाते थे। बता दें कि राजेंद्र कुमार और एक्टर सुनील दत्त अच्छे दोस्त थे। ऐसे में सुनील दत्त ने अपनी बेटी नम्रता दत्त की शादी राजेंद्र कुमार के बेटे कुमार गौरव से कर दी। नम्रता दत्त और कुमार गौरव की दो बेटियां हैं सांची और सिया। उनकी दोनों बेटियां बेहद खूबसूरत और टैलेंटेड हैं। सांची की शादी एक्टर बिलाल अमरोही से हुई है। बिलाल ने फिल्म ओ तेरी से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। बता दें कि सांची के मामा संजय दत्त और मासी प्रिया दत्त हैं।

सांची बेहद टैलेंटेड हैं और वह फैशन डिजाइनर हैं। उनका खुद का स्टोर है। सांची ने अपने मामा संजय दत्त समेत कई स्टार्स के लिए कपड़े डिजाइन किए हैं। उनकी छोटी बहन हैं सिया कुमार। सिया भी बेहद खूबसूरत औ टैलेंटेड हैं।

आश्रम वेब सीरीज के लिए बॉबी देओल नहीं थे प्रकाश झा की पहली पसंद

बाबा निराला के लिए अजय देवगन हो गए थे फाइनल

आश्रम वेब सीरीज अब एक बदनाम आश्रम के नाम से दिखाई जा रही है। एक बदनाम आश्रम सीजन 3 पार्ट 2 का ट्रेलर रिलीज हो चुका है और एक बार फिर बाबा निराला और पम्मी के बीच की जंग दिखाई दे रही है। ना तो बाबा निराला सुधरे हैं और ना ही उनके साथी भोपा स्वामी। कुल मिलाकर बाबा का मकड़जाल फैलता ही जा रहा है। बाबा निराला के किरदार में बॉबी देओल नजर आ रहे हैं और अदिति पोहनकर ने पम्मी का रोल किया है जबकि इस वेब सीरीज का निर्देशन प्रकाश झा ने किया है। जानते हैं आश्रम वेब सीरीज के लिए बॉबी देओल पहली पसंद नहीं थे। तो फिर कौन था? आश्रम के वेब सीरीज के रूप में आने की एक लंबी कहानी है। आईएमडीबी के मुताबिक, 2013 में प्रकाश झा अर्जुन रामपाल

के सत्संग बनाना चाह रहे थे। लेकिन फिल्म की स्क्रिप्ट फाइनल नहीं हो सकी। इस पर 2017 में फिर काम शुरू किया गया। इस बार अजय देवगन और अमृता राव को साइन भी कर लिया गया। लेकिन फिर प्रकाश झा ने किरदार में बदलाव कर बॉबी देओल को साइन करने का फैसला किया। आखिर में यह प्रोजेक्ट आश्रम वेब सीरीज के रूप में सामने आया।

एक बदनाम आश्रम सीजन 3 पार्ट 2 रिलीज डेट

एक बदनाम आश्रम सीजन 3 पार्ट 2 27 फरवरी को अमेजॉन एमएक्स प्लेयर पर रिलीज हो रही है। इस तरह फैन्स का इंतजार जल्द ही खत्म होने जा रहा है।

अगर एक बदनाम आश्रम सीजन 3 पार्ट 2 की स्टारकास्ट की बात करें तो इसमें बॉबी देओल के अलावा अदिति पोहनकर, चंदन रॉय सान्याल, त्रिधा चौधरी, दर्शन कुमार, विक्रम कोचर, अनुप्रिया गोयनका, राजीव सिद्धार्थ और ईशा गुप्ता नजर आएंगे।

महारानी सीजन 4 की शूटिंग शुरू, हुमा कुरैशी ने सेट से दिखाई अपनी पहली झलक

हुमा कुरैशी महारानी सीजन 4 के साथ वापस आ गई हैं। एक्ट्रेस ने सीरीज के सेट से एक बिहाइंड द सीन तस्वीर साझा किया है, जो यह दर्शाता है कि उन्होंने सीरीज के चौथे सीजन के लिए कमर कस ली है। इस तस्वीर ने फैंस की उत्सुकता को बढ़ा दिया है।हुमा कुरैशी ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर अपमकमिंग वेब सीरीज महारानी सीजन 4 के बारे में अपडेट साझा किया है। उन्होंने सीरीज के सेट से अपनी एक तस्वीर पोस्ट किया है। साथ ही, सीरीज को प्यार देने के लिए फैंस और दर्शकों का आभार जताया है।अपनी तस्वीर शेयर करते हुए हुमा कुरैशी ने कैप्शन में लिखा है, सीजन 4 का समय आ गया है। टीम महारानी वापस आ गई है। यह तस्वीर मेरी प्रोड्यूसर साहिबा डिंपल खरबंदा द्वारा क्लिक किया गया है। प्यारे दर्शकों को इतना प्यार देने के लिए धन्यवाद और आभार प्यार। तस्वीर में हुमा कुरैश ब्लैक टी-शर्ट, जिस पर महारानी इज बैक लिखा है, और मैचिंग पैंट में नजर आ रही हैं।कांगड़ा टॉकीज स्टूडियो ने भी अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर महारानी सीजन 4 के सेट से तस्वीरें साझा किया हैं और सेट पर हुमा कुरैशी का स्वागत किया है। उन्होंने पोस्ट के कैप्शन में लिखा है, रानी को वापस वहीं लाना जहां उसका राज है। महारानी के सेट पर हुमा का स्वागत। पहली तस्वीर में हुमा कुरैशी अपने वैनिटी वैन के पास हाथों से सीजन 4 का साइन देते हुए कैमरे के लिए पोज दिया है। दूसरी तस्वीर में हुमा महारानी सीजन 4 की टीम के साथ पोज देती नजर आ रही हैं।महारानी का पहला सीजन 2021 में आया। इस वेब सीरीज में हुमा कुरैशी ने रानी भारती की भूमिका निभाई है। रानी भारती एक गृहिणी और बिहार के मुख्यमंत्री भीमा (सोहम शाह) की पत्नी है। रानी को बस अपने घर और अपने पति की परवाह रहती है। वह अपने पति के बिहार के सीएम पद से इस्तीफा देने के बाद अपना बैग पैक करके वापस गांव जाना चाहती है। हालांकि, उसकी जिंदगी तब बदल जाती है जब उसका पति उसे अपना उत्तराधिकारी घोषित करता है, जिससे हर कोई हैरान रह जाता है।अगले सीजन में साजिशों, भ्रष्टाचार और खुद को राजनेता के रूप में साबित करने और सफल होने की उनकी यात्रा को दिखाया गया। महारानी का दूसरा सीजन 2022 में और तीसरा सीजन 2024 में प्रीमियर हुआ था।

पाकिस्तानी अभिनेत्री माया अली को अक्षय के साथ हुई थी फिल्म ऑफर

पाकिस्तान के टीवी शोज और फिल्में भारत में भी खूब पसंद की जाती हैं। इन दिनों भारत में वहाज अली और माया अली स्टारर शो देश में धूम मचा रहा है। सुन मेरे दिल पिछले साल 2023 में 9 अक्तूबर को रिलीज हुआ था। अब यह शो पूरा हो गया है। सुन मेरे दिल कहानी है बिजनेसमैन बिलाल अब्दुल्ला यानी वहाज अली और सदफ नामदार यानी माया अली की। बिलाल अब्दुल्ला अपने वफादार पुराने एंम्प्लॉई नामदार मिर्जा की बेटी सदफ को पसंद करता है। सदफ के रोल में इस शो में पाकिस्तान की जानी मानी एक्ट्रेस माया अली नजर आ रही हैं। माया अली पाकिस्तान की बेहद खूबसूरत अभिनेत्रियों में से एक हैं। भले ही अन्य हीरोइनों की तरह वह बॉलीवुड की किसी फिल्म में अब तक नजर नहीं आईं, लेकिन उनकी फैंस फॉलोइंग भारत में भी खूब हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्हें अक्षय कुमार के साथ एक फिल्म ऑफर हुई थी, लेकिन पाक आर्टिस्ट पर लगे बैन के कारण माया अली ऑडिशन के बाद भी फिल्म से हाथ धो बैठीं । माया अली सोशल मीडिया पर एक्टिव हैं। हम दिखा रहे हैं खूबसूरत माया अली की 5 तस्वीरें जिन पर आप भी दिल हार बैठेंगे। माया का असली नाम मरियम तनवीर अली हैं। उनकी जन्म 27 जुलाई 1989 को हुआ था। माया को सर्वश्रेष्ठ टेलीविज़न अभिनेत्री के लिए लक्स स्टाइल अवॉर्ड मिल चुका है। माया रोमांटिक कॉमेडी टीफा इन ट्रबल (2018) और पैरे हट लव (2019) के साथ फिल्मों में कदम रखा, ये दोनों ही अब तक की सबसे ज़्यादा कमाई करने वाली पाकिस्तानी फिल्मों में शुमार हैं। माया अली का जन्म 27 जुलाई 1989 को लाहौर, पंजाब, पाकिस्तान में पंजाबी मुस्लिम परिवार में हुआ। उनके पिता तनवीर अली एक व्यवसायी थे। उनका एक छोटा भाई अफ़नान है। माया के पिता ने उन्हें फ़िल्म इंडस्ट्री में काम करने से मना

कर दिया और आठ साल तक उनसे बात नहीं की।

माया ने मास कम्युनिकेशन में मास्टर डिग्री ली है। 2016 में माया हसीब हसन की मन मयाल में हमजा अली अब्बासी के साथ दिखीं।यह शो अब तक का सबसे अधिक रेट किया गया और देखा गया। 2018 में माया रोमांटिक कॉमेडी तीफा इन ट्रबल में अली ज़फर के साथ दिखीं। अपनी रिलीज़ के समय यह फ़िल्म वहां की सबसे महंगी पाकिस्तानी फ़िल्म थी।2024 में माया सुन मेरे दिल में वहाज अली और हसीब हसन के साथ दिखीं। आगे वह फिल्म आसमान बोलेंगे में नजर आने वाली हैं।

माया अपनी कजिन्स के साथ मिलकर अपना खुद का कपड़ों का ब्रांड माया प्रेट-ए-पोर्टर भी चलाती हैं। वह पाकिस्तान सुपर लीग में क्वेटा ग्लैडिएटर्स की ब्रांड एंबेसडर भी हैं। माया इंस्टाग्राम पर सबसे ज्यादा फॉलो की जाने वाली पाकिस्तानी अभिनेत्रियों में से हैं ।

फ्लैट में रहने वाले लोगों के अनगिनत सीक्रेट लेकर आए अनुराग कश्यप, हैरान कर देगा ट्रेलर

बॉलीवुड फिल्ममेकर अनुराग कश्यप का अब पूरा ध्यान साउथ की फिल्मों पर है। वो साउथ की फिल्मों को लेकर काफी एक्साइटेड हैं। अनुराग कश्यप साउथ इंडियन मूवीज में एक्टिंग भी कर रहे हैं। साथ ही साउथ की स्टोरीज में भी इंटरेस्ट ले रहे हैं। अब अनुराग ने अब अनाउंसमेंट की है कि वह जल्द ही मंजू वारियर की मलयालम थ्रिलर फिल्म फुटेज का हिंदी वर्जन लेकर आ रहे हैं और इसके ट्रेलर की रिलीज के लिए कमर कस रहे हैं। अनुराग ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करके इसकी जानकारी दी है। अनुराग का पोस्ट वायरल हो रहा है।

बॉलीवुड फिल्ममेकर अनुराग कश्यप का अब पूरा ध्यान साउथ की फिल्मों पर है। वो साउथ की फिल्मों को लेकर काफी एक्साइटेड हैं। अनुराग कश्यप साउथ इंडियन मूवीज में एक्टिंग भी कर रहे हैं। साथ ही साउथ की स्टोरीज में भी इंटरेस्ट ले रहे हैं। अब अनुराग ने अब अनाउंसमेंट की है कि वह जल्द ही मंजू वारियर की मलयालम थ्रिलर फिल्म फुटेज का हिंदी वर्जन लेकर आ रहे हैं और इसके ट्रेलर की रिलीज के लिए कमर कस रहे हैं। । अनुराग ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करके इसकी जानकारी दी है। अनुराग का पोस्ट वायरल हो रहा है।

फुटेज का पोस्टर शेयर करते हुए अनुराग ने लिखा- कोविड के दौरान सेट, एक फाउंड फुटेज थ्रिलर। जब मैंने इसे सिनेमा में देखा, तो मुझे आश्चर्य हुआ कि जिस तरह से फिल्म को दो दृष्टिकोणों से एक साथ रखा गया है। सैजू और उनकी टीम ने जो किया है, उससे बड़ी उपलब्धि हासिल की है और जिस तरह से मंजू वारियर, विशाक और गायत्री ने परफॉर्म किया है और इसे ऐसे रोमांचक स्तर तक पहुंचाया है। वो कमाल का काम है। फ़िल्म को हिंदी दर्शकों के सामने लाने के लिए बहुत उत्साहित हूं और हां, ट्रेलर कल रिलीज होगा!

हाल ही में एक इंटरव्यू में अनुराग ने

कहा- मैं बॉलीवुड से कटा हुआ हूं क्योंकि इंडस्ट्री के लोग मुझे ऐसे देखते हैं जैसे मैं स्टेट का दुश्मन हूं। उन्होंने कहा- मैं हिंदी से ज़्यादा साउथ में हिस्सा ले रहा हूं। मुझे यहां अपनी जमात मिल गई है। यहां के लोग असली हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आपके माता पिता आपकी फिजूलखर्ची को देखकर आज चिंतित हो सकते हैं और इसलिए आपको उनके गुस्से का शिकार भी होना पड़ सकता है। आज आप सामाजिक कार्यों पर ज़्यादा ध्यान देंगे और ज़रूरतमंदों की मदद करने की कोशिश करेंगे। आज आप अपने किसी वादे को पूरा नहीं कर पाएंगे जिसकी वजह से आपका प्रेमी आपसे नाराज हो जाएगा। नए संपर्क बनाने और व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए की गयी यात्रा फलदायी साबित होगी। आज आप सब कामों को छोड़कर उन कामों को करना पसंद करेंगे जिन्हें आप बचपन के दिनों में करना पसंद करते थे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अपने धन का संचय कैसे करना है यह हुनर आज आप सीख सकते हैं और इस हुनर को सीख कर आप अपना धन बचा सकते हैं। दिन के उत्तरार्ध में अचानक आई कोई अच्छी ख़बर पूरे परिवार को ख़ुशी देगी। व्यवसाय में किसी धोखेबाज़ी से बचने के लिए अपने आँख–कान खुले रखें। अगर आपके पास हालात से उबरने के लिए दृढ़ इच्छा–शक्ति है, तो कुछ भी असंभव नहीं है। आप अपने जीवनसाथी को समझने में आपसे ग़लती हो सकती है, जिसकी वजह से सारा दिन उदासी में गुज़रेगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आज अपने घर के उन सदस्यों से दूर रहना चाहिए जो आपसे पैसा मांगते हैं और फिर लौटाते नहीं हैं। सही समय पर आपकी सहायता किसी को बड़ी परेशानी से बचा सकती है। दफ़्तर में आपको कुछ ऐसा काम मिल सकता है, जिसे आप हमेशा से करना चाहते थे। अगर आप अपने घर से बाहर रहकर अध्ययन या नौकरी करते हैं तो आज के दिन आप खाली समय में अपने घर वालों से बात कर सकते हैं। घर की किसी खबर को सुनकर आप भावुक भी हो सकते हैं। कई लोग साथ तो रहते हैं, लेकिन उनके जीवन में रोमांस नहीं होता। लेकिन यह दिन आपके लिए बेहद रोमानी होने वाला है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

जो लोग शादीशुदा हैं उन्हें आज अपने बच्चों की पढ़ाई पर अच्छा खासा धन खर्च करना पड़ सकता है। आप अनुभव करेंगे कि आपका जीवन अधिक अर्थपूर्ण हो रहा है। अपनी दीवानगी को क़ाबू में रखें, नहीं तो यह आपके प्रेम–संबंध को मुश्किल में डाल सकती है। कार्यक्षेत्र में बेहतर काम करने के लिए अपनी क्षमताओं को मांजने की कोशिश करें। अगर आप किसी विवाद में उलझ जाएँ तो तल्ख़ टिप्पणी करने से बचिए। पड़ोसियों का दख़ल शादीशुदा ज़िन्दगी में दिक़्क़त पैदा करने की कोशिश कर सकता है, लेकिन आप व आपके जीवनसाथी के बीच का बंधन बहुत मज़बूत है और इसे तोड़ना आसान नहीं है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

परिवार के किसी सदस्य के बीमार पड़ने की वजह से आपको आर्थिक परेशानी आ सकती है, हालांकि इस वक्त आपको धन से ज्यादा उनकी सेहत की चिंता करनी चाहिए। घर में तालमेल बनाए रखने के लिए साथ में मिलकर काम करें। हालाँकि प्यार में निराशा हाथ लग सकती है किसी भी तरह की साझीदारी करने से पहले उसके बारे में अपनी अंदरूनी भावना की बात ज़रूर सुनें। आज आपको ढेरों दिलचस्प निमंत्रण मिलेंगे– साथ ही आपको एक आकस्मिक उपहार भी मिल सकता है। जीवनसाथी के साथ एक आरामदायक दिन बीतेगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपके द्वारा धन को बचाने के प्रयास आज असफल हो सकते हैं हालांकि आपको इससे घबराने की जरुरत नहीं है स्थिति जल्द ही सुधरेगी। अपने जीवन–साथी के साथ बेहतर समझ ज़िन्दगी में ख़ुशी, सुकून और समृद्धि लाएगी। आज कार्यक्षेत्र में अचानक आपके काम की छानबीन हो सकती है। ऐसे में अगर आपने कोई गलती की होगी तो आपको इसका भुगतान करना पड़ सकता है। इस राशि के कारोबारी आज अपने कारोबार को नई दिशा देने के बारे में विचार कर सकते हैं। जीवन साथी की किसी बात को गंभीरता से न लेने की स्थिति में विवाद हो सकता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज आप अपना धन धार्मिक कार्यों में लगा सकते हैं जिससे आपको मानसिक शांति मिलने की पूरी संभावना है। पारिवारिक सदस्यों से मतभेद ख़त्म कर आप अपने उद्देश्यों की पूर्ति आसानी से कर सकते हैं। आप क़ामयाबी ज़रूर हासिल करेंगे – बस एक–एक करके महत्वपूर्ण क़दम उठाने की ज़रूरत है। आपके पास समय तो होगा लेकिन बावजूद इसके भी आप कुछ ऐसा नहीं कर पाएंगे जो आपको संतुष्टि दे। कोई रिश्तेदार अचानक आपके घर आ सकता है, जिसके चलते आपकी योजनाएँ गड़बड़ा सकती हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

शाम के समय थोड़ा आराम कीजिए। कोई बड़ी योजनाओं और विचारों के ज़रिए आपका ध्यान आकर्षित कर सकता है। किसी भी तरह का निवेश करने से पहले उस व्यक्ति के बारे में भली–भांति जाँच–पड़ताल कर लें। पारिवारिक मोर्चे पर समस्याएँ मुँह बाए खड़ी हैं। पारिवारिक ज़िम्मेदारियों की अनदेखी आपको सबकी नाराज़गी की केंद्र बना सकती है। आज किसी ऐसे इंसान से मिलने की संभावना है जो आपके दिल को गहराई से छूएगा। लेकिन आप अकेले तो होंगे लेकिन शांत नहीं आपके दिल में आज के दिन कई चिंताएं हैं होंगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आप घूमने–फिरने और पैसे ख़र्च करने के मूड में होंगे– लेकिन अगर आपने ऐसा किया तो बाद में आपको पछताना पड़ सकता है। दिन चढ़ने पर किसी पुराने दोस्त से सुखद मुलाक़ात होगी। आज आपकी कलात्मक और रचनात्मक क्षमता को काफ़ी सराहना मिलेगी और इसके चलते अचानक लाभ मिलने की संभावना भी है। आज काफ़ी दिमाग़ी कसरत मुमकिन है। आपमें से कुछ शतरंज खेल सकते हैं, वर्ग–पहेली हल कर सकते हैं, कोई कविता–कहानी लिख सकते हैं या भविष्य की योजनाओं पर गहराई से सोच सकते हैं। किसी पड़ोसी, दोस्त या रिश्तेदार की वजह से वैवाहिक जीवन में अनबन मुमकिन है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज आप उम्मीदों की जादुई दुनिया में हैं। आपके द्वारा धन को बचाने के प्रयास आज असफल हो सकते हैं हालांकि आपको इससे घबराने की जरुरत नहीं है स्थिति जल्द ही सुधरेगी। परिवार के सदस्य सहयोगी होंगे, लेकिन उनकी काफ़ी सारी मांगें होंगी। आज आपकी कलात्मक और रचनात्मक क्षमता को काफ़ी सराहना मिलेगी और इसके चलते अचानक लाभ मिलने की संभावना भी है। आज खाली वक़्त किसी बेकार के काम में खराब हो सकता है। ज़िन्दगी बहुत ख़ूबसूरत नज़र आएगी, क्योंकि आपके जीवनसाथी ने आपके लिए कुछ ख़ास योजना बनाई है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज धन की बहुत आवश्यकता पड़ेगी लेकिन बीते दिनों में किये गये फिजुलखर्च के कारण उनके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। किसी दूर के रिश्तेदार के यहाँ से मिली आकस्मिक अच्छी ख़बर आपके पूरे परिवार के लिए ख़ुशी के लम्हे लाएगी। आपके बॉस किसी भी बहाने में दिलचस्पी नहीं ज़ाहिर करेंगे– इसलिए निगाहों में बने रहने के लिए अपना काम अच्छी तरह से करें। आपको महसूस होगा कि आपका जीवनसाथी इससे बेहतर पहले कभी नहीं हुआ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

धार्मिक और आध्यात्मिक रुचि के काम करने के लिए अच्छा दिन है। लम्बे अरसे को मद्देनज़र रखते हुए निवेश करें। आपको चिंतामुक्त होकर अपने क़रीबी दोस्तों और परिवार के बीच ख़ुशी के लम्हे तलाशने की ज़रूरत है। प्यार का भरपूर लुत्फ़ मिल सकता है। जो कला और रंगमंच आदि से जुड़े हैं, उन्हें आज अपना कौशल दिखाने के लिए कई नए मौक़े मिलेंगे। वक्त की नाजाकत को समझते हुए आज आप सब लोगों से दूरी बनाकर एकांत में वक्त बिताना पसंद करेंगे। ऐसा करना आपके लिए हितकर भी होगा। आज से पहले शादीशुदा ज़िन्दगी इतनी अच्छी कभी नहीं रही।

गुरुवार का पंचांग

दिनांक : 27 फरवरी 2025 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2081
मास : फाल्गुन , कृष्ण पक्ष
तिथि : चतुर्दशी प्रातः 08:57 तक
नक्षत्र : धनिष्ठा सायं 03:44 तक
योग : शिव रात्रि 11:40 तक
करण : शकुन प्रातः 08:57 तक
चन्द्रराशि : कुंभ
सूर्योदय : 06:35, सूर्यास्त 06:22 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:36 , सूर्यास्त 06:28 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:29 , सूर्यास्त 06:20 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:26 , सूर्यास्त 06:13 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : देव पितृ कार्य अमावस्या , शिव खप्पर पूजा ,

पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

अशोक गहलोत का भाजपा सरकार पर हमला

सरकार की लापरवाही बन रही जानलेवा

जयपुर,26 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने राज्य की बिगड़ती स्वास्थ्य सेवाओं पर भाजपा सरकार को कटघरे में खड़ा किया है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने कोविड प्रबंधन में मिसाल कायम की थी, लेकिन वर्तमान सरकार ने जन स्वास्थ्य से जुड़ी महत्वपूर्ण योजनाओं को ठंडे बस्ते में डाल दिया।

गहलोत ने कहा कि उनके कार्यकाल में कोविड महामारी के दौरान दुनिया के दिग्गज डॉक्टरों और विशेषज्ञों से बातचीत हुई थी। उन एक्सपर्ट्स ने पोस्ट कोविड रिसर्च पर जोर देने की सलाह दी थी, जिसके बाद 2023 के बजट में ठणक्ढ में 'सेंटर फॉर पोस्ट कोविड रिहैबिलिटेशन' खोलने की घोषणा की गई थी। लेकिन, भाजपा सरकार ने सत्ता में आते ही इसे बिना किसी कारण के रद्द कर दिया।

सरकार की लापरवाही जानलेवाः गहलोत ने चेतावनी दी कि अगर यह रिहैबिलिटेशन सेंटर खुलता, तो कोविड के बाद बढ़ रही दिल की बीमारियों पर शोध होता। उन्होंने कहा, आज हम देख रहे हैं कि युवाओं में हार्ट अटैक के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। यह मामूली समस्या नहीं है। पोस्ट कोविड कॉम्प्लिकेशन्स का अध्ययन करना बेहद जरूरी है, लेकिन सरकार इस दिशा में कोई कदम नहीं उठा रही। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार दोनों को घेरते हुए कहा कि अगर जल्द से जल्द इस विषय पर सघन रिसर्च नहीं करवाई गई तो आने वाले समय में दिल की बीमारियां महामारी का रूप ले सकती हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री ने भाजपा सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि, हमारी सरकार ने स्वास्थ्य के क्षेत्र में ऐतिहासिक काम किए थे। चिरंजीवी योजना, निःशुल्क दवा योजना, निशुल्क जांच योजना जैसी कई योजनाओं से जनता को राहत दी गई थी। लेकिन अब भाजपा सरकार की प्राथमिकता सिर्फ सत्ता बचाना रह गया है, आम जनता की नहीं।

गहलोत ने भाजपा सरकार पर जनता के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने का आरोप लगाते हुए कहा कि अगर सरकार ने हमारी घोषित योजनाओं को बंद करने की मानसिकता नहीं छोड़ी, तो जनता इसका करारा जवाब देगी। उन्होंने मांग की कि पोस्ट कोविड रिसर्च सेंटर को तत्काल स्थापित किया जाए और युवाओं में बढ़ रहे हार्ट अटैक के मामलों की गहराई से जांच की जाए।

सीएम भजनलाल ने सपरिवार महाशिवरात्रि पर की पूजा-अर्चना

जयपुर,26 फरवरी (एजेंसियां)। महाशिवरात्रि के अवसर पर मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने मुख्यमंत्री निवास पर स्थित राजराजेश्वर मंदिर में सपरिवार विधिवत पूजा अर्चना कर प्रदेश की ख़ुशहाली एवं समृद्धि की कामना की ।

राजनीतिक महाभारत : पलटूराम पर निशाना और विधानसभा गतिरोध

जोधपुर,26 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान की राजनीति में इन दिनों सियासी गर्मी चरम पर है। संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने बिना नाम लिए कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा को पलटूराम कहकर नया विवाद खड़ा कर दिया है। जोधपुर में मीडिया से बात करते हुए पटेल ने कहा कि विधानसभा और कांग्रेस पार्टी को एक व्यक्ति ने हाईजैक कर लिया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस की अंतर्कलह की वजह से सदन में गतिरोध पैदा हुआ है।

मंत्री पटेल ने कहा कि मुख्यमंत्री ने भी गतिरोध खत्म करने के प्रयास किए, लेकिन पलटूराम ने इसके विपरीत आचरण किया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस के ही कुछ नेता अपने ही नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली को बोलने नहीं देना चाहते थे। पटेल ने इसे लाइमलाइट में आने की कोशिश करार दिया और कहा कि यदि वे चाहते तो पहले नेता प्रतिपक्ष का वक्तव्य सदन में रखने देते, फिर विरोध करते।

राजस्थान विधानसभा में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी पर की गई टिप्पणी के बाद कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा समेत छह विधायकों को निलंबित कर दिया गया था। इसके बाद से ही कांग्रेस लगातार विरोध कर रही है। गतिरोध खत्म करने के लिए संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल और गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने बातचीत की कोशिश की, लेकिन सहमति नहीं बन पाई। राजस्थान कांग्रेस पहले ही गुटबाजी के कारण कई बार सुर्खियों में रही है। अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच की तनातनी पहले ही कांग्रेस की स्थिति कमजोर कर चुकी है, और अब नया विवाद पार्टी की एकजुटता पर फिर से सवाल खड़े कर रहा है।

भजनलाल का श्रमिक कल्याण की दिशा में संवेदनशील निर्णय

अब मिलेगी 75 हजार रूपये प्रति विवाह सहायता राशि

जयपुर,26 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मंशा अनुरूप राज्य सरकार किसान, गरीब, महिला एवं युवाओं के कल्याण के प्रति कृतसंकल्पित होकर कार्य कर रही है।

इसी क्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने महात्मा ज्योतिबा फूले मंडी श्रमिक कल्याण योजना के अन्तर्गत विवाह सहायता राशि में वृद्धि करने की स्वीकृति प्रदान की है।

मुख्यमंत्री शर्मा के इस संवेदनशील निर्णय से उक्त योजना में अब अनुज्ञाधारी श्रमिकों की दो पुत्रियों के विवाह पर 25 हजार रूपये की बढ़ोत्तरी करते हुए प्रति विवाह 75-75 हजार रूपये की सहायता राशि दी जाएगी। यह स्वीकृति बजट वर्ष 2025-26 घोषणा के क्रम में दी गई है।

युवक पर बेरहमी से हमला 5 आरोपी हिरासत में

बीकानेर,26 फरवरी (एजेंसियां)। बीकानेर के नया शहर थाना क्षेत्र में मंगलवार रात एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां मोहल्ला चूनगरान में पैसों के लेनदेन को लेकर एक युवक को बेहरमी से पीटा गया। दबंगों ने लाठी-सरियों से उसकी इतनी पिटाई की कि उसके हाथ-पैर टूट गए। इस मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस हरकत में आई और 5 आरोपियों को हिरासत में लिया गया।पीड़ित युवक बजरंग मोदी ने नया शहर थाने में साजिद भुट्टा, माजिद अली भुट्टा सहित अन्य आरोपियों के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई है। नया शहर थानाधिकारी विक्रम तिवारी ने बताया कि उधार के पैसों को लेकर विवाद हुआ था, जिसके चलते यह घटना हुई। हालांकि, पीड़ित पक्ष ने पुलिस पर कार्रवाई में देरी का आरोप लगाया, जिससे इलाके में तनाव बढ़ गया।

हुड्डा शुरू से ही भाजपा के साथ रहे हैं : किरण चौधरी

भिवानी,26 फरवरी (एजेंसियां)। भाजपा की राज्यसभा सांसद किरण चौधरी ने एक बार फिर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा के बारे में कहा है कि वह शुरू से ही भगवा पार्टी के साथ हैं।

किरण चौधरी ने बुधवार को संवाददाताओं से बात करते हुए एक सवाल के जवाब में कहा कि भूपेंद्र सिंह हुड्डा को भाजपा में लाने की कोई जरूरत नहीं है, क्योंकि वह शुरू से ही भाजपा के साथ थे और भाजपा के लिए काम कर रहे थे। कटाक्ष करते हुए उन्होंने इसके लिए हुड्डा का आभार भी जताया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बडौली और पूर्व मंत्री जे.पी. दलाल द्वारा हुड्डा को भाजपा में शामिल होने का निमंत्रण देने के बारे में पूछे जाने पर किरण चौधरी ने कहा, हुड्डा तो पहले से ही भाजपा के साथ हैं और उनका काम कर रहे हैं। इसके लिए मैं उनका आभार व्यक्त करती हूं। किरण चौधरी ने यह भी कहा कि भूपेंद्र सिंह हुड्डा और उनके बेटे दीपेंद्र सिंह को देखकर कांग्रेस के अन्य नेता अपनी स्थिति खराब कर रहे हैं। उन्होंने कहा, इन दोनों की उपस्थिति ही कांग्रेस को खत्म करने की रणनीति है। किरण चौधरी ने भिवानी में सैकड़ों लोगों की समस्याएं सुनीं और मौके पर ही अधिकारियों को फोन करके समाधान के निर्देश दिए। इसके बाद मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने अपनी अजरबैजान यात्रा के बारे में भी जानकारी दी।

पूर्व मुख्यमंत्री हुड्डा पर बात करते हुए किरण चौधरी ने कहा कि कांग्रेस अब खत्म होने की कगार पर है और यह कांग्रेस के नेताओं की गलत नीतियों की वजह से हो रहा है। उन्होंने दिल्ली चुनाव में कांग्रेस की हार का जिक्र करते हुए दावा किया कि भाजपा निकाय चुनावों में भारी बहुमत से जीतने वाली है। किरण चौधरी ने कहा, कांग्रेस में अब कुछ नहीं बचा है और कांग्रेस के नेता समझौते करने के बाद पार्टी को आगे नहीं बढ़ा सकते। कांग्रेस केवल तेलंगाना और कर्नाटक में बची हुई है, लेकिन वहां भी अगली बार हार जाएगी।

बंडारू ने सकेतड़ी मंदिर में पूजा-अर्चना की

चंडीगढ़,26 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्त-त्रेय ने महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर सकेतड़ी के प्राचीन मंदिर में परिवार सहित पूजा अर्चना कर प्रदेशवासियों के लिए सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

पत्रकारों से बातचीत करते हुए राज्यपाल ने कहा कि महाकुंभ में 67 करोड़ लोगों ने स्नान किया है। महाकुंभ से ऐसा प्रतीत होता है विश्व स्तर पर अध्यात्म की भावना बढ़ रही है। यह विश्व में बहुत बड़ा अनोखा संगम है। लोगों में इससे नैतिकता बढ़ेगी। इससे बुराइयां भी कम हो जाएंगी। राज्यपाल ने आशा जताई की आध्यात्मिक शक्ति सारे जगत में फैले और भारत विश्व की शांति के लिए विश्व गुरु के रूप में फिर उभर कर आगे आए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विकसित भारत का लक्ष्य रखा है, उसमें सभी लोग भागीदार बने। इसी प्रकार हरियाणा भी संपन्न प्रदेश बने और हरियाणा के किसान, गरीब लोग सुख-शांति और अमन चैन से रहे। राज्यपाल ने कहा कि ओम का नाम एक शक्ति है। इस शक्ति से ही मनुष्य में सद्भावना आती है। इससे जितनी ऊर्जा अधिक होगी उतनी ही शक्ति बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि यह शक्ति ऊर्जा हमे शिव से प्राप्त होती है।

हरियाणा निकाय चुनाव से पहले भाजपा का बड़ा फैसला : 78 नेता पार्टी से निकाले गए

चंडीगढ़,26 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा में निकाय चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी ने बड़ी कार्रवाई की है। पार्टी ने 78 बागी नेताओं को बाहर का रास्ता दिखा दिया है। इनमें गुरुग्राम से 44, मानेसर से 33 और पटौदी से 1 नेता शामिल हैं। बागियों को सजा मिली है।

भाजपा ने यह कदम उन कार्यकर्ताओं के खिलाफ उठाया है जो पार्टी का टिकट न मिलने पर निर्दलीय चुनाव लड़ रहे थे। जिला अध्यक्ष कमल यादव ने एक सूची जारी कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने साफ किया कि पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल इन नेत-ाओं को बीजेपी से 6 साल के लिए निष्कासित कर दिया गया है।बीजेपी ने पहले ही अपने नेताओं को आगाह कर दिया था कि कोई भी पार्टी लाइन के खिलाफ चुनाव न लड़े। इसके बावजूद कई कार्यकर्ताओं ने बगावत कर दी और निर्दलीय चुनाव लड़ने का फैसला किया। इसी वजह से पार्टी ने कड़ा रुख अपनाते हुए सभी बागियों को पार्टी से बाहर करने का फैसला किया है।

हरियाणा में शुरू होंगी नई रेल परियोजना

चंडीगढ़,26 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के लोगों के लिए खुशखबरी! राज्य में एक नई रेल परियोजना की घोषणा की गई है, जिससे यात्री और माल परिवहन दोनों को फायदा होगा। इस परियोजना का उद्देश्य हरियाणा के औद्योगिक केंद्रों को बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करना है, जिससे यात्रा आसान और तेज़ हो जाएगी। यह 121 किलोमीटर लंबी रेलवे लाइन होगी, जो पलवल से सोनीपत तक जाएगी।

राज्य सरकार ने 100 दिनों में ही संकल्प पत्र के 18 वायदों को किया पूरा: नायब सिंह

चंडीगढ़,26 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि 8 अक्टूबर को सरकार बनने के बाद संकल्प पत्र के वायदे को पूरा करते हुए सबसे पहले प्रदेश में किडनी रोगियों के लिए मुफ्त डायलिसिस की सेवा शुरू करने का निर्णय लिया गया। आज सरकारी अस्पताल और पीजीआई, रोहतक में किडनी रोगियों को मुफ्त डायलिसिस का लाभ मिल रहा है। इसी कड़ी में राज्य सरकार ने अपने संकल्प पत्र के 18 वायदों को पहले 100 दिनों में ही पूरा करने का काम किया है और आगे भी सरकार अपने वायदों को पूरा करने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेगी। नायब सिंह सैनी ने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार ने मेरिट पर युवाओं को सरकारी नौकरी देने का काम किया है, जिससे युवाओं का मनोबल बढ़ा है

कि उनकी मेहनत खाली नहीं जाएगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेता, जो युवाओं को रोजगार देने की बात करती है, वो ही युवाओं के रोजगार में बाधा पैदा करने का काम करते हैं। विधानसभा चुनावों के समय कांग्रेस के नेता चुनाव आयोग के पास चले गए और भर्ती प्रक्रिया को रुकवाने का काम किया। लेकिन मैंने अपना वादा पूरा करते हुए मुख्यमंत्री की शपथ लेने से पहले 25 हजार से ज्यादा युवाओं को ज्वाइनिंग देने का काम किया।

नायब सिंह सैनी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस के नेता केवल एसी कमरों में बैठक ट्वीट करने का काम करते हुए, उन्हें धरातल पर हो रहे कार्यों की जानकारी ही नहीं है। कांग्रेस हमेशा झूठ की राजनीति करती है और जनता ने कांग्रेस की दुकानदारी पर ताला जड़ने का काम किया है। अब भविष्य में भी कांग्रेस सरकार बनने की कोई उम्मीद नहीं है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में पंचायती जमीन पर मकान बनाकर रह रहे लोग, जो लंबे से लिटिगेशन में फंसे हुए थे, उन्हें राहत देते हुए सरकार ने उन्हें मालिकाना हक दिलाने का काम किया है। इसके अलावा, 15 लाख से ज्यादा महिलाओं को 500 रुपए में गैस सिलेंडर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश तीव्र गति से विकास की ओर अग्रसर है और तीसरे इंजन की सरकार बनने के बाद और तेज गति से विकास के कार्य होंगे। उन्होंने कहा कि 7 मार्च, 2025 से हरियाणा का बजट सत्र चलेगा।

इस बार के बजट के लिए सभी हितधारकों से सुझाव लिए गए हैं और विकास के लिए एक समावेशी व संतुलित बजट बनाने के लिए इन सुझावों को बजट में शामिल भी किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि संकल्प पत्र में लाडो लक्ष्मी योजना के तहत महिलाओं को दी जाने वाली वित्तीय सहायता के लिए भी अलग से बजट का प्रावधान किया जाएगा।कार्यक्रम में विधायक कपूर वाल्मीकि, घनश्याम सर्राफ सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

बिहार को मिला नया एयर कार्गो टर्मिनल एक्स-रे समेत कई मशीनों से लैस

पटना (एजेंसियां)।
पटना एयरपोर्ट को अब एक और नया घरेलू एयर कार्गो टर्मिनल मिल गया। इसका शुभारंभ मंगलवार को हो गया। नया कार्गो टर्मिनल पटना हवाई अड्डे की कार्गो क्षमता में काफी वृद्धि करेगा और इससे इलाके में व्यापारिक गतिविधियां और विमानन सेवाएं और भी प्रभावी होंगी। इस नए कार्गो टर्मिनल का कुल क्षेत्रफल 3392 वर्ग मीटर है और यह पटना हवाई अड्डे के तकनीकी ब्लॉक के पास स्थित है। यह टर्मिनल कार्गो संचालन को और अधिक सुगम और प्रभावी बनाने के लिए विभिन्न अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है। खास बात यह है कि आठ करोड़ 50 लाख रुपये की लागत से बने नए एयर कार्गो में कोल्ड स्टोरेज भी है। इससे जर्दालु समेत कई किस्मों के आम, शाही लीची, समेत अन्य फलों को पटना से दूसरे राज्यों में भेजने की सुविधा होगी। पहले

वाले कार्गो में यह सुविधा नहीं थी।

नए कार्गो का शुभारंभ पटना एयरपोर्ट के कार्यकारी निदेशक उमाशंकर, कार्गो के जनरल मैनेजर के. सेल्वकुमार, और नगर विमानन सुरक्षा ब्यूरो के क्षेत्रीय निदेशक राजीव कुमार ने किया। अपने संबोधन में जनरल मैनेजर के. सेल्वकुमार ने कहा कि 22,000 मीट्रिक टन क्षमता वाला यह कार्गो बिहार के लिए एक बड़ी सौगात है। अब यहां से फल-फूल और अन्य सब्जियां बाहर आसानी से भेजी जा सकती है। पहले वाले कार्गो में कोल्ड स्टोरेज की सुविधा नहीं होने के कारण परेशानी होती थी। क्षेत्रीय निदेशक राजीव कुमार ने कहा कि पटना एयरपोर्ट पर एक ही छत के नीचे यहां से ऑपरेट होने वाले सभी एयरलाइंस को कार्गो दिया गया है। यह कार्गो अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है।

पटना एयरपोर्ट के कार्यकारी निदेशक उमाशंकर ने कहा कि इसका एरिया पहले से 10 गुना बढ़ गया है। देश के दूसरे शहरों से आने वाले और पटना से दूसरे शहरों में सामान भेजने के लिए अलग-अगल कार्गो की व्यवस्था की गई है। वहीं इस नए टर्मिनल का उद्घाटन पटना और बिहार क्षेत्र से कार्गो आवाजाही को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

अब एयर इंडिया, इंडिगो, स्प-इसजेट और एयर इंडिया एक्सप्रेस जैसी सभी प्रमुख एयरलाइंस एक ही स्थान से अपने कार्गो ऑपरेशंस चला सकेंगी। इस नए कार्गो टर्मिनल का निर्माण 8.5 करोड़ रुपये की लागत से हुआ है और इसकी कुल कार्गो हैंडलिंग क्षमता 22,000 मीट्रिक टन है। इससे कार्गो की समग्र स्वीकृति और वितरण में सुधार होगा, खासकर उन सीजनल वस्तुओं की आवाजाही में जिनमें खराब होने का जोखिम रहता है, जैसे कि लीची और आम।

पटना एयरपोर्ट पर पहले से पुराने कार्गो सिर्फ 322 वर्ग मीटर में बना था। इसका उपयोग केवल एक एयरलाइन, इंडिगो, द्वारा आउटगोइंग कार्गो के लिए किया जाता था। उसकी वार्षिक कार्गो हैंडलिंग क्षमता 7500 मीट्रिक टन थी।

महाशिवरात्रि पर्व पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।
महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर मुजफ्फरपुर जिले के औराई प्रखंड में स्थित सुप्रसिद्ध बाबा भैरवनाथ महादेव मंदिर में आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा। अहलेसुबह से उमड़ी भीड़ दिन के 12 बजे तक जारी रहा है। मंदिर में बाबा के दर्शन से लेकर पूजन करने को लेकर के भक्त खूब उत्साह में दिख रहे हैं और बाबा के भक्ति में लीन नजर आए हैं।

महाशिवरात्रि का पर पूरे देश में बड़ी धूमधाम उत्साह और श्रद्धा भाव से मनाया जा रहा है। बिहार के मुजफ्फरपुर के अलग-अलग जगह पर शिवालयों में भी जहां भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। वहीं मुजफ्फरपुर के औराई प्रखंड में स्थित बाबा भैरवनाथ महादेव मंदिर में भी आस्था का जनसैलाब फुट पड़ा है।

मंदिर का कोना-कोना श्रद्धालु भक्तों से पट गया है और वहीं हर तरफ बाबा भोलेनाथ हर-हर महादेव के नारे लगाते हुए भक्त मंदिरों में आ रहे हैं और अपना आस्था बाबा को समर्पित कर रहे

हैं। मंदिर प्रशासन के द्वारा भक्तों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसको लेकर खास तैयारी किया गया था।

बता दें कि अति प्राचीन बाबा भैरवनाथ महादेव मंदिर एक ऐतिहासिक और प्राचीन मंदिर में शुमार है। भक्तों के बीच कोई बदमाश और सामाजिक तत्व या उपद्रवी तत्व प्रवेश न हो इसको लेकर के पूरे मंदिर की सीसीटीवी से निगरानी की जा रही है। प्रशासन की टीम भी इस दौरान मुस्तैद होकर भक्तों को जलाभिषेक करवा रही है। प्रवेश मार्ग से लेकर मंदिर के गर्भगृह तक आने वाले सभी भक्तों को कतारबद्ध करवा करके मंदिर में दर्शन के लिए प्रवेश कराया जा रहा है।

मंदिर के पुजारी ने बताया, सुबह से ही भक्तों का आना जाना लगा हुआ है। इस मंदिर में आसपास के जिले के भक्त का आना होता है और यहां पर आकर अपनी आस्था समर्पित करते हैं। यह मंदिर मनोकामना मंदिर है और यहां पर बाबा का दर्शन, पूजन और जलाभिषेक करने से मनवांछित फलों की प्राप्ति हो जाती है और इसके लिए दूर दराज से भक्त आते हैं।

बिना बैंड बाजा और बारात के सीआईएसएफ जवान ने की शादी

जहानाबाद (एजेंसियां)।
जहानाबाद जिले में एक अन-ोखी शादी का मामला सामने आया है। यह शादी एक फौजी जवान ने किया। जहां बिना बैंड बाजा, बारात और बिना किसी तामझाम के एक प्रेमी जोड़े ने घर से भागकर मंदिर में शादी रचा ली। मामला काको प्रखंड के दक्षिणी स्थित सूर्य मंदिर का है।

प्रेमी युवक मूल रूप से झारखंड के धनबाद निवासी यशवंत सिंह बताया जाता है। जो फिलहाल उत्तराखंड के पितरगढ़ में सीआईएसएफ के पद पर तैनात है। जबकि प्रेमिका प्रीति कुमारी गया शहर के ऐपी कॉलोनी की रहने वाली है। यशवंत के पिता व्यवसाय के

उद्देश्य से ऐपी कॉलोनी में ही रहते हैं। जहां यशवंत अपने पिता से मिलने गया के ऐपी कॉलोनी में आया करता था और उसकी मुलाकात प्रीति से हुई।

बता दें कि दोनों पहले ही नजर में एक दूसरे को पसंद करने लगे। धीरे-धीरे प्यार परवान चढ़ गया और दोनों में बातचीत होने लगी। इस बात की जानकारी लड़की के घर वालों को भी मिल गई। उसके घर के लोग स्वजातीय होने के बावजूद भी उस लड़के से शादी करना नहीं चाहते थे। इतना ही नहीं लड़की का रिश्ता दूसरे जगह तय की जा रही थी। जो प्रेमिका प्रीति को कहीं से भी मंजूर नहीं था।

ऐसे में अब दोनों के पास कहीं जाकर शादी करने के अलावा कोई रास्ता नहीं था। इधर, प्रेमिका का प्रेमी यशवंत भी छुट्टी लेकर घर आया हुआ था, जहां उसकी मुलाकात जहानाबाद के एक सीआईएसएफ जवान दोस्त कुंदन से हुई। जो ड्यूटी जाने के लिए गया ट्रेन पकड़ने गया था। दोस्त को अपनी प्रेम कहानी बताया, जिसके बाद उसका दोस्त कुंदन ने अपने परिचय के लोगों से फोन पर बात कराया और उसे मदद करने को कहा। उसके बाद प्रेमी युगल ने घर से भागकर जहानाबाद पहुंच गए, जहां सूर्य मंदिर में हिंदू रीति-रिवाज के अनुसार शादी रचा ली।

शादी से प्रेमी युगल काफी खुश नजर आ रहे थे। हालांकि, मीडिया के कैमरे के सामने बोलने से परहेज करते नजर आए।

बारात लेकर जा रही मिनी बस और दूध टैंकर की भीषण टक्कर, तीन लोगों की मौत

बेगूसराय (एजेंसियां)।
बेगूसराय में एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया, जहां बारात लेकर जा रही मिनी बस और तेज रफ्तार दूध टैंकर की जोरदार टक्कर में तीन बारातियों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि छह अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां तीन की हालत चिंताजनक बताई जा रही है। इस घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया, वहीं पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

जानकारी के मुताबिक, यह हादसा बछवाड़ा थाना क्षेत्र के रानी पेट्रोल पंप के पास हुआ। बताया जा रहा है कि भगवानपुर प्रखंड के विकास सुल्तान से

बारात दुलारपुर गांव जा रही थी। इसी दौरान बछवाड़ा के पास एक तेज रफ्तार दूध टैंकर ने मिनी बस को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मिनी बस सड़क पर ही पलट गई।

चश्मीदीदों के अनुसार, दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी और घायलों को अस्पताल पहुंचाने में मदद की। हादसे में मिनी बस सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि छह अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों के अनुसार तीन की स्थिति नाजुक बनी हुई है।

घटना की जानकारी मिलते ही बछवाड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने बताया कि दूध टैंकर का चालक दुर्घटना के बाद फरार हो गया। फिलहाल टैंकर और मिनी बस को जब्त कर लिया गया है और चालक की तलाश की जा रही है। इस दर्दनाक हादसे के बाद मृतकों के परिवार में कोहराम मच गया है। स्थानीय लोग प्रशासन से पीड़ित परिवारों को उचित मुआवजा देने की मांग कर रहे हैं। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि मामले की गहन जांच की जाएगी और दोषी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी।

लोजपा सांसद प्रतिनिधि के घर फायरिंग, पहले घर का डोर बेल बजाकर बुलाया और फिर घटना को दिया अंजाम

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।
मुजफ्फरपुर में वैशाली लोकसभा क्षेत्र से लोजपा आर की सांसद वीणा देवी के प्रतिनिधि और जिला पार्षद पति अनीश कुमार के घर पर चढ़कर बाइक से पहुंचे अज्ञात अपराधियों ने फायरिंग किया है। इस फायरिंग में सांसद प्रतिनिधि बाल-बाल बच गए हैं।

घटना जिले के हथौड़ी थाना क्षेत्र की बताई जा रही है। गोलीबारी की इस घटना से पूरे इलाके में दहशत का माहौल बना हुआ है। घटना की जानकारी के बाद मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। मौके से गोली का खोखा बरामद किया गया है। वहीं, इस घटना की

वारदात घर में लगे हुए सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।

घटना आज सुबह की है। जहां पर बाइक सवार होकर दो की संख्या में अज्ञात अपराधी आते हैं और फिर वैशाली की लोजपा आर की सांसद वीणा देवी के प्रतिनिधि अनीश कुमार शाही के घर पर चढ़कर गोलीबारी की घटना को अंजाम देने के बाद चले जाते हैं। यही नहीं अपराधी पहले घर का डोर का बेल को बजाते हैं और फिर सांसद के प्रतिनिधि के ऊपर वारदात को अंजाम देते हैं और मौके से भाग खड़े हुए। वहीं, इस गोलीबारी की घटना में बाल-बाल बच गए हैं। सांसद प्रतिनिधि अनीश कुमार शाही का परिवार इस घटना के बाद दहशत में है। वहीं, गोलीबारी की घटना के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है।

यह मामला मुजफ्फरपुर जिले के हथौड़ी थाना क्षेत्र के सहिला रामपुर गांव का है। आपको बता दें कि इसके पूर्व सांसद वीणा देवी को भी धमकी मिली थी और वहीं अब सांसद प्रतिनिधि और वार्ड-36 के जिला पार्षद पति अनीश कुमार शाही के घर पर पहुंचते हैं, उनका डोर बेल को बजाते हैं और फिर बुलाते हैं और जब प्रथम मंजिल से में आकर पूछते हैं क्या काम है तो अपराधी उन्हें नीचे आने की बात कहता है। लेकिन जब सांसद प्रतिनिधि को उस अपराधी पर जो हेलमेट पहने हुए होता है, उस पर संदेह होता है तो वह नीचे नहीं जाते हैं और ऊपर से ही आने का कारण पूछते हैं।

तभी मौजूद अपराधी अपना हथियार निकालता है और सांसद प्रतिनिधि अनीश कुमार शाही पर गोली चला देते हैं। गोली चलने से पहले ही सांसद प्रतिनिधि अपने घर के अंदर प्रवेश कर जाते हैं और फिर शोर करते हुए अपने भाई को अपनी लाइसेसी बंदूक लाने की बात कहते हैं और फिर सांसद प्रतिनिधि के तरफ से भी आत्मरक्षा में गोली चलाई जाती है, जिसके बाद से मौके से दोनों अपराधी बाइक लेकर फरार हो जाते हैं। घटना की जानकारी के बाद मौके पर पहुंची पुलिस इस मामले में आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

पड़ोसियों से विवाद में बालक का अपहरण, फिर गला रेतकर हत्या की

औरंगाबाद (एजेंसियां)।
दो पड़ोसियों से विवाद में एक किशोर बालक को अगवा किया गया। अगवा करने के दो दिन बाद किशोर की गला रेत कर हत्या कर दी गई और शव को खेत में फेंक दिया गया। मामले में पुलिस शव को बरामद करने के बाद आगे की कार्रवाई में जुटी है। घटना औरंगाबाद के कुटुम्बा थाना क्षेत्र में एरका गांव की है। मृतक की पहचान में एरका गांव निवासी जिम्मेदार पासवान के पुत्र अंकित कुमार(12) के रूप में की गई है। परिजनों के मुताबिक अंकित गांव के ही सरकारी स्कूल में सातवीं कक्षा का छात्र था। वह पिछले चार दिन से घर से गायब था। अंकित रविवार की शाम घर से गांव से कुछ दूरी पर स्थित एरका कॉलोनी के पास लगने वाले ठेले पर समोसा खाने के लिए निकला था। रात आठ बजे तक जब घर नहीं पहुंचा तो परिजन चिंतित हो गए। इसके बाद परिजनों ने रात में ही उसकी काफी खोजबीन की। इसके बावजूद उसका कोई पता नहीं चला। इसके बाद दूसरे दिन सोमवार को परिजनों ने अंकित के गायब होने की सूचना पुलिस को दी।

सूचना के बाद पुलिस किशोर का पता लगाने में जुटी थी। इसी बीच बुधवार को अंकित का शव एरका स्थित घर से महज 500 मीटर दूर खेत से बरामद किया गया। बुधवार की सुबह खेत की ओर निकले एरका गांव के ही अभय कुमार ने खेत में अंकित का गला रेता हुआ शव देखा। शव को देखते ही उन्होंने तत्काल इसकी सूचना परिजनों को दी। सूचना मिलते ही परिजन समेत काफी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए। सभी ने देखने के बाद शव की शिनाख्त अंकित के रूप में की। इसके बाद गांव के लोगों ने मामले की जानकारी पुलिस को दी। पोस्टमॉर्टम कराने ले जाने के दौरान परिजनों ने एनएच पर शव को रोककर सड़क जाम कर दिया।

पंचनामा तैयार कर शव को कब्जे में लेने के बाद पुलिस शव को ऑटो से लेकर पोस्टमॉर्टम कराने औरंगाबाद सदर अस्प-ताल के लिए निकली।

अगवा कर नाबालिग की हत्या मामले में चार दोषियों को आजीवन कारावास

दरभंगा (एजेंसियां)।
दरभंगा के व्यवहार न्यायालय के जिला एवं सत्र न्यायाधीश विनोद कुमार तिवारी ने कुशेश्वरस्थान थाना क्षेत्र निवासी 13 वर्षीय गौतम साह की हत्या के मामले में चार अभियुक्तों घूरन यादव, राम विनय यादव, विपिन यादव और विजय यादव को

आजीवन सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही 25 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया है।

जानकारी के मुताबिक, 11 अक्तूबर 2015 को गौतम साह की हत्या कर दी गई थी। इस मामले में मृतक के चाचा प्रभु साह ने कुशेश्वरस्थान थाना में प्राथमिकी (संख्या 279/15) दर्ज कराई थी। प्राथमिकी में आरोप लगाया गया था कि गौतम के पिता ने गांव के ही रामचंद्र साह की हत्या के मामले में गवाही दी थी, जिससे नाराज होकर अभियुक्तों ने बदले की भावना से 13 वर्षीय गौतम साह की हत्या कर दी।

जानकारी के मुताबिक, हत्या के दिन गौतम अपनी मां के साथ खेत जा रहा था। कुछ देर बाद जब वह अपनी मां के पीछे-पीछे खेत से लौट रहा था, तभी अभियुक्तों ने उसे अगवा कर लिया। अगले दिन गांव के एक नाले से उसका शव बरामद किया गया, जिसके दोनों पैर रस्सी से बंधे हुए थे और मुंह से खून निकल रहा था। इस घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल बन गया था।

मामले की सुनवाई के दौरान 29 नवंबर 2019 को अभियुक्तों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया गया। अभियोजन पक्ष की ओर से कुल नौ गवाहों की गवाही कराई गई। अदालत ने 13 फरवरी 2025 को चारों आरोपियों को दोषी करार दिया और 25 फरवरी 2025 को सजा सुनाई।

भारतीय दंड संहिता की धारा 302 के तहत चारों दोषियों को आजीवन सश्रम कारावास और 25 हजार रुपये जुर्माना

धारा 301 के तहत तीन साल कारावास और तीन हजार रुपये का जुर्माना

सजा सुनाने के दौरान अदालत में अभियोजन पक्ष की ओर से एपीपी चमकलाल पंडित ने मजबूती से बहस की। उन्होंने अदालत के सामने हत्या की योजना, घटना के चश्मदीद गवाहों के बयान और बरामद शव की स्थिति से जुड़े सबूत पेश किए।

गौतम साह के परिजनों ने कोर्ट के फैसले पर संतोष जताते हुए कहा कि न्याय मिलने में भले ही 10 साल लग गए। लेकिन दोषियों को उनके किए की सजा मिली। इस फैसले के बाद गांव में भी अपराधियों के खिलाफ कड़ा संदेश गया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com